

मूल्य : एक प्रति दस रुपये

भार्गव पत्रिका

जुलाई, 2023

भार्गव सभा का मुख्यपत्र (67वाँ वर्ष) अंक 04



योग साधिका सहजोबाई के 298वें जन्मोत्सव 21 अगस्त, 2023
के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएँ

देश, जाति अरु धर्म की, सेवा करहु हमेश ।
देती, 'भार्गव पत्रिका' यही शुभ सन्देश ॥



Jolly®

Since 1944

JUST FIT & FORGET



ABOUT US

Jolly Engineering Works, the pioneers in Hinges & builder's hardware, was founded by late Sh. Jitender Nath Bhargava in 1944. The pioneers then are leaders today.

With this far sighted vision, we were the 1st manufacturer to have started Piano Hinges on a completely automatic German plant.

For the past eight decades, Jolly Engineering has stood by its commitment to delivering sheer excellence. Our exquisitely crafted products bring a heightened aesthetic experience and create a remarkable benchmark in the hardware industry.

Every company originates from a vision and builds its empire by passionately working round the clock for years together. Jolly strongly believes that minute details also make a huge difference. Our premium range of Hinges, Mortice Handles, Locks, Ball Bearing Slides, Tower Bolts, Kitchen, as well as our Window hardware is crafted using pioneered cutting-edge technology.

Our exceptional craftsmanship and advanced technological solutions push our company to deliver innovative designs blended with sustainability. From one generation to the other, the Jolly family has handed down unparalleled work ethics and unique craftsmanship skills. We celebrate the 'Made in India' initiative and envision taking it one step further with our exclusive products and services.

We embrace innovation and collectively strive toward achieving high customer satisfaction levels. Our sole purpose is to offer the finest quality products coupled with exceptional customer services. We promote brilliance and consistent evolution of technologies to bring about a revolution in hardware. With this dedication, we thrive to be the industry leaders.

"Jolly Products", Yes, they have to be seen to be believed."



E-43, SMA Co-op Indl. Estate, Delhi - 33 (formerly at 1/3, Roop Nagar, Delhi)

18002020450 | www.jollyengg.com | hinges@jollyengg.com

पंजीकरण का 67वाँ वर्ष

जुलाई, 2023

अंक 04



शुल्क - धरोहर जमा राशि : रु. 1500

- सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक : हीरेन्द्र नाथ भार्गव, प्रधान सचिव, अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि.)
ईमेल: abbsairtel@gmail.com / abbsbhargavapatrika@gmail.com
- प्रबन्ध सम्पादक : निहाल भार्गव, नई दिल्ली, मो.: 09810234705
- सह-सम्पादक : डॉ. राजकुमारी, उदयपुर, मो.: 09460328260
कपिल भार्गव, अलवर, मो.: 09414640378
राकेश भार्गव, लखनऊ, मो.: 09450450255
प्राणनाथ भार्गव, गुडगाँव, मो.: 09871143837
- मुद्रण का स्थान : रैकमो प्रेस प्राइवेट लिमिटेड
I-57, UPSIDC इंडस्ट्रियल एरिया, साइट-V,
कासना, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)
- प्रकाशन हेतु सामग्री निम्न पते पर भेजें:-
सम्पादक, 'भार्गव पत्रिका': 305, IIIrd Floor,
एवलोन अपा., न्यू मंगलापुरी, नई दिल्ली-110030
फोन : 011-41403536
<abbsbhargavapatrika@gmail.com>

*Bhargava Patrika is available on website
www.bhargavasamajglobal.com*

* * *

Complimentary facilities from ABBs

*Please send your email ID to us for
sending future issues to you directly.*

*You can also send your mobile
numbers to us for receiving issues in
multipule colours through WhatsApp.*

भार्गव पत्रिका]

भार्गव पत्रिका

भार्गव सभा का मुख्यपत्र
प्रकाशन का 125वाँ वर्ष

हमें आप पर पूरा भरोसा है

आज के बदलते वातावरण में हर दूसरा व्यक्ति अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए कुछ भी करने को तैयार हो जाता है, एक दूसरे पर विश्वास करने में हिचकिचाता है। इस स्थिति से हमारा समाज भी अछूता नहीं है। तो क्यों नहीं हम अपने एवं दूसरे के व्यवहार को परखें, कमी हो तो दूर करने के प्रयास करें, एक दूसरे पर विश्वास करना सीखें। क्योंकि भरोसा और विश्वास उस सम्पत्ति की तरह हैं जिसे बनाने में कई साल लग जाते हैं। लेकिन तोड़ने में एक पल लगता है और दोबारा जोड़ने के लिए पूरी जिन्दगी भी छोटी पड़ जाती है। भरोसा और विश्वास ही किसी भी रिश्ते को मजबूत बना सकते हैं।

पति-पत्नी के रिश्ते की बुनियाद तो भरोसे पर टिकी होती है। इसके विपरीत आज हमारे समाज में भी भरोसे की नींव हिलती नजर आने लगी है जिसके कई नजारे हमें आज देखने को मिलते हैं।

हम जितने प्रैक्टिकल हो गए हैं उतना ही एक दूसरे पर से भरोसा खत्म होता जा रहा है, परन्तु हमारे सामने अनेक उदाहरण ऐसे भी हैं जिसमें आपने देखा होगा कि कोई आप पर इतना विश्वास करता है कि वह अपने मन की सारी बातें कह सकता है जैसे सहकर्मी, करीबी रिश्तेदार, आपसे भरोसे के साथ सलाह ले सकता है, क्योंकि वह आपको अपना परिवार मानता है। हमारा भी यह कर्तव्य है कि हम उसके विश्वास को कायम रखें, चाहे उसमें हमें थोड़ा नुकसान भी उठाना पड़े। कारण कि भरोसा और विश्वास कमाया जाता है, अपने व्यवहार और व्यक्ति से।

इसलिए निजी जीवन ही नहीं बल्कि पेशेवर जीवन में भी आपका व्यक्ति और व्यवहार ऐसा होना चाहिए कि आपकी विश्वसनीयता बने, लोग आप पर भरोसा करें।

— डॉ. राजकुमारी भार्गव, उदयपुर (सह-सम्पादक,
भार्गव पत्रिका, मो.: 09460328260

विषय सूची

हमें आप पर पूरा भरोसा है : डॉ. राजकुमारी भार्गव, उदयपुर	3
इस अंक में दिये गये विषयों की सूची	4
योग साधिका सहजोबाई : शिक्षाविद् कपिल भार्गव, अलवर	5
नागन फूसन कुलदेवी पूज क परिवार एवं दानदाताओं से विनम्र अपील	5
अ. भा. भा. सभा के 132वाँ वार्षिक अधिवेशन 2023 – स्नोह निमन्त्रण	6-9
अ. भा. भा. सभा के पुरस्कार एवं मान-सम्मान कार्यक्रम वर्ष 2022-23 : विशेष सूचना	10-21
समाज कल्याण समिति : कार्यकारिणी बैठक दिनांक 9-7-2023 में प्रस्तुत रिपोर्ट	22
इंजीनियरिंग की पढ़ाई में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों हेतु विशेष प्रोत्साहन पुरस्कार एवं छात्रवृत्ति/ऋण	23
ढोसी तीर्थ : पं. राजकिशोर भार्गव, भोपाल	24
Useful Links For Bhargavas Worldwide — Subhas Bhargava, Ottawa Canada	25
कविता : सेवा के सुअवसर, गरीब की झाँपड़ी – श्री बालकृष्ण भार्गव, दिल्ली	26
बहुरंगी विशेष वैवाहिक प्रत्याशी विवरण : एक युवक	27
गाजियाबाद भार्गव समाज समिति, एबीबीएस की द्वितीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक आयोजन	29
अर्चट देवी सेवा समिति: अर्चट देवी धर्मार्थ आयुर्वेदिक औषधालाय का शुभारंभ	39
संत शिरोमणी स्वामी चरणदास जी महाराज का 321वाँ जन्मोत्सव 18.9.2023 – अपील एवं आमंत्रण	40
ढोसी धाम पर हवन एवं भंडारा – रविवार 19 नवम्बर, 2023	41
अखिल भारतीय भार्गव युवा संघ के सर्विधान में संशोधन सम्बन्धी सूचना	41
लेख माला : हमारे युवाओं में अधिक उम्र में विवाह करने की बढ़ती प्रवृत्ति	42-61
लेखकगण: (1) डॉ. प्राची भार्गव, लखनऊ (2) श्रीमती तनु भार्गव, मुंबई (3) श्रीमती उत्तरा भार्गव, मुंबई (4) श्रीमती संगीता भार्गव, दिल्ली (5) श्रीमती अमिता भार्गव, लखनऊ (6) श्रीमती स्वाति भार्गव, लखनऊ (7) श्रीमती आशा भार्गव, सिरोंज मध्य प्रदेश (8) श्रीमती चित्रा भार्गव, लखनऊ (9) श्रीमती निशा भार्गव, कानपुर (10) श्रीमती वीना भार्गव, अलवर (11) श्रीमती रमा भार्गव, कानपुर (12) श्रीमती मंजु भार्गव, अलवर (13) श्री मथुरा प्रसाद भार्गव, जयपुर (14) श्रीमती सुमन (सुधा) भार्गव, जयपुर (15) श्रीमती कुलजीत भार्गव, लखनऊ	
जाति की उन्नति कीजिए : डॉ. आशा भार्गव, बीकानेर	62-63
कविता – बीमा : डॉ. आशा भार्गव, बीकानेर	63
गुरु शिष्य संवाद (गतांक से आगे ...) : श्री मथुरा प्रसाद भार्गव, जयपुर	66-68
कविता: जीवन के विश्वसनीय सूत्र – आलोक भार्गव, दुर्ग	68
शिवमय जीवन की आवश्यकता : श्रीमती वीणा भार्गव, अलवर	69-70
आगरा भार्गव सभा द्वारा आयोजित विवाह परामर्श	83
श्री किशोरी लाल भार्गव द्वारा स्मृति सप्तम् निबंध प्रतियोगिता	83
कुलदेवी दर्शन यात्रा : 6 परिवारों द्वारा अपनी कुलदेवी के दर्शन	84-86
Donation of Water Cooler and Refrigerator	86
Achievers of the Society: (1) Mrs. Ruchi Bhargava, Hyderabad, (2) Miss Suhaneet, Pune	87
जातीय समाचार	93-96
हमारी स्थानीय सभाएँ: लखनऊ, रेवाड़ी, अजमेर, जयपुर, दिल्ली, रायबरेली, बीकानेर, गुरुग्राम, कानपुर, अहमदाबाद, गाजियाबाद, भोपाल, जबलपुर, मेरठ, फरीदाबाद	97-108
स्थानीय महिला सभा: दिल्ली, कानपुर, जबलपुर, अलवर, रेवाड़ी, आगरा, ग्वालियर एवं उज्जैन समाज	111-116
हमारे युवा संघ: (1) अखिल भारतीय भार्गव युवा संघ जयपुर; (2) भार्गव युवा संघ अलवर	117-118
बुजुर्ग बदलने लगे हैं .. - आलोक भार्गव, दुर्ग	118
भार्गव पत्रिका]	(4)
	[जुलाई, 2023

योग साधिका सहजोबाई

योग साधिका सहजोबाई ने भार्गव वंश में जन्म लेकर उसे गौरव प्रदान किया है। आपने मानव मात्र को साधना, सेवा, गुरु भक्ति, गुरु आज्ञा, सत्यता, गुरु सेवा एवं प्रभु समर्पण का मार्ग दिखाया। कुटिल सामाजिक विकृतियों से ग्रसित सनातन धर्म का पुनरुत्थान किया। भारतीय नारी और अंत्यज वर्ग को संदेश देकर समाज में क्रांति उत्पन्न की। इस महान विचारक, संत एवं विदुषी के श्री चरणों में शत शत नमन।

उसी ऋषिवर का 298वाँ जन्मोत्सव 21 अगस्त, 2023 को मना रहे हैं। आपका जन्म श्रावण शुक्ल पंचमी संवत् 1782 को पंडित हरिप्रसाद भार्गव के घर दिल्ली में हुआ था।

संत जी ने अपने पूरे जीवन को अपने गुरु संत चरणदास जी के श्री चरणों में समर्पित कर जीवन भर ज्ञान योग की साधना की एवं उच्चतम भाव भूमि पर पहुँचकर “सहजोबाई” ने जो कुछ कहा वह साहित्य बन गया, जो “सहज प्रकाश” के नाम से मेवाती भाषा में अद्वितीय ग्रंथ है।

“यत्र नार्यस्तु पूज्यते रमंते तत्र देवता” अर्थात् जहाँ नारी की पूजा होती है, वहाँ देवताओं का निवास होता है। प्राचीन ऋषियों का नारी के प्रति ऐसा उदार दृष्टिकोण रहा है। 18वाँ सदी में संत महापुरुषों ने नारी को पूर्ण सम्मान प्रदान किया, सहजोबाई इसका साक्षात् उदाहरण है।

ऋषिवर सहजोबाई ने अपने गुरु संत चरणदास जी से अष्टांग योग, स्वरोदय ज्ञान, अष्ट सिद्धि ज्ञान, नवनिधि ज्ञान, योग दर्शन और आसन सिद्धि जैसा कठिन ज्ञान प्राप्त किया, जो उस काल में नारी के लिए कठिन और असंभव था।

आइए, हम सब मिलकर ऋषिवर द्वारा दिग्दर्शित मार्ग पर चलकर साधना और सेवा के द्वारा जीवन को निष्पाप, सुखी एवं शांतिपूर्ण बनाकर श्रेष्ठ समाज निर्माण में अपना योगदान करें।

— शिक्षाविद् कपिल भार्गव (अलवर), सह-संपादक, भार्गव पत्रिका

अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि.)

नागन फूसन कुलदेवी पूजक परिवार एवं दानदाताओं से विनम्र अपील

अखिल भार्गव सभा कार्यालय को कुलदेवी मंदिर से जुड़े पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के द्वारा अनुरोध किया गया है कि दानदाताओं द्वारा दी गयी दानराशि से प्रत्येक माह मंदिर के पुजारी का वेतन दिया जाये तथा इस कार्य हेतु जुलाई माह से 15,000/- रुपये भेजने, NEFT/UPI द्वारा भेजना शरू कर दिया गया है और इसके लिये सभा कार्यालय में दानराशि तथा व्यय का विवरण रखा जायेगा।

आप सभी कुलदेवी पूजक एवं दानदाता परिवारों से विनम्र अनुरोध है कि कृपया उक्त मद में आपके द्वारा दी गयी दानराशि के साथ अपना नाम, पूरा पता सभा कार्यालय को यथाशीघ्र डाक अथवा ईमेल <abbsairtel@gmail.com> द्वारा समय से भेजने का प्रयास करें और जिन सदस्यों को 80G का लाभ उठाना हो, तो उनका PAN number एवं पूरा पता अवश्य भेंजे ताकि सभा कार्यालय द्वारा 80G की रसीद दी जा सके। जानकारी न मिलने की स्थिति में राशि की रसीद काटना सम्भव नहीं होगा और सभा खाते में जमा करायी गयी राशि संशय (Suspense) में पड़ी रहेगी।

मेरा अनुरोध है कि भाई श्री विजेन्द्र जी (जयपुर) तथा श्री दिनेश जी (अलवर), उपप्रधान (सत्र 2023-25) इस पर उचित कार्यवाही कर सहयोग प्रदान करें। धन्यवाद

— हीरेन्द्र नाथ भार्गव, प्रधान सचिव, मो.: 09811009294

अधिवेशन आयोजन एवं प्रबन्ध समिति

(अखिल भारतीय भार्गव सभा, रजि.)

कार्यालय: ऑरिक प्राइम विला नंबर 14-15, जयसिंहपुरा, भांकरोटा, अजमेर रोड, जयपुर-302026

प्रभारी उप-प्रधान	प्रधान	संयोजक	सचिव
श्री अनिल भार्गव	श्री अनिल भार्गव	श्री राकेश भार्गव	श्री संजीव भार्गव
गोपालपुरा, जयपुर	(RFC) जयपुर	अनुपम कैटर्स, जयपुर	जयपुर
मो.: 9414358969	मो.: 9414045845	जयपुर, मो.: 9414079994	मो.: 9314500115

<anil93bhargava@gmail.com> <anilbhargava.jaipur@gmail.com> <rakeshbhargavadeys@gmail.com> <sanjeevbhargava1970@gmail.com>

प्रधान श्री अनिल भार्गव RFC की कलम से

**अखिल भारतीय भार्गव सभा का 132वाँ वार्षिक अधिवेशन, 2023 रेवाड़ी में
(शनिवार 23, रविवार 24 एवं सोमवार 25 दिसम्बर, 2023 को)**

सम्मेह निमन्त्रण

दिनांक 9 जुलाई, 2023 को गाजियाबाद में अखिल भारतीय भार्गव सभा की कार्यकारिणी द्वारा लिए गए निर्णयानुसार इस वर्ष अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि.) का 132वाँ वार्षिक अधिवेशन हरियाणा के दक्षिण छोर में बसा शहर रेवाड़ी में “श्री कृष्ण भवन”, में दिनांक 23 से 25 दिसम्बर, 2023 को आयोजित किया जाना निश्चित किया गया है।



रेवाड़ी का इतिहास: विश्व मानचित्र पर औद्योगिक नगरी के नाम से मशहूर रेवाड़ी जिला असल में पीतल, जूते और बर्फी के लिए जाना जाता रहा है। यहाँ के पीतल के बर्टन और जरी की जूतियाँ विश्वविख्यात रही हैं, ये दोनों चीजें विदेशों तक एक्सपोर्ट होती रही हैं। समय के साथ इनका लोप होता चला गया। रेवाड़ी की मशहूर बर्फी के लिए दूर-दूर से लोग आज भी यहाँ आते हैं। रेवाड़ी का इतिहास बहुत प्राचीन है। यह यदुवंशी अहीर/यादवों की एक जगह है। रेवाड़ी की प्राचीनता का उल्लेख ऋग्वेद और महाभारत जैसे भारतीय महाकाव्यों में किया गया है। इन ग्रंथों में यह ‘ब्रह्मवेत्ता, एक जगह है, जहाँ वैदिक संस्कृत विकसित किया गया था, के रूप में जाना जाता है। कहते हैं, इसकी पहचान प्राचीन भारत में महाभारत काल के दौरान, रेवत नाम के एक राजा, जिनके रेवती नाम की एक बेटी थी, पिता उसे प्यार से रीवा कहा करते थे। राजा ने एक शहर स्थापित किया और उसका नाम “रीवा वाडी” रखा। राजा रेवत ने अपनी पुत्री रीवा का विवाह



भार्गव पत्रिका]

श्रीकृष्ण के बड़े भाई बलराम के साथ कर दिया और राजा ने अपनी बेटी को यह शहर दहेज के रूप में दान कर दिया। बाद में यह शहर बलराम की राजधानी रहा। समय के चक्र के साथ-साथ “रीवा वाडी” रेवाड़ी बन गया।

इस बार रेवाड़ी में अधिवेशन करने के कई कारण हैं, यहाँ रह रहे हमारे परिवारों का कहना था कि हमेशा अधिवेशन

बड़े शहरों में किया जाता रहा है, इस बार हमें भी मेजबानी का मौका पूर्वजों की जन्मस्थली है और सभा के पास धरोहर, अचल सम्पत्तियों में सबसे ज्यादा संपत्ति रेवाड़ी में ही स्थित हैं। रेवाड़ी के आस-पास में अनेक ऐसे स्थान और पवित्र स्थल हैं, जिसका हमारे कई परिवार आज भी दर्शन की इच्छा रखते हैं और उनके लिए ये एक अवसर हो सकता है। हिन्दुस्तान के अंतिम हिन्दू सम्राट और अकबर के एक मात्र प्रतिद्वंदी राजा हेम चन्द्र भार्गव विक्रमादित्य की हवेली आज भी कुतुबपुर रेवाड़ी में स्थापित है।



ढोसी पर्वत: हम सभी जानते हैं कि भार्गव, जिन्हें दूसरा ब्राह्मण भी कहा जाता है, की उत्पत्ति वधूसर नदी के टट पर ढोसी पहाड़ी के पास के क्षेत्र से हुई थी।



अधिवेशन भ्रमण में इस पवित्र आश्रम के के दर्शन भी कर सकते हैं।

ढोसी पर्वत प्राचीन वैदिक राज्य ब्रह्मावर्त में स्थित है, जो वर्तमान में भारतीय राज्यों राजस्थान और हरियाणा की सीमाओं पर स्थित है, ढोसी पर्वत रेवाड़ी से 60 किलोमीटर दूर स्थित है। भार्गव समुदाय का वंश भृगु ऋषि और उनके पुत्र च्यवन ऋषि से जुड़ा है, जो च्यवनप्राश के निर्माण के साथ अपने संबंधों के लिए जाने जाते हैं। इसे हम भार्गवों की भूमि के नाम से भी जानते हैं। यहाँ पहुँचने के लिए रेवाड़ी से करीब 1 घंटा 15 मिनट का समय लगता है। आप

रेवाड़ी के आस-पास हमारी कुलदेवियों के पवित्र मंदिर: कुलदेवी और देवता का सम्मान करने और उनकी कृपा पाने से पूरे परिवार पर कृपा बनी रहती है। उनकी पूजा परिवार और परंपराओं को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह पूजा किसी विशेष वंश के सदस्यों के बीच सांस्कृतिक पहचान की भावना को मजबूत करती है। उनकी पूजा करने से परिवार के सदस्यों के बीच एकता और सामंजस्य बढ़ता है। रेवाड़ी से 50 किलोमीटर के क्षेत्र में नागन-फूसन कुलदेवी, घिलोट, नीमराना (35 किलोमीटर), चावंड कुलदेवी, नीमराना (35 किलोमीटर), नांगन कुलदेवी (मनसा माता), बहरोड़, अलवर (48 किलोमीटर), अर्चट कुलदेवी, बम्बोरी, अलवर (52 किलोमीटर), असावरी/अपला कुलदेवी, गुडगाँव (52 किलोमीटर) के पवित्र मंदिर स्थित हैं, जिन परिवारों को इन कुलदेवियों का आशीर्वाद प्राप्त है और दर्शन करना चाहते हैं, वो अधिवेशन के भ्रमण में अपनी-अपनी माँ कुलदेवियों के दर्शन का लाभ उठा सकते हैं, इसकी सम्पूर्ण जानकारी आप अधिवेशन भ्रमण के दरम्यान श्री कपिल जी भाई साहब, अलवर से प्राप्त कर सकते हैं।

रेवाड़ी के दर्शनीय स्थल: रेवाड़ी अपने आप में बहुआयामी प्रतिभाओं, महान कलाकारों, कवियों, साहित्यकारों, शूरवीरों, धार्मिक स्थलों, शैक्षणिक प्रतिष्ठानों, प्रकृति सौंदर्य से ओतप्रोत दक्षिणी हरियाणा का एक ऐसा स्थान है, जहाँ आकर मन को सुकून और पवित्रता का बोध होता है। वैसे तो रेवाड़ी के पर्यटन स्थल, दर्शनीय स्थल, आकर्षक स्थल एवं रेवाड़ी में घूमने लायक जगहों की कोई कमी नहीं है। लेकिन चार ऐसे प्रमुख स्थान हैं, जहाँ आप पर्यटन स्थलों का आनंद ले सकते हैं।

लोको शेड-दुनिया की सबसे पुरानी अभी भी काम करने वाली 1855 में निर्मित भाप इंजन फेयरी क्वीन (लोकोमोटिव) पर्यटक ट्रेन की मरम्मत यहाँ की गई थी। यह भारत का एकमात्र जीवित भाप लोको शेड है और इसमें भारत के कुछ आखिरी बचे हुए भाप इंजन हैं। यह रेवाड़ी रेलवे स्टेशन के प्रवेश द्वार से 400 मीटर उत्तर में स्थित है। भारतीय रेल ने इस विरासत स्थल को राज्य में पर्यटन को बढ़ाने के लिए इसे संग्रहालय का रूप दे दिया और भाप के इंजनों को अब संग्रहालय में दिखाया गया है।



बागवाला तालाब (पुराने तहसील कार्यालय के पास, रेवाड़ी)- यह तालाब रेवाड़ी के पूर्व तहसील कार्यालय के पास स्थित है। राव गुज्जरमल के पुत्र राम अहीर ने इसे बनवाया था। यह तालाब फिलहाल सूखा हुआ है।

बड़ा तालाब (राव तेज सिंह तालाब) रेवाड़ी पर्यटन में बड़ा तालाब का एक तालाब के रूप में बड़ा महत्व है, इसका महत्व इसलिए बड़ा है क्योंकि बड़ा तालाब ऐतिहासिक और धार्मिक दोनों भावनाओं से जुड़ा है। तालाब के पास एक हनुमान मंदिर है, जहाँ भक्तों का तांता लगा रहता है। इस तालाब का निर्माण 1800 ईसवी में राव तेज सिंह ने स्नान हेतु करवाया था।



श्री घंटेश्वर मंदिर, मुख्य बाजार, रेवाड़ी: घंटेश्वर मंदिर रेवाड़ी शहर के दिल में स्थित है और यह मंदिर सनातन धर्म से संबंधित दुर्लभ मंदिरों में से एक है। यहाँ सभी देवताओं और सनातन धर्म की देवी की मूर्तियाँ, इस मंदिर में स्थापित हैं। यह मंदिर तीन मंजिला है और काफी संख्या में भक्तों और पर्यटकों को अपनी ओर खींचता है। रेवाड़ी पर्यटन में इस मंदिर का बहुत महत्व है।

बावल का प्रसिद्ध किला: रेवाड़ी का बावल का किला मुख्यता दिल्ली-जयपुर रोड के समीप बावल नामक शहर में स्थित है। यह किला इसलिए प्रसिद्ध है, क्योंकि यहाँ पर अलग-अलग राजाओं ने अपने शासन में राज्य किया है। हालांकि इसके तीन पक्षीय दीवारों और पीछे प्रवेश द्वार अभी भी ठीक हालत में है, लेकिन बाकी किला खंडहर हो गया है। परं फिर भी यहाँ लोग घूमने का आनंद लेने आते हैं।

रेवाड़ी का जायका: यूँ तो हर शहर का अपना एक जायका होता है। कहीं के छोले भट्टूरे, तो कहीं की पाव भाजी, कहीं की जलेबी, तो कहीं के पराठे फेमस होते हैं। रेवाड़ी में भी बाबा भारती के देशी घी के पराठे, ओम वाले की चाट, सरदार की चाप, प्रेम भोग का खाना, राजस्थान स्वीट्स की कचोरी, जलेबी, अप्सरा का फलूदा, राकेश कुलफा की आइसक्रीम, बोगी की चाय भी काफी पसंद किये जाते हैं।



रेवाड़ी में होटल्स एवं मॉल: रेवाड़ी में ठहरने के लिए बहुत सारे होटल मिल जाते हैं, जहाँ पर आप ठहर सकते हैं। आप अपने बजट के अनुसार होटल का चयन कर सकते हैं। आप होटल का चयन ऑनलाइन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त

अधिवेशन स्थल से 8 से 10 किलोमीटर में हाईवे पर 50 से 100 कमरों से सुसज्जित बड़े होटल या रिसॉर्ट्स



ऑनलाइन उपलब्ध हैं, जैसे राज पैलेस (बावल रोड), एच.एन. होटल (बावल रोड), आर.सी. होटल (दिल्ली रोड), बिल बेरी (सर्कुलर रोड), रुद्राक्ष होटल (नारनौल रोड), गंगा होटल, आर.यू. होटल (मनचंदा सोसाइटी), केसरिया होटल (आंबेडकर चौक) उपलब्ध हैं, जिसकी आप समय रहते ऑनलाइन बुकिंग करा सकते हैं। एक होटल Tivoli Hotel Heritage भी है, जिसमें 80 से ज्यादा कमरे हैं, रेवाड़ी में कई बड़े शो रूम भी हैं, उसके अलावा एक बड़ा BMG मॉल भी उपलब्ध है, जहाँ से आप अपने खाली समय में खरीदारी कर सकते हैं।

रेवाड़ी कैसे पहुँचें: रेवाड़ी पहुँचने के लिए वायु मार्ग, रेल मार्ग और सड़क मार्ग उपलब्ध रहते हैं। यहाँ पर सड़क मार्ग और रेल मार्ग से पहुँचा जा सकता है।

वायु मार्ग: रेवाड़ी पहुँचने के लिए, सबसे नजदीकी एयरपोर्ट दिल्ली में इंदिरा गांधी हवाई अड्डा बना हुआ है। दिल्ली रेवाड़ी से करीब 70 किलोमीटर दूर है। अगर आप वायु मार्ग से आते हैं, तो आप पहले दिल्ली आ सकते हैं और उसके बाद सड़क मार्ग द्वारा रेवाड़ी पहुँच सकते हैं।

रेल मार्ग: रेल मार्ग से रेवाड़ी पहुँचा जा सकता है। रेवाड़ी में रेलवे स्टेशन बना हुआ है, जो मुख्य शहर में बना हुआ है और यह रेलवे नेटवर्क द्वारा विभिन्न शहरों से जुड़ा हुआ है। यहाँ पर विभिन्न शहरों से डायरेक्ट ट्रेन आती हैं। यहाँ पर एक्सप्रेस और गरीब रथ जैसी ट्रेन रुकती हैं। आप आराम से रेल मार्ग द्वारा रेवाड़ी आ सकते हैं।

सड़क मार्ग: सड़क मार्ग से रेवाड़ी पहुँचना आसान है। रेवाड़ी जिले से राष्ट्रीय राजमार्ग गुजरता है। रेवाड़ी में आने के लिए बस की सुविधा उपलब्ध है। यहाँ पर आप लोकल बस या सरकारी बस द्वारा पहुँच सकते हैं। यहाँ पर आपको आने के लिए बस आराम से मिल जाती है।

-: विनम्र निमंत्रण :-

इस वर्ष अधिवेशन आयोजन का मुख्य आकर्षण युवा कार्यक्रम, खेलकूद, महिला कार्यक्रम, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं विवाह परामर्श हैं, यहाँ पर 4 मंजिल के 4 हॉल हैं, प्रत्येक हाल में 1000 से ज्यादा व्यक्तियों के बैठने की क्षमता है। अधिवेशन का स्थान एवं तारीख निश्चित कर दी गई है, आप सभी परिवारों से विनम्र निवेदन है, वार्षिक अधिवेशन हेतु आप आज ही रेवाड़ी के लिए अपने और परिवार के सभी सदस्यों के लिए, जिस भी साधन से आप रेवाड़ी पधारना चाहते हैं, अपनी सीट आरक्षित करें, आपकी उपस्थिति से न केवल अधिवेशन शोभायमान होगा अपितु रेवाड़ी में रह रहे परिवार, जो आपके आगमन पर आतिथ्य के लिए आतुर हैं, उनको खुशी एवं मनोबल देगा।

आपके आगमन की प्रतीक्षा में ...

श्री अनिल भार्गव RFC

प्रधान

मो.: 9414045845

भार्गव पत्रिका]

श्री संजीव भार्गव

सचिव

मो.: 9314500115

(9)

[जुलाई, 2023



अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि.)

पुरस्कार एवं मान-सम्मान कार्यक्रम — 2022-23



विशेष सूचना

- भार्गव समाज के उपलब्धि प्राप्त जाति बन्धुओं को, जिन्होंने अपने विशिष्ट कार्यों से समाज में एवं देश-विदेश में कीर्तिमान स्थापित कर भार्गव जाति का गौरव बढ़ाया है, अखिल भारतीय भार्गव सभा प्रत्येक वर्ष अपने वार्षिक अधिवेशन पर विशेष सम्मानित करती रही है।
- अखिल भारतीय भार्गव सभा की पुरस्कार समिति द्वारा गत तीन वर्षों (2019, 2020 एवं 2021) के घोषित पुरस्कारों का वितरण सभा के 131वाँ वार्षिक अधिवेशन जोधपुर (राजस्थान) के अवसर पर दिनांक 18 दिसम्बर, 2022 को समारोह पूर्वक किया गया। इस वर्ष दिसम्बर 2023 में रेवाड़ी (हरियाणा) में होने वाले सभा के 132वें वार्षिक अधिवेशन के अवसर पर सभी चयनित पुरस्कार/सम्मान प्राप्त जन को सम्मानित किया जायेगा।
- वर्ष 2022-23 हेतु 80 निधियों में विभिन्न क्षेत्रों की उपलब्धियों पर पुरस्कार एवं सम्मान दिये जाएँगे, जिसमें निर्धारित मापदण्ड के अनुसार इन्हें 16 भागों में बाँटा गया है।

All Awards and Honours are now classified in 16 different Categories.

SI.	CODE	CATEGORY (श्रेणी)	
1.	A	CLASS X EXAMINATION OF CENTRAL & STATE BOARDS	— 6 Awards
2.	B	CLASS XII EXAMINATION OF CENTRAL & STATE BOARDS	— 11 Awards
3.	C	ENGINEERING COURSES	— 9 Awards
4.	D	MEDICAL — MBBS, BDS, PG COURSES etc.	— 8 Awards
5.	E	ARCHITECTURE, FASHION DESIGN, MASS COMMUNICATIONS etc.	— 2 Awards
6.	F	CHARTERED ACCOUNTANCY / COMPANY SECRETARY	— 2 Awards
7.	G	MANAGEMENT — MBA etc.	— 2 Awards
8.	H	M.Ed. / M.Phil. / Ph.D.	— 3 Awards
9.	I	JUDICIARY, ADMINISTRATIVE AND OTHER SERVICES	— 5 Awards
10.	J	SAMMAN — FOR VERY SPECIAL ACHIEVEMENTS	— 3 Awards
11.	K	YOUNG ACHIEVERS (K-1 & K-2) / INNOVATIONS (K-3 to K-9)	— 9 Awards
12.	L	SPORTS & GAMES	— 4 Awards
13.	M	ARTS & CULTURE	— 2 Awards
14.	N	SOCIAL SERVICE & HERITAGE	— 4 Awards
15.	O	OTHER FIELDS OF ACHIEVEMENTS	— 6 Awards
16.	P	COMMUNITY SERVICE	— 4 Awards
			Total — 80 Awards

- यदि विशेष उपलब्धि प्राप्त करने वाले जाति बन्धुओं की पूर्ण जानकारी आपके पास न हो तो कृपया उनके नाम एवं सम्पर्क सूत्र हमें भेजें। हम उनसे सम्पर्क करेंगे।
- नामांकन प्राप्त होने की अंतिम तिथि भी 31-10-2023 निर्धारित की गयी है।
- सामान्यतः केवल 2 नामांकन एवं विशेष उपलब्धि होने पर अधिकतम 3 नामांकन भेजे जा सकते हैं तथा किसी भी व्यक्ति को अधिकतम 2 पुरस्कार/सम्मान दिये जा सकेंगे।
- विद्यार्थीगण एक श्रेणी (Category) में 2 Code तक में नामांकन भेज सकते हैं एवं विशेष उपलब्धि होने पर 3 श्रेणियों (Category) तक नामांकन किए जा सकते हैं।
- पुरस्कार एवं सम्मान प्रायः निधियों की राशि पर अर्जित वार्षिक ब्याज से दिये जाते हैं।
- भार्गव सभा विशेष पुरस्कार: जिन विद्यार्थियों का प्रदर्शन उत्तम होता है, परन्तु वे उक्त निधियों में निर्धारित मापदण्ड (criteria) के अनुसार प्रथम स्थान प्राप्त नहीं कर पाते हैं, तो उनकी उपलब्धि की प्रशंसा एवं सराहना करते हुए उनको ‘भार्गव सभा विशेष पुरस्कार’ प्रदान किया जाता है।
- भार्गव परिवारों से अनुरोध है कि देश-विदेश में निवास कर रहे उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले उनके परिचित युवाओं/युवतियों/बन्धुओं/महिलाओं और उनकी उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी (संलग्न प्रपत्र अनुसार) अखिल भारतीय भार्गव सभा को भेजें।

निर्धारित digital आवेदन-पत्र (Form) अगले पृष्ठ पर दिया जा रहा है। साथ ही भार्गव सभा से ईमेल abbsairtel@gmail.com के द्वारा मँगवाया जा सकता है अथवा वेबसाइट www.bhargavasamajglobal.com से डाउनलोड किया जा सकता है।

अंतिम तिथि 31-10-2023 तक विवरण भरकर अखिल भारतीय भार्गव सभा के email: abbsairtel@gmail.com पर digital format में प्राप्त हो जाने चाहिए अथवा डाक द्वारा सभा कार्यालय: 401, 3rd Floor, एम्पायर अपार्टमेन्ट, महरौली-गुडगाँव रोड, सुलतानपुर, नई दिल्ली-110030 में 31-10-2023 तक प्राप्त हो जाने चाहिए।

पुरस्कार सम्बन्धित जानकारी इत्यादि के विषय में कृपया सभा के सचिव, श्री उमेश भार्गव, मो.: 9350597241 ईमेल: bhargava.vicky@yahoo.com से सम्पर्क करें।

प्रेषक: हीरेन्द्र नाथ भार्गव, प्रधान सचिव, मो.: 9811009294

High achievers spot rich opportunities swiftly, make big decisions quickly and move into action immediately. Follow these principles and you can make your dreams come true.

AKHIL BHARTIYA BHARGAVA SABHA
APPLICATION FORM FOR AWARDS AND MAAN SAMMAN
(Period of Achievements — 1st November 2022 - 31st October 2023)

Complete Application Form alongwith required attachments must be submitted by e-mail to <abbsairtel@gmail.com> with a copy to Akhil Bhartiya Bhargava Sabha, 401, 3rd Floor, Empire Apartment, M.G. Road, Sultanpur, New Delhi-110030 on or before **31.10.2023**

Preference for award applied (1) Code No. _____ (2) Code No. _____

Award applied for special achievement : (3) Code No. _____

Applicant's details :—

Name **B H A R G A V A**

Date of Birth (DD/MM/YYYY)

Mobile (Self) E-Mail

Mailing Address _____ PIN Code

Academic Qualifications

Present Occupation

Father's Name (in full) _____ (Need not write BHARGAVA)

Mother's Name (in full) _____ (Need not write BHARGAVA)

Spouse's Name (in full) _____ (Need not write BHARGAVA)

Mobile & email of Parents

Mobile & email of Spouse

Achievements specifically relevant to Award applied for.

(Please use another excel sheet/page, as required, separately for each award applied for.)

Documents to be attached :- (i) Recent Colour Photograph; (ii) Self Attested copies of all supporting documents; (iii) Complete list of documents attached _____

If the application is not submitted by the applicant himself/herself, details of proposer —

Name of the Proposer

Address of Proposer

Mobile & E-mail of Proposer

Declaration : I shall abide by the rules and regulations.

Date of Application : _____ Signature of Applicant / Proposer
भार्गव पत्रिका] (12) [जुलाई, 2023

Akhil Bhartiya Bhargava Sabha (Regd.)
List of Awards & Honours 2022-2023

Catagory A — CLASS TENTH : 6 Awards

Code Nidhi Name (Year of Establishment), No. Nidhi Amount	Award / Honour Criteria
A-1 Dr. Atri-Prabha Bhargava (Agra) Puraskar (2002), <i>Nidhi amount: Rs.50,000/-</i>	National : Highest marks in SCIENCE in class X examination to a student from central or any state board.
A-2 Late Chandra Prakash-Smt. Nirmala Bhargava (Neemuch) Puraskar (2004), <i>Nidhi amount : Rs.11,000/-</i>	State : Highest aggregate marks in class X examination (from any board), preference to (i) Madhya Pradesh, (ii) Rajasthan, if not (iii) Any other State Board.
A-3 Late Har Kishore - Smt. Shanti Devi (Ajmer) Puraskar (2008), <i>Nidhi amount : Rs.50,000/-</i>	State : Highest marks in MATHEMATICS in class X examination of Rajasthan State Board otherwise student of CBSE from AJMER zone.
A-4 Late Smt. Sushila Devi - Dr. Gopal Swaroop Smriti (Bhora Kalan) Puraskar (2016), <i>Nidhi amount : Rs.25,001/-</i>	National : Highest aggregate marks in class X examination to a MALE student from any State Board.
A-5 Late Smt. Uma Rani - Shri Ravindra Nath (Seoni) Puraskar (2019), <i>Nidhi amount : Rs.25,001/-</i>	National : Highest aggregate marks in class X examination to a FEMALE student from any State Board.
A-6 Late Satya Prakash-Late Smt. Urmila Bhargava (Gurgaon) Puraskar (2021), <i>Nidhi amount : Rs.1,11,000/-</i>	National : Highest aggregate marks in class X examination to one MALE and one FEMALE student from Central or any State Board.

Catagory B — CLASS TWELFTH : 11 Awards

Code Nidhi Name (Year of Establishment), No. Nidhi Amount	Award / Honour Criteria
B-1 Dr. Atri-Prabha Bhargava (Agra) Puraskar (2002), <i>Nidhi amount: Rs.50,000/-</i>	National : Highest marks in PHYSICS in class XII examination to a student from central or any state baord.
B-2 Smt. Sarbati Devi-Jagat Narayan Bhargava (Bikaner) Puraskar (1995), <i>Nidhi amount : Rs.11,001/-</i>	State : Highest aggregate marks of four subjects (1 language + 3 stream subjects) in class XII examination to a student from State Examination Board of Rajasthan otherwise CBSE AJMER zone.
B-3 Smt. Vidhyawati (Gulab)-Shameshwar Sahai (Rewari) Puraskar (2004), <i>Nidhi amount : Rs.25,000/-</i>	National : Highest aggregate marks in class XII to a student from any central or state board other than Rajasthan Board.
B-4 Late Shri Dwarka Nath (Roorkee) Puraskar Nidhi (2009), <i>Nidhi amount : Rs.25,000/-</i>	National : Highest Marks in MATHEMATICS in class XII examination to a student of CBSE.
B-5 Shri Satya Prakash Bhargava s/o Shri Narayan Swaroop (Dholpur) Puraskar (2009), <i>Nidhi amount : Rs.25,000/-</i>	National : Highest marks in class XII examination to a student from HISTORY (Humanities) or BUSINESS STUDIES (Commerce).

<i>Code Nidhi Name (Year of Establishment), No. Nidhi Amount</i>	<i>Award / Honour Criteria</i>
B-6 Smt. Preeti-Shri Dinesh Bhargava (Alwar) Puraskar (2012), <i>Nidhi amount : Rs.50,000/-</i>	National : Highest aggregate marks in class XII examination to a student from ICSE/CBSE Board (1 Language + 3 main stream subjects)
B-7 Smt. Uma-late Shri Baijnath (Ajmer) Puraskar Nidhi (2013), <i>Nidhi amount : Rs.51,000/-</i>	National : Highest marks in class XII examination to a student from any Cetnral OR State Board in SCIENCE STREAM (Physics, Chemistry, Mathematics or Physics, Chemistry, Biology).
B-8 late Jivan Ram-Smt. Kusum Bhargava (Bharatpur) Puraskar (2019), <i>Nidhi amount : Rs.30,000/-</i>	National: Highest Marks (above 90%) in MATHEMATICS in class XII examination to a FEMALE student of any Central/State Board.
B-9 Late Smt. Kusum - Shri Mahendra Kumar Bhargava (Jaipur) Puraskar (2019) <i>Nidhi amount : Rs.50,000/-</i>	National: Highest Marks (above 90%) in COMMERCE in CBSE class XII examination to a FEMALE student.
B-10 Late Jagdish Prasad - Late Smt. Nirmala Bhargava (Alwar) Puraskar (2018) <i>Nidhi amount : Rs.50,000/-</i>	National: Highest Marks in COMMERCE stream in class XII examination from any state examination board.
B-11 Shri Ajay Kumar - Smt. Shobha Bhargava (Kota) Puraskar (2022) <i>Nidhi amount : Rs.1,00,000/-</i>	National: Highest agreegate Marks in BIOLOGY in class XII examination to a student from weaker section from any Board.

Category C — ENGINEERING : 9 Awards

<i>Code Nidhi Name (Year of Establishment), No. Nidhi Amount</i>	<i>Award / Honour Criteria</i>
C-1 Late Narayan Swaroop Bhargava (Dholpur) Puraskar (2006), <i>Nidhi amount : Rs.51,000/-</i>	National : Highest marks or CGPA in Final year Semesters (7 th & 8 th) in Engineering (B.E./B.Tech.)
C-2 Shri Uma Shanker - Smt. Sharda Bhargava (Jaipur) Puraskar (2007), <i>Nidhi amount : Rs.1,00,000/-</i>	National : To a FEMALE student securing highest percentage marks or CGPA in all semesters of the engineering degree examination.
C-3 Late Shri Gajendra Nath (Jaipur) Puraskar (2003), <i>Nidhi amount : Rs.12,600/-</i>	National / International: To a FEMALE student securing highest percentage marks or CGPA in all semesters in Computer Science.
C-4 Late Sh. Kishori Raman - Smt. (Late) Raj Dulari (Jaipur) Puraskar (2011), <i>Nidhi amount : Rs.2,00,000/-</i>	To 2 FEMALE students securing admission in ENGINEERING or MEDICAL course through competitive examination. Preference will be given to daughters of widows.
C-5 Late Smt. Vimla Devi - Late Shri Shyam Sunder Bhargava (Chandausi) Puraskar (2013) <i>Nidhi amount : Rs.1,25,000/-</i>	National / International : (i) Recognition for the achievement of PATENT FILING in the field of Software or Hardware or Design innovation. (ii) Admission in any branch of IIT's in India or any reputed University Aboard.

<i>Code Nidhi Name (Year of Establishment), No. Nidhi Amount</i>	<i>Award / Honour Criteria</i>
C-6 Smt. Sushila Bhargava - Prof. Kundan Lal Bhargava (Jaipur) Puraskar (2013) <i>Nidhi amount : Rs.1,00,000/-</i>	National : To a 1 MALE and 1 FEMALE student with highest marks in MATHEMATICS in class XII, admitted in 1 st year of Engineering through All India Competitive Entrance Examination.
C-7 Smt. Kamlesh Bhargava - Shri Munni Lal Bhargava (Jaipur) Puraskar (2014) <i>Nidhi amount : Rs.51,000/-</i>	National : To 1 MALE student for securing highest percentage marks or CGPA in all semesters of the Engineering degree examination.
C-8 Prof. Dr. Sunil Kumar - Smt. Rekha Bhargava (Jaipur) Puraskar (2015) <i>Nidhi amount : Rs.1,00,000/-</i>	National : To 2 FEMALE students for scoring highest aggregate marks or CGPA in all the semesters in any engineering discipline.
C-9 Damyanti Bhargava Smriti (Ajmer) Puraskar (2018) <i>Nidhi amount : Rs.4,10,001/-</i>	National : To 1 MALE and 1 FEMALE student admitted to Engineering course securing highest rank in the National Entrance Examination.

Catagory D — MEDICAL : 7 Awards

<i>Code Nidhi Name (Year of Establishment), No. Nidhi Amount</i>	<i>Award / Honour Criteria</i>
D-1 Smt. Bhuvaneshwari Devi-Parmeshwar Nath Bhargava (Jaipur) Puraskar (1989), <i>Nidhi amount : Rs.50,000/-</i>	National : Highest aggregate marks in final degree examination of Medicine/BioTech./B.Pharma. or any masters degree in science (botany/zoology/chemistry) related subject.
D-2 Dr. Sudha-Dr. Rishi Bhargava (Jaipur) Puraskar (1991), <i>Nidhi amount : Rs.50,000/-</i>	National : (1) Highest percentage marks in final examination of M.B.B.S., B.D.S., M.D.S. otherwise (2) Highest position in Central / State Pre. P.G. allotment OR (3) D.N.B., M.C.H., Ph.D., D.M. in medicine.
D-3 Smt. Shanti Devi-Triloki Nath (Saharanpur) Puraskar (2003), <i>Nidhi amount : Rs.10,000/-</i>	National : To a Medical student admitted to P.G. Degree Course. Preference to girls.
D-4 Dr. Binod - Veena Bhargava (Lucknow) Puraskar (2014), <i>Nidhi amount : Rs.50,000/-</i>	National : To any candidate on admission in MBBS course in any Govt. Medical College.
D-5 Smt. Ranjana - Shri Anil Kumar Bhargava (Jaipur) Puraskar (2018), <i>Nidhi amount : Rs.50,000/-</i>	National : On successful completion of M.S./M.D. in Cardiology / Neurology / Neurosurgery / Medicine.
D-6 Damyanti Bhargava Smriti (Ajmer) Puraskar (2018) <i>Nidhi amount : Rs.4,10,000/-</i>	National: To 1 MALE and 1 FEMALE student with highest rank in Competitive Entrance Examination & admitted in Medical (MBBS) course.
D-7 Dr. Krishnakant - Usha Bhargava (Mumbai) Puraskar (2021), <i>Nidhi amount : Rs.50,000/-</i>	National : Medical student securing highest marks in ENT surgery in final MBBS in India — a) In case of tie, the Marks of General Surgery should also be compared. / b) If still there is tie, the total marks in final MBBS should also be compared.

<i>Code Nidhi Name (Year of Establishment), No. Nidhi Amount</i>	<i>Award / Honour Criteria</i>
D-8 Dr. Kunj Behari Lal Bhargava - Smt. Rekha Bhargava (Jaipur) Puraskar (2022) <i>Nidhi amount : Rs.1,00,000/-</i>	National: To a medical student securing the highest marks in Ophthalmology in the M.B.B.S. Final Year securing the highest marks Exam or outstanding achievement in the medical field of Ophthalmology.

Category E — ARCHITECTURE, FASHION DESIGN, MASS COMMUNICATIONS : 2 Awards

<i>Code Nidhi Name (Year of Establishment), No. Nidhi Amount</i>	<i>Award / Honour Criteria</i>
E-1 Late Smt. Kalawati - Late Shiv Dayal Bhargava (Lucknow) Smriti Puraskar (2010), <i>Nidhi amount : Rs.50,000/-</i>	National : Highest aggregate marks in final examination of B.Arch., Fashion Designing (NIFT / NID) Degree.
E-2 Smt. Santosh - Shri Bal Krishna Bhargava (Delhi) Samman (2013), <i>Nidhi amount : Rs.1,00,000/-</i>	National : Meritorious performance in the field of Journalism & Mass Communication otherwise student from Fashion Technology / Designing - Textiles Graphics & Hotel Management.

Category F — CHARTERED ACCOUNTANCY / COMPANY SECRETARY : 2 Awards

<i>Code Nidhi Name (Year of Establishment), No. Nidhi Amount</i>	<i>Award / Honour Criteria</i>
F-1 Smt. Kamla Devi - Harihar Lal (Gurgaon) Puraskar (1995), <i>Nidhi amount : Rs.1,00,000/-</i>	National : to 1 MALE & 1 FEMALE for scoring highest percentage marks in final Examinations of Chartered Accountants / Company Secretary / Cost Accountancy.
F-2 Smt. Shanti Devi-Ganeshi Lal Bhargava (Jaipur) Puraskar (1998), <i>Nidhi amount : Rs.11,000/-</i>	National : Special achievement/recognition by a student in Chartered Accountancy / Company Secretary / Cost Accountancy.

Category G — MANAGEMENT / MBA ETC. : 2 Awards

<i>Code Nidhi Name (Year of Establishment), No. Nidhi Amount</i>	<i>Award / Honour Criteria</i>
G-1 Shri Mathura Prasad - Smt. Prakash Bhargava (Alwar) Puraskar (2008), <i>Nidhi amount : Rs.50,000/-</i>	National : Highest marks in final examination of post graduate management course from a leading Business School.
G-2 Late Sh. Ram Swarup - Late Smt. Pushplata Bhargava (Kota) Puraskar (2018) <i>Nidhi amount : Rs.51,000/-</i>	National : To a student with highest aggregate marks, graduating in Library Science (B.Lib.) OR Management Course (BBA).

Category H — M.Ed. / M.Phil. / Ph.D. : 3 Awards

Code Nidhi Name (Year of Establishment), No. Nidhi Amount	Award / Honour Criteria
H-1 Late Nanni Devi - Late Narayan Swaroop Bhargava (Dholpur) Puraskar (2007), <i>Nidhi amount : Rs.51,000/-</i>	National : Awarded the Ph.D. degree in PHYSICS or in any ENGINEERING branch.
H-2 Dr. Murari Lal Bhargava (Delhi) Puraskar (1999), <i>Nidhi amount : Rs.3,65,000/- (Only one award to be given)</i>	(i) Indian Foreign Service (IFS) posting abroad. / (ii) Brigadier or above equivalent rank in armed forces; / (iii) District Judge or above in Judiciary or allied services; / (iv) Ph.D. in Science or Microbiology etc.
H-3 Late Shri Bhupendra-Smt. Brij Rani (Rewari) Puraskar (2011), <i>Nidhi amount : Rs.1,00,000/-</i>	For honouring Ph.D. in History or Geography.

Catagory I — JUDICIARY, ADMINISTRATIVE & OTHER SERVICES: 5 Awards

Code Nidhi Name (Year of Establishment), No. Nidhi Amount	Award / Honour Criteria
I-1 Pt. Mukut Bihari Lal Bhargava (Ajmer) Vidhi Puraskar (2005), <i>Nidhi amount : Rs.51,000/-</i>	(1) On appointment as Judge in Supreme Court, High Court or selection in the State Judicial Service. OR (2) For special achievement in Law Examination.
I-2 Smt. Brijkanti - Justice Basudev Sahai (Jaipur) Bhargava Puraskar (2014), <i>Nidhi amount : Rs.1,11,000/-</i>	(1) Meritorious Performance in LL.M. OR (2) Meritorious Performance in Post Graduation of Medical / Dental Fraternity.
I-3 Shri Raghav Nath Bhargava (Delhi) Puraskar (1988), <i>Nidhi amount : Rs.50,000/-</i>	On appointment as V.C. of any recognized university OR appointment as Director in National/ State Level body in Education/Research.
I-4 Shri Kailash Nath - Smt. Basant Kumari Bhargava (Delhi) Smriti Puraskar Nidhi (2006), <i>Nidhi amount : Rs.1,00,000/-</i>	State/National/International level : (1) Honoured by a reputed institution in the field of Industry OR Business., (2) Attaining a high position in Central or State Govt. service in the field of Administration /Revenue/ Judiciary/Armed Services., (3) Important achievements with distinctive marks through self made efforts in the field of Industry OR Business.
I-5 Smt. Gayatri - Late Satya Narain (Delhi) Puraskar (2011), <i>Nidhi amount : Rs.51,000/-</i>	(i) Special achievement in banking sector OR (ii) Highest position in the banking otherwise financial sector.

Catagory J — SAMMAN : 3 Awards

Code Nidhi Name (Year of Establishment), No. Nidhi Amount	Award / Honour Criteria
<p>J-1 Shikhar Bhargava Memorial Samman (Delhi), (2008) Nidhi amount :Rs.10,00,000/- <i>(Pre-condition: The awardee must be present to receive the award personally at the time of function)</i></p>	<p>National/International: To a person, preferably between 50 to 65 years for outstanding achievement in any one of the following.</p> <ul style="list-style-type: none"> (1) Became Head of any organisation with Turnover of Rs. 500 Crore or more. (2) M.D./C.E.O./Chairman/Director General of any autonomous body or Government organisation. (3) Elevated to the position of Secretary at Central Government or Chief Secretary at State level. (4) Chief Justice OR Judge of High Court / Supreme Court. (5) Outstanding contribution in research and development in any field at National OR International level. (6) Any Achievement comparable to above
<p>J-2 Late Shri Ramesh Prasad - Taramani Bhargava (Indore) Samman (2017), Nidhi amount : Rs.5,51,000/- <i>(Pre-condition: The awardee must be present to receive the award personally at the time of function)</i></p>	<p>National/International: LIFETIME ACHIEVEMENT AWARD: A person who has made significant contribution in the area of (i) Science & Technology, including medical and engineering fields, (ii) art/culture, (iii) sports, (iv) policy/governance and (v) environment. The impact of achievement/ outstanding performance should be seen in terms of benefits to the society or economy of the country. Should be from Bhargava community.</p>
<p>J-3 Shikhar Bhargava Memorial Puraskar (Delhi), (2008) Nidhi amount : Rs.7,50,000/- <i>(Pre-condition: The awardee must be present to receive the award personally at the time of function)</i></p>	<p>National/International: To a person preferably between the age of 35 to 50 years. Should have excelled in any one or more of the following areas and should preferably be a first generation entrepreneur in his field.</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. Governance of a Limited Company or a Private Limited company (with turnover > Rs.50 crore PA), 2. Should have succeeded in turning a sick unit incurring losses for three or more years into a nett profit earner for at least three subsequent years. The unit should have achieved growth rate of 25% or more consecutively for at least three years. (Note: Minimum turnover of the unit should be Rs 5/10 crore P.A.) 3. First generation entrepreneur. Should have contributed by way of an innovative idea or innovation in product development/processes development or succeeded in procuring patents.

Catagory K — YOUNG ACHIEVERS / INNOVATIONS : 9 Awards

<i>Code Nidhi Name (Year of Establishment), No. Nidhi Amount</i>	<i>Award / Honour Criteria</i>
K-1 Shikhar Memorial Young Achievers Award (Delhi), (2019), Nidhi amount : Rs.3,00,000/-	National/International: To the person in the age group 19 to 35 years for outstanding achievement in business, industry, management, sport, administration and R&D.
K-2 Shikhar Memorial Teenager Achievers Award (Delhi), (2019), Nidhi amount : Rs.2,00,000/-	National/International: To the person in the age group upto 19 years for outstanding achievement in any walk of life.
K-3 Shikhar Memorial Innovation Awards (Delhi), (2019), Nidhi amount : Rs.1,00,000/-	National/International: To the person for outstanding achievement in the field of research & development or new product OR service launch in telecom / IT.
K-4 Shikhar Memorial Innovation Awards (Delhi), (2019), Nidhi amount : Rs.1,00,000/-	National/International: To the person for outstanding achievement in the field of Energy saving.
K-5 Shikhar Memorial Innovation Awards (Delhi), (2019), Nidhi amount : Rs.1,00,000/-	National/International: To the person for outstanding achievement in the field of photography.
K-6 Shikhar Memorial Innovation Awards (Delhi), (2019), Nidhi amount : Rs.1,00,000/-	National/International: To the person for outstanding achievement in the field of Bioengineering.
K-7 Shikhar Memorial Innovation Awards (Delhi), (2019), Nidhi amount : Rs.1,00,000/-	National/International: To the person for outstanding achievement in the field of life support technology.
K-8 Shikhar Memorial Innovation Awards (Delhi), (2019), Nidhi amount : Rs.1,00,000/-	National/International: To the person for outstanding achievement in the field of Robotics.
K-9 Shikhar Memorial Innovation Awards (Delhi), (2019), Nidhi amount : Rs.1,00,000/-	National/International: To the person for outstanding achievement in the field of environment protection.

Catagory L — SPORTS & GAMES : 4 Awards

<i>Code Nidhi Name (Year of Establishment), No. Nidhi Amount</i>	<i>Award / Honour Criteria</i>
L-1 Smt. Shakuntala - Sunderlal Bhargava (Delhi) Puraskar (1981), Nidhi amount : Rs.10,000/-	Winner in National Level event. Representing State in National Meet recognised by State or National Sports Council.
L-2 Shri Prithvi Nath Bhargava (Delhi) Puraskar (1989), Nidhi amount : Rs.15,000/-	Best Meritorious Performance in International / National Level sports. Recognised by National Sports Council.
L-3 Shri Suresh Chandra Bhargava (Rewari) Puraskar (1993), Nidhi amount : Rs.10,000/-	Best Meritorious Performance in State Level sports. Recognised by State or National Sports Council.
L-4 Shri Ravindra Nath - Smt. Ramakanta Bhargava (Rewari) Puraskar (2021), Nidhi amount : Rs.1,00,000/-	Best Meritorious Performance in International / National Level sports. Recognised by National Sports Council.

Catagory M — ARTS AND CULTURE : 2 Awards

Code Nidhi Name (Year of Establishment), No. Nidhi Amount	Award / Honour Criteria
M-1 Late Priyank Bhargava (Kanpur) Memorial Award, (2013) <i>Nidhi amount : Rs.1,00,000/-</i>	Best all-rounder student (school / college) with achievements (Music, Sports, Games, Arts & Academics)
M-2 Shri Parmanand-Smt. Sheela Rani (Kolkata) Bhargava Puraskar (2002), <i>Nidhi amount : Rs.31,000/-</i>	Winners in various events in the Cultural Programme at ABBS Adhiveshan.

Catagory N — SOCIAL SERVICE & HERITAGE : 4 Awards

Code Nidhi Name (Year of Establishment), No. Nidhi Amount	Award / Honour Criteria
N-1 Smt. Shiv Kumari-Sh. Om Prakash (Kishangarh) Puraskar (2005), <i>Nidhi amount : Rs.50,000/-</i>	National : Outstanding Social Service in our Bhargava community
N-2 Smt Radharani- Shri Prayag Narain Bhargava (Agra) Smriti Puraskar (2010), <i>Nidhi amount : Rs.30,000/-</i>	To a community member who has enhanced the prestige of Bhargava Samaj by his / her services for the benefit of the society.
N-3 Late Shri Om Prakash-Smt. Indu Bhargava (Delhi) Puraskar (2012), <i>Nidhi amount : Rs.1,35,000/-</i>	For special work / research / efforts towards Heritage sites of Bhargava Samaj such as Dhosi, Dehra, Kuldevi Mandir etc.
N-4 Smt. Pushpa - Shri Dayashanker Bhargava (Jaipur) Puraskar (2008), <i>Nidhi amount : Rs.25,000/-</i>	For commendable work on Hemu OR any other ancestors of the community

Catagory O— OTHER SPECIAL ACHIEVEMENTS : 6 Awards

Code Nidhi Name (Year of Establishment), No. Nidhi Amount	Award / Honour Criteria
O-1 Late Smt. Shobhana - Shri Motilal Bhargava (Jaipur) Puraskar (2017), <i>Nidhi amount : Rs.1,00,000/-</i>	To a FEMALE for meritorious performance in IAS/MBBS/BDS/CA/B.TECH./MBA/MA/B.ED.
O-2 Smt. Asha-Radha Raman Bhargava (Sironj) Puraskar (2017), <i>Nidhi amount : Rs.50,000/-</i>	On becoming a commissioned officer in Indian Defence Services / Para Military Forces as a doctor or engineer.
O-3 Smt. Kusum-Capt. Kedarnath Bhargava (Ajmer) Puraskar Nidhi (2009), <i>Nidhi amount : Rs.25,000/-</i>	On becoming a commissioned officer in the Indian Armed Forces OR attaining Degree in Physiotherapy.

<i>Code Nidhi Name (Year of Establishment), No. Nidhi Amount</i>	<i>Award / Honour Criteria</i>
O-4 Smt. Sharda Shanker Saran (Kota) Puraskar (1992), Nidhi amount : Rs.35,000/-	(1) International achiever in Any discipline (2) Paper presented at any recognized international seminar / conference or published in International Journal.
O-5 Late Smt. Gyanwati - Nand Kishore Bhargava (Lucknow) Puraskar (1997, 2018), Nidhi amount : Rs.2,10,000/-	National/International Level: To Two persons for Achieving special fame & bringing laurels to our community in any field (other than sports & games)
O-6 Sh. Parmeshwari Dayal - Smt. Indra Devi (Faridabad) Puraskar (1996), Nidhi amount : Rs.10,000/-	National : Bringing Laurels to community by getting a national award (other than sports)

Catagory P — COMMUNITY SERVICE : 4 Awards

<i>Code Nidhi Name (Year of Establishment), No. Nidhi Amount</i>	<i>Award / Honour Criteria</i>
P-1 Smt. Kusum - Shri Kailash Bhargava (Bikaner) Samman Nidhi (2006), Nidhi amount : Rs.25,000/-	Senior Most male or female member (seniority on certified birth date) OR Longest surviving Couple (seniority on the basis of date of marriage)
P-2 Shri Kapil - Smt. Sudha Bhargava (Alwar) Puraskar Nidhi (2009), Nidhi amount : Rs.25,000/-	To judge the performance of various Samitees of ABBS on following parameters :- (i) Challenging work during the period. (ii) Initiating reforms, (iii) Bringing economic gains, (iv) Qualitative changes and coordination in Bhargava Samaj.
P-3 Smt. Rani Leela Ram Kumar (Lucknow) Puraskar (2016), Nidhi amount : Rs.50,000/-	For special contribution / achievement in women / child welfare related activities.
P-4 Late Sohan Lal - Late Smt. Ratan Devi Bhargava (Alwar) Puraskar (2008), Nidhi amount : Rs.50,000/-	Contribution to Bhargava Patrika with maximum number of articles published during the year (Office Bearer not eligible)

*Success is not the key to happiness.
 Happiness is the key to success.
 If you love what you are doing,
 you will be successful.*

समाज कल्याण समिति
अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि.)

कार्यकारिणी समिति की बैठक दिनांक 9-7-2023 में प्रस्तुत रिपोर्ट

समाज कल्याण समिति की वर्ष 2023-24 की प्रथम बैठक दिनांक 25-06-2023 को प्रातः 11.00 बजे श्री गोपालनाथ जी की अध्यक्षता में जय कृष्ण क्लब अलवर में सम्पन्न हुई। जिसमें श्री विनोद, श्री दिनेश, श्री च्यन, श्री हरीश, डॉ. विजयलक्ष्मी, श्री प्रदीप, श्रीमती अमिता, श्रीमती वीना (अलवर), श्री राजीव, श्रीमती मोना (नोएडा), श्री श्याम बिहारी (मथुरा), सुश्री मंजू (अजमेर) उपस्थित हुए।

ईश वंदना से कार्यवाही आरंभ हुई। श्री श्याम बिहारी जी का समिति प्रभारी श्री दिनेश जी द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। श्री राजीव जी का समिति अध्यक्ष श्री विनोद जी ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। श्रीमती मोना जी का ग्लोबल महिला भार्गव सभा की पूर्व अध्यक्ष डॉ. विजयलक्ष्मी भार्गव द्वारा व सुश्री मंजू जी का अलवर भार्गव महिला सभा की अध्यक्षा श्रीमती अमिता जी ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। सचिव द्वारा 24 शहरों से प्राप्त 70 फॉर्मों की जानकारी दी गई। जिसे सभी सदस्यों ने 70 फॉर्मों की अनुशंसा करने की स्वीकृति प्रदान की। भविष्य में भी जो फॉर्म प्राप्त होंगे, उनकी अनुशंसा कर अखिल भारतीय भार्गव सभा को भेजने की स्वीकृति प्रदान की गई, जिससे की आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को तुरंत सहायता दी जा सके। सचिव द्वारा सभी का बहुमूल्य समय देने के लिये हार्दिक धन्यवाद दिया गया। जलपान व दोपहर के भोजन उपरान्त सभा विसर्जित की गई।

अभी तक समाज कल्याण समिति द्वारा 25 शहरों के 79 परिवारों की सहायता राशि की अनुशंसा की गई। जो इस प्रकार है — दिल्ली व अलवर के 12-12, मथुरा के 9, रेवाड़ी के 7, वाराणसी के 5, कानपुर के 4, अलीगढ़ व आगरा, गाजियाबाद के 3-3, अमरोहा, ग्वालियर, ग्वालियर, सिरोंज, खुर्जा, उज्जैन के 2-2, धौलपुर, मुम्बई, नारनौल, मुज्जफर नगर, मेरठ, हरिद्वार, गुडगाँव, बुलन्दशहर, अजमेर, वर्धा, पूरनपुर के 1-1 परिवारों को और इनके 41 आश्रितों को सहायता राशि की अनुशंसा की गई। परिवारों को 28,20,000/-रुपये (अठाईस लाख बीस हजार रुपये) व आश्रितों को 3,44,400/-रुपये (तीन लाख चव्वालिस हजार चार सौ रुपये) की सहायता राशि दी जावेगी। इस तरह कुल 31,64,400/- रुपये (इक्कतीस लाख चौसठ हजार चार सौ रुपये) की राशि इस वर्ष में दी जावेगी। इन सभी परिवारों को श्रीमन् नारायण कोष से भी दीपावली व होली पर भी 1,97,500/- रुपये (एक लाख सत्ताणवें हजार पाँच सौ रुपये) की सहायता दी जावेगी। इस प्रकार इस वित्त वर्ष में अभी तक 33,61,900/- रुपये (तेतीस लाख इक्सठ हजार नौ सौ रुपये) की सहायता राशि दी जावेगी।

अंत में गाजियाबाद भार्गव समाज समिति विशेषकर डॉ. धीरज जी, एडवोकेट श्री संजय जी एवं उनकी पूरी टीम को कार्यकारिणी समिति की द्वितीय बैठक के आयोजन एवं विशेष आवभगत हेतु बहुत-बहुत बधाई एवं धन्यवाद।

दिनेश भार्गव
प्रभारी
मो.: 9414016610
भार्गव पत्रिका]

विनोद भार्गव
अध्यक्ष
मो.: 9413909113
(22)

अशोक भार्गव
सचिव
मो.: 9828165261
[जुलाई, 2023

इंजीनियरिंग की पढ़ाई में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों हेतु विशेष छात्रवृत्ति/ऋण

- (1) कोटा निवासी स्व. ओंकार दास जी एवं श्रीमती ज्ञानवती भार्गव की पुण्य स्मृति में उनके ज्येष्ठ पुत्र श्री लक्ष्मण दास भार्गव (मुम्बई) द्वारा “ओंकारदास-ज्ञानवती भार्गव तकनीकी शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति निधि (2021)” राशि रुपये **8.00** लाख स्थापित की गई है।

उक्त निधि के अंतर्गत प्रतिवर्ष इंजीनियरिंग की पढ़ाई हेतु प्रवेश करने वाले दो विद्यार्थियों को, जो आर्थिक रूप से कमज़ोर हों तथा मेधावी हों, उन्हें भार्गव सभा द्वारा उक्त निधि के अर्जित वार्षिक ब्याज से एकमुश्त 30,000 रुपये प्रत्येक विद्यार्थी को सभा के वार्षिक अधिवेशन, 2023 के अवसर पर तकनीकी शिक्षा प्रोत्साहन छात्रवृत्ति पुरस्कार के रूप में प्रदान किया जाएगा।

- (2) दिल्ली निवासी स्व. श्री उमाशंकर जी एवं श्रीमती लक्ष्मी देवी भार्गव की पुण्य स्मृति में उनके परिवार द्वारा उनकी छठी पुत्री श्रीमती नीरू, धर्मपत्नी श्री लक्ष्मण दास भार्गव (मुम्बई) की प्रेरणा से राशि रुपये **3.00** लाख का “स्व. श्री उमाशंकर-लक्ष्मी देवी भार्गव तकनीकी शिक्षा ऋण कोष, दिल्ली (2021)” स्थापित किया गया है।

उक्त कोष के अंतर्गत इंजीनियरिंग में प्रवेश चाहने वाले आर्थिक रूप से कमज़ोर एवं मेधावी भार्गव विद्यार्थी को 50,000 रुपये की राशि बिना ब्याज के ऋण के रूप में दी जाएगी। यह ऋण प्रतिवर्ष इंजीनियरिंग में प्रवेश चाहने वाले एक विद्यार्थी को दिया जायेगा तथा यह क्रम छः वर्ष तक जारी रहेगा और चार वर्ष बाद जब पहला लाभार्थी नौकरी पर लग जायेगा, तब वह ऋण राशि को पूर्णतः अखिल भारतीय भार्गव सभा को लौटायेगा, जिससे कि वह राशि पुनः प्रथम वर्ष के विद्यार्थी को उपरोक्तानुसार दे दी जायेगी। इस प्रकार योजना निरन्तरता को प्राप्त हो जायेगी।

अतः समाज के आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग के मेधावी एवं प्रतिभावान विद्यार्थी (इंजीनियरिंग के प्रथम वर्ष में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थी) उक्त योजनाओं के अंतर्गत आर्थिक सहायता/ब्याज रहित ऋण एवं प्रोत्साहन पुरस्कार हेतु अपना आवेदन-पत्र (1) कक्षा XII की अंक तालिका; (2) इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा (JEE) की ranking; (3) कॉलेज जिसमें प्रवेश लिया है उसका नाम, स्थान एवं उसका rank और भुगतान की गयी राशि (प्रथम सैमेस्टर) की प्राप्ति रसीद; (4) परिवार के आय के प्रमाण-पत्र की प्रति के साथ स्थानीय भार्गव सभा के अध्यक्ष/सचिव की अनुशंसा सहित सभा कार्यालय को भेजें, जिनके आधार पर सभा द्वारा छात्रवृत्ति/ब्याज रहित ऋण देने अथवा प्रोत्साहन पुरस्कार देने का निर्णय लिया जायेगा।

सभा कार्यालय: फ्लैट नं. 401, तृतीय तल, एम्पायर अपार्टमेन्ट,

एम.जी. रोड, सुलतानपुर, नई दिल्ली-110030

ईमेल: abbsairtel@gmail.com

हीरेन्द्र नाथ भार्गव

प्रधान सचिव

मो.: 09811009294

॥ ढोसी तीर्थ ॥

— पं. राजकिशोर भार्गव, भोपाल (मो.: 9685049401)।

हमारा उद्गम स्थल और मूल स्थान ढोसी तीर्थ, आर्चीक पर्वत पर स्थित है। भारत देश के हरियाणा प्रान्त में पश्चिम रेलवे के रेवाड़ी-फुलेरा रेल मार्ग पर रेवाड़ी रेलवे स्टेशन से 32 मील की दूरी पर नारनौल रेलवे स्टेशन है। नारनौल से ढोसी पर्वत केवल 4 मील की दूरी पर स्थित है।



पं. राजकिशोर भार्गव

हमारे आराध्य एवं पूज्य महर्षि भृगु के वंशज भृगु 'वारुणि' के पुत्र भार्गव च्यवन ऋषि का आश्रम और तपस्थली ढोसी (आर्चीक) पर्वत पर था। वर्तमान में ढोसी तीर्थ में भगवान् श्रीराधाकृष्ण, महर्षि भृगु, भार्गव च्यवन ऋषि और भगवान् श्री परशुराम जी आदि देवताओं का एक भव्य मन्दिर है। आर्चीक पर्वत पर चढ़ने तथा उतरने के पृथक मार्ग हैं। चढ़ने तथा उतरने के मार्ग में क्रमशः सूर्यकुण्ड एवं शिवकुण्ड हैं। ढोसी पर्वत के ऊपर चन्द्रकूप (सरोवर, कुएँ) है। यहाँ भृगु और च्यवन का आश्रम था, जोकि कालान्तर में 'दीप्तोदक -तीर्थ' के नाम से विख्यात हुआ। ढोसी पर्वत पर स्थित चन्द्रकूप (वधूसर) से प्रवाहित होने वाली जलधारा 'वधूसरा (वधूसर, वधूस्वरा, ढोसी)' नदी के नाम से प्रसिद्ध हुई है। वधूसरा नदी का जल पश्चिम से पूर्व दिशा में प्रवाहित होकर, सरस्वती नदी में समाहित होता है और सरस्वती नदी का जल संगम-त्रिवेणी में गंगा तथा जमुना नदी में समाविष्ट होता है।

सन् 1888 में अखिल भारतीय भार्गव सभा के आद्य संस्थापक मुन्शी श्री नवलकिशोर जी भार्गव के द्वारा रुपये 1800/- में पनवाड़ी ग्राम में भूमि क्रय करके, सर्वप्रथम ढोसी तीर्थ और मन्दिर का पुनर्निर्माण सन् 1893 में किया गया था। कालान्तर पश्चात् भार्गव सभा द्वारा प्रस्ताव के अनुसार भार्गव परिवारों द्वारा आयोजित विवाह-संस्कार के अवसर पर 'न्यातगुरी-संकल्प' (वर-वधू के परिजनों का परिचय) के समय वर पक्ष 'ढोसी तीर्थ के कोष' में इच्छानुसार रुपये दान करते थे। जिससे ढोसी मन्दिर का संचालन सुचारू रूप से होता था। मगर वर्तमान में यह 'न्यातगुरी-संकल्प' की प्रथा व संस्कार समाज में लगभग समाप्त हो गयी है। ऐसी स्थिति में भी अ.भा. भार्गव सभा ढोसी मन्दिर का संचालन सुचारू रूप से निरन्तर कर रही है। दीर्घकालीन निर्माण के कारण ढोसी मन्दिर जीर्णक्षीण हो गया था। तब इस ढोसी तीर्थ और मन्दिर की जीर्णोद्धार और पुनः निर्माण का कार्य सन् 2009 के लगभग समाज सेवी श्री नगेन्द्र प्रकाश जी भार्गव (मिडलेंड), दिल्ली के द्वारा पूर्ण करवाया गया था। साथ ही श्री नगेन्द्र प्रकाश जी ने ढोसी तीर्थ के रख-रखाव एवं सुचारू रूप से संचालन इत्यादि के अन्तर्गत 25 लाख रुपये की धनराशि की भार्गव सभा में निधि भी स्थापित की गयी है।

भार्गव च्यवन ऋषि का आश्रम एवं तपोस्थली ढोसीपुर (तीर्थ-स्थल, आर्चीक पर्वत) ढोसी नदी के तटवर्ती क्षेत्र के मूल-निवासी (वासी-प्रवासी) होने के कारण, हमारे समाज को 'दूसर' नाम से पहचान व ख्याति प्राप्त हुई। इस कारण हम सबका यह 'भार्गव ब्राह्मण समाज' कालान्तर में 'दूसर भार्गव ब्राह्मण समाज' के नाम से वर्तमान में जाना पहचाना जाता है।

"1. गीता प्रेस, गोरखपुर के 'कल्याण तीर्थाक' 31वाँ वार्षिक अंक के पृष्ठ संख्या 277 पर 'ढोसी तीर्थ' के सम्बन्ध में विवरण प्रकाशित है। 2. 'You Tube' पर ढोसी तीर्थ के अनेक विडियों उपलब्ध हैं।"

* * *

USEFUL LINKS FOR BHARGAVAS WORLDWIDE

1. Bhargava Family tree

Bhargava Genealogy and family history have been created by Dr. Ravi (Edmonton) for over a generation. More recently, Arvind (San Jose, Calif.) has extended his technology service and made it an essential resource for all Bhargavas worldwide.

This interactive site for Bhargava Genealogy is open to all Bhargavas, by birth or marriage. Access is limited to people who get screened for membership, and they can send an email to arvind@asacomputers.com for the creation of their account.

If you had access to the site earlier, you could do "forgot password" to get your password.

Furthermore, data has been added and continues to be added by others.

Besides generating family trees and charts, the site also does calculations and can tell the relationship between two individuals already in the database. It can also list first, second, and third cousins. The site can be used for many other things – activities, notes, news, videos, pictures, a list of accolades and much more. Arvind can help with data input and tutorials as required.

www.brghu.com

2. Kirtan Ramayana is now available on YouTube (23 minutes)

All Hindus need to follow Ramayana, i.e. the path shown by Lord Rama and listening to the glories of the Lord. Its recitation is for our inner peace, happiness, and success. Please enjoy listening to the Kirtan and share it with your dear ones. Mrs. Uttra Bhargava, Ottawa, Canada, led the creation.

Our sincere thanks to Dr. Vinay Bhide for Music Direction, Mushfiq Arts, OUawa, for recording, and Thanks to the unknown author. Subject maUer text, UUra Bhargava, edited by Late Dr. Kamlesh Gupta, Ottawa. Bhar Printing, Indianapolis, U.S.A., for artwork and printing of the accompanying booklet (printed booklet out of print at the moment).

[Ramayan Kirtan for NRI's by NRI's By Uttra and Subhas ...](#)

Attachments area

[Preview YouTube video Ramayan Kirtan for NRI's by Uttra and Subhas Bhargava, Ottawa Canada](#)



Ramayan Kirtan for NRI's by NRI's By Uttra and Subhas Bhargava, Ottawa Canada

I am pleased to introduce two valuable links (see above). If you enjoy them, please share them with your relatives and friends.

Please contact Subhas (us.bhargava1@gmail.com) if you are interested in notifying the worldwide community members of your publication as a public service. The publication should be of general interest to the community members.

सेवा का सुअवसर

टन टन टन घंटी बजी।
नेता जी बाढ़ आ गई।
आने दो
छोटी-छोटी बातों से
मत किया करो तंग
सोते में तुमने कर दी नींद भंग
भयंकर हो तब बताना।
नेताजी अब तो बाढ़ ने ले लिया
रूप भयंकर
बादल फटने लगे पहाड़ दरकने लगे
मकान मानस बहने लगे
इमारतें ढह गई।
गुड न्यूज गुड न्यूज कह
नेताजी की बाछें खिल गई



— (संतोष)-बालकृष्ण भार्गव, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली, मो.: 9891910968, 25972177

यहीं तो मानव सेवा का क्षण है।
बोटों का बैंक बनाएँगे
जब चाहा कैश कराएँगे।
नेता से सांसद
सांसद से मंत्री
बनने की है तैयारी।
वन प्लस पेन्शनों का सपना
देखने लगे।
हवाई सर्वे कर देखी दुर्दशा
नेचर की छेड़-छाड़ का
देखा नतीजा।
‘बाल’ कहें नेता के मन में होने लगी
गुदगुदी खाली जेब भरने की



गरीब की झाँपड़ी

गरीब की झाँपड़ी
दूटी चारपाई
चारपाई पर थाली
थाली में आटा
आटे पर पानी टपका
स्वतः गुँथ गया आटा
और बन गई लपसी।
पी गई सब कुछ वर्षा रानी।
तड़पती रही भूख और प्यास
बस बच गया वर्षा का पानी।
बच्चा चिल्लाया जल्दी कर माँ



कमेटी आ गई
देखेगी और कहेगी
कहाँ है पानी की कमी
कमरे में पानी
पानी में कमरा
स्विंगपूल नौका विहार का लेते मजा
झीलों का शहर उदयपुर बना दिया
घर घर गली गली पहुँचा दिया।
ऊपर से कहते सरकार
नहीं देती पानी
“बाल” कहें हाय करते फिर भी बदनामी।

— (संतोष)-बालकृष्ण भार्गव, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली, मो.: 9891910968, 25972177

पत्रिका में प्रकाशित लेख, कविताएँ, संस्मरण इत्यादि लेखकों के स्वयं के अपने विचार होते हैं। सम्पादक मंडल का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

— सम्पादक मंडल, भार्गव पत्रिका

विशेष वैवाहिक प्रत्याशी विवरण

Looking for a suitable match for Mr. SHUBHAM BHARGAVA

Date of Birth	: 29 th November, 1995
Time & Place	: 9.02 P.M., Bhopal
Gotra	: Bachlas
Kuldevi	: Nagin
Height	: 178 cm.
Weight	: 69 Kg.
Blood Group	: B+
Qualification	: B.Com. (Hons.), MBA (IMT, Nagpur).
Occupation	: Manager, ICICI AMC Limited, Mumbai at Corporate Office.
Income	: Rs.11 Lacs per year.



Family Details:

Dada ji	: Shri K.C. Bhargava (Bhopal).
Dadi ji	: Late Smt. Sita Rani Bhargava.
Nana ji	: Late Shri Rajesh Bhargava (Bhopal).
Nani ji	: Smt. Saroj Bhargava (Bhopal).
Father	: Shri Vinod Bhargava (Business).
Mother	: Smt. Sarika Bhargava.
Chacha ji	: Shri Pramod Bhargava (Bhopal).
Chachi ji	: Smt. Sangeeta Bhargava.
Chacha ji	: Shri Subodh Bhargava (Bhopal).
Chachi ji	: Smt. Ekta Bhargava.
Fufa ji	: Shri Sanjay Bhargava (Kota).
Bua ji	: Smt. Anjana Bhargava (Kota).
Mausa ji	: Shri Arun Bhargava (Bhiwadi) Rajasthan.
Mausi ji	: Smt. Manjusha Bhargava.
Brother/Sister	: No

Please Contact:

VINOD BHARGAVA

MIG-110, Ashoka Palace, Raisen Road, Govindpura, Bhopal-462023

Mobile: 9826752393, 9826191334 • Email: bhargava_vinod01@yahoo.com.in



ADVANCE GROUP of COLLEGES



ADVANCE INSTITUTE OF BIOTECH & PARAMEDICAL SCIENCES

(A.K.T.U. College Code: 188)

ADVANCE COLLEGE OF EDUCATION

(A.K.T.U. College Code: 1015) (B.T.E. Code: 3387)

AFFILIATED TO

- Dr. A.P.J. Abdul Kalam Technical University, Lucknow
- B.T.E. & S.C.E.R.T. Uttar Pradesh
- C.S.J.M. University, Kanpur

COURSES OFFERED

- D.PHARM • B.PHARM • M.PHARM
B.Ed. • B.T.C. (D.El.Ed.)

APPROVED BY

- A.I.C.T.E. •
N.C.T.E., New Delhi •
Pharmacy Council of India •

Dr. C.S. Bhargava (Chairman)
(M): 9415040326, 9336651555
Dr. Mayank Thakur (Director)
Dr. Shilpi Bhargava (Director)

Mrs. Abha Bhargava (Administrator)
Mr. Mihir Bhargava (Advisor)
Dr. Cheenu Bhargava (Advisor)
Mr. Sachin Bhargava (Advisor)

Managed by : Pt. H.S. Bhargava Charitable Society (Regd.)



Dr. C.S. Bhargava
Secretary



Abha Bhargava
President



Sachin Bhargava
Treasurer



NARAMAU, KANPUR. (M): 9415040326, 9336651555, 8604636739
website: www.advancecolleges.org • e-mail: advancecolleges@gmail.com

गाजियाबाद भार्गव समाज समिति ने गाजियाबाद में किया एबीबीएस की द्वितीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक का आयोजन



गाजियाबाद भार्गव समाज समिति ने गाजियाबाद के कौशांबी स्थित फाईव स्टार होटल में अखिल भारतीय भार्गव सभा की द्वितीय कार्यकारिणी बैठक का आयोजन गाजियाबाद में नौ जुलाई के लिए सुनिश्चित किया गया था। इस कार्यक्रम के प्रमुख आयोजक डॉ. धीरज कुमार भार्गव थे। आयोजन को कार्यान्वित करने हेतु गाजियाबाद भार्गव समाज समिति की एक बैठक का

आयोजन

दिनांक 20 मई, 2023 को कौशांबी स्थित रेडिसन होटल में किया गया। जिसमें समवैचारिक प्रबुद्ध

एवं परिश्रमी सदस्यों की आयोजन समिति का गठन एवं कुशलतानुसार कार्यों का विभाजन किया गया।

स्वागत- श्री प्रभात मुकुल, श्री अमरनाथ, श्रीमती नंदिता, श्रीमती मेघना, श्रीमती मोनिका, कुमारी निष्ठा, मा. रित्विक।

रजिस्ट्रेशन एवं किट वितरण- श्री अतुल, श्री अभिषेक, श्रीमती मनोषा, श्री अंचल, श्री राहुल।

सूचना एवं पुष्टिकरण- डॉ. धीरज, श्रीमती वंदना, श्री अभिषेक।

मंच संचालन- श्रीमती वंदना, श्री संजय (एडवोकेट)

सभागृह व्यवस्था- श्री अभिषेक, श्री प्रतीक, श्री मयंक, श्री एन. के (सी.ए.)।

आयोजन की रूपरेखा एवं विचार विमर्श हेतु विभिन्न बैठकों का आयोजन किया गया। दिनांक 09 जुलाई, 2023 को कार्यक्रम का शुभारंभ हवन आरती से किया गया। स्वल्पहार के पश्चात सभागृह में माननीय पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन

किया गया। कोमल जी और वर्षा जी द्वारा गणेश स्तुति पर सुन्दर नृत्य प्रस्तुति दी गई। पूर्व अध्यक्ष, अध्यक्ष, प्रधान सचिव एवं सचिव को मंचासीन हेतु आमंत्रित किया गया तथा उनका अन्य पदाधिकारियों का स्वागत किया गया। सामूहिक ईश वंदना के पश्चात सभा की कार्यवाही हेतु प्रधान सचिव को आमंत्रित किया गया। बैठक की उपस्थिति लगभग 120 थी। कार्यक्रम के अंत में

अध्यक्ष एवं

प्रधान सचिव ने गाजियाबाद भार्गव समाज समिति के सभी कार्यकर्ताओं को प्रशस्ति-पत्र प्रदान



कर उनके कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा की एवं इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया। आयोजकों की तरफ से श्री संजय ने सभी का धन्यवाद किया। तत्पश्चात कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया। इस कार्यक्रम का प्रायोजन श्री धीरज कुमार, श्रीमती मनोषा (मुख्य प्रायोजक), श्री प्रतीक-श्रीमती कोमल, श्री संजय-श्रीमती अल्का (अल्पाहार), श्री अमरनाथ-श्रीमती मधु, श्री अभिषेक-श्रीमती नंदिता (हाई-टी), श्री प्रभात मुकुल-श्रीमती ज्ञान, श्री अंचल-श्रीमती मेघना, श्री अतुल-श्रीमती वंदना, श्री राहुल, श्रीमती मोनिका, श्री प्रतीक-श्रीमती कोमल, श्री मयंक-श्रीमती निधि, सीए नरेंद्र कुमार-श्रीमती मीनू ने भी सहयोग किया।



With Best Compliments

Anil Bhargava : 9810024116

Rajat Bhargava : 9873434821

Deals in:

Paper

Paper Board

Kraft Paper

Waste Paper

Polyester Film

ITC Make Paper Board

Sakata make offset Inks

**Water Based Barrier Coating for Paper, Paper Board FDA
approved Management Consultancy**

PRINCIPALS:

- **Sidharth Papers Pvt. Ltd.**
- **Siddheshwari Paper Udyog Pvt. Ltd.**
- **Polyplex Corporation Ltd.**
- **Sakata Inx(India) Pvt. Ltd.**
- **Anand Duplex Ltd.**
- **Also deal in ITC/ JK Paper/ Bilt**

ABBA CONSULTANTS PVT. LTD.

107, Sidhartha Chambers, 55-A,

KaluSarai, HauzKhas, New Delhi-110016

Email Id:- anilbhargava@gmail.com, rajat14@gmail.com



PAPER GREENS

S-5, Opposite DharamKanta,

RIICO Industrial Area, Mansarovar, Jaipur- 302020, Rajasthan

With Best Complement From

Sandeep Kumar Bhargava

9460724170

Neeru Bhargava

7976589484

Ekta - Tushar Bhargava

Nikita - Anugrah Bhargava

Aadhya Bhargava

**Address: 10, Kamal Vihar, Mangyawas Road
Opp Rajat Path, Mansarovar, Jaipur-302020**

With Best Complement From:

Anil Bhargava (Gopalpura)

M. 9001791703

Shobha Bhargava

M. 9829136764

Ankesh Bhargava

M. 9983599959

Address: 93, Krishna Nagar, Gopalpura Road, Jaipur- 302015



OUR LEADING BRANDS							
SCOTT & STEVEN	BLACK BUCK	PAN AMERICA	MILAN				
JOCKEY	PARKEVE CASUALWEAR	HIGH COMMAND	KROCKERS T-Shirts				
			FLIRT HOMME				



*Our rapidly
growing network
shows our
good will.*



Naresh Bhargava (Bhargava Lodha)

9414071694 / 9314949400

Bhargava Lodha Stock Brokers Pvt. Ltd.

(Member : National Stock Exchange of India Ltd. & NSDL)

B. Lodha Securities Ltd.

(Member : The Stock Exchange, Mumbai)

Bhargava Lodha Buildcon Pvt. Ltd.

(Real Estate Developers)

Arihant & Company

(Member : NCDEX, NMCE & NCDEX SPOT)

Sidh & Company

(Member : Multi Commodity Exchange of India Ltd.)

B. Lodha & Company

(Member : Rajasthan Builders & Promoters Association)

REGD. OFFICE

BL House, 578 – Mahaveer Nagar, Tonk Road, Jaipur – 18

Tel : 0141 – 2550711 / 2550115

CORP. OFFICE

6B, Rajabahadur Compound, 32, Ambalal Doshi Marg, Fort, Mumbai – 23

Tel : 022 – 22671585 / 22671586 Fax : 022 – 22671587

With Best Compliments



DEEVA LOGISTICS PVT. LTD.

309, Block B, SHALIMAR CORPORATE CENTRE
SOUTH TUKOGANJ
INDORE 452001
admin@deevalogistics.com

GST 23AAECD4595L1ZC
Pan no AAECD4595L



INDORE-PITHAMPUR-BHOPAL



CEO: Atul Bhargava
Mob.: +91 9301519661

-: With Best Compliments From :-

- ❖ Dinesh Bhargava, Advocate
- ❖ Smt. Priti Bhargava
- ❖ Saurabh Bhargava, Advocate



SOCIAL STATUS —

- State Treasurer (Rajasthan), Bhartiya Janta Party Kisan Morcha.
- President, Alwar District Boxing Association.
- President, Aravali Artist Academy, Alwar.
- President, Deed Writer & Stamp Venders Joint Samiti, Alwar.
- Pradhan, Samaj Kalyan Samiti (A.B.B.S.) 2009-2021.
- Vice President, Akhil Bhartiya Bhargava Sabha 2013-2017, 2019-2025.
- Ex-Observer, Central Jail, Alwar by Govt. of Rajasthan.
- Ex-President, Alwar Bhargava Sabha & Dehra Utsav Samiti, Alwar.
- Ex-President, Sangeet Sankalp, Alwar.
- Ex-Convenor, Bhargava Ashram, Alwar.
- Revenue Advisor, Government of Rajasthan.
- Patron, Vriddha Seva Ashram, Alwar.
- Lifetime Member of Bhargava Dharamshala, Chakleshwar, Goverdhan Mathura.
- Member, Art & Cultural Uththan Samiti, Rajasthan.
- Member, Jai Krishna Club, Alwar.
- Member, Kaumi Ekta Sahitya Sansthan, Alwar.
- Member, Society for Protection of Union Child.
- Member, Jai Complex Vyapar Samiti, Alwar.

Residence :-

Matasya Fort & Resorts Pvt. Ltd.

Director

Dinesh Bhargava

Priti Bhargava

"SHRADDAH" Plot No. 592,
Vivek Vihar, Scheme No. 10,
Near Jain Mandir, Alwar-301001 (Raj.)
Mob.: 09414016610
e-mail: d_bhargavalw@yahoo.co.in



With the divine blessings of our parents
Late Sh. P. N. Bhargava & Smt. Rajrani Bhargava

**WE PROUDLY ANNOUNCE
THE LAUNCH OF OUR SCO PROJECT.**



LOVE FOR
Shopping NEVER ENDS


Everest Square

A UNIQUE APPROACH IN SHOPPING

EVEREST BUILDERS & DEVELOPERS

Office Address: Shop No.30, inside Everest Cinema, Jaipur road, Near Bharwas Gate, Rewari, 123401

Site Address: Sector 26, Near Eden Garden Society, Rewari, 123401

License no 105 of 2022

Anil Bhargava

Sunil Bhargava, Vijay Bhargava

Mobile No. : +91 9812061008, 9812037211, 9315409415

For Enquiry : +91 8397861008 | 8950149054

‘जय बम्बलेश्वरी कुलदेवी माँ’

भार्गव चश्मे वाले प्राइवेट लिमिटेड

(Taking care of your Vision since 45 years)

Bhargava
Chashmewale

Dispensing your vision needs since 1982

Outlets at:-

1. Patrakar Puram Chauraha,
Aarohi Plaza, Lucknow
2. Kotwali Road, Opp. Head
Post Office, Barabanki
3. Arjun Ganj, Lucknow
4. Gomti Nagar Extension,
Lucknow
5. Kathauta Chauraha,
Chinhat, Lucknow



Bhargava Chashme Wale

UGF -28 Aarohi Plaza, Patrakarpuram, Gomti Nagar, Lucknow-226010

Mob.: 9532967879, 8181002555, 7080053666, 7459096621

Email: bhargavaaditya5144@gmail.com

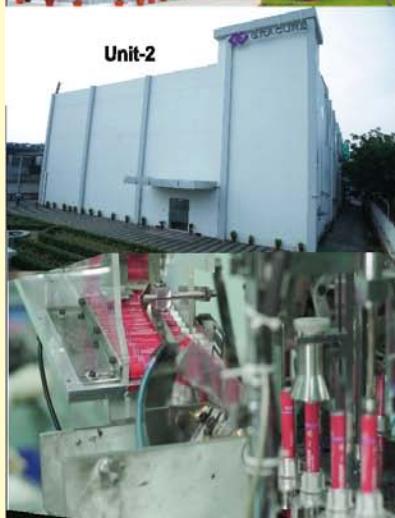


GRACURE PHARMACEUTICALS LTD.

251-254, 2nd Floor, DLF Tower, Block-IV, 15 Shivaji Marg, New Delhi: 110015, India

Phone : +91-11-47770900, E-mail : info@gracure.com, Website : www.gracure.com

- EU GMP Certification (Unit-1)
- Certified for Tablets, Capsules, Liquid Syrups
Ointments & Dry Syrups
- Believes in "Quality On Time & In Full"



With Best wishes from :



A.S. Bhargava
Mg. Director



Parag Bhargava
Director



Sheere Bhargava
Vice President

With Best Compliments From:

Managing Director, Rajiv Bhargava (Mob.) 9810110805
Executive Director, Neeraj Bhargava (Mob.) 9958091924



HBD Packaging Pvt. Limited

An ISO 9001 : 2015 (QMS); ISO 22000 : 2018 (FSMS) & HACCP Company

Works :

19, Udhyog Kendra Industrial Area, Ecotech III,
Greater Noida (U.P.) - 201306; Tel.: +91 9971392396

Email : info@hbdpackaging.com

Manufacturers of :

Folding Cartons, Litho Laminated (3 ply) Cartons, Blister Cards, 4/6 Corner boxes, Tray, Sleeves, Liner Cartons, Food Packaging Cartons, Point of Sale Dispenser, Catch Cover, Labels & Literature Sheets (Leaflets) etc.

Capabilities : UV printing on Met-pet & Plastic Sheets, Texture Coating (Drip off), Thermal, Window and Normal Film Lamination on Automatic Machine, Window Patching, Screen Printing & Coating Effects on Automatic Machine etc.



ਅਰਚਟ ਦੇਵੀ ਸੇਵਾ ਸਾਮਿਤਾ (ਪੰਜੀ.)

ग्राम बन्धोरा (बादलगढ़ की खोली) तहसील किशनगढ़ बास, जिला अलवर (राज.)
कार्यालय: 75, अग्रोहा कंज, सैकटर-13, रोहिणी, दिल्ली-110085

अध्यक्ष: महेन्द्र कुमार भार्गव
(दिल्ली) मो. 9873027399

कोषाध्यक्षः आलोक कुमार भार्गव
(दिल्ली) मो. 9958043080

सचिव: दीपक शार्मा
(दिल्ली) मो. 9899895534

हमारे
प्रेरणास्त्रोतः १
श्री गगेन्ठ सिंह यादव
(किशनगढ़ बास)
श्री लंबेन्द्र प्रकाश भार्या
(दिल्ली)
स्व. श्री जगेश्वर नाथ भार्या
(अलवर)

संरक्षकः
पदमश्री डॉ. रंजीत कुमार शार्मा
 (नैनीताल)

श्री कमेलपुर प्रसाद शार्मा
 (दिल्ली)
 मो.: 9871003806

श्री सुरेन्द्र कुमार अश्वावल
 (दिल्ली)

श्री दीपवर्दं खारीया
 एम.एल.ए. (फिल्मगढ़ बास)

विशेष आमंत्रित
श्री मथुरा प्रसाद भार्गव
(जयपुर)
मो.: 9413007793

श्री प्रभात मुकुल भार्गव
(दिल्ली)
मो.: 8209992469

श्री ओग प्रकाश भार्गव
(जयपुर)
मो.: 7014886483

उपाध्यक्षः
श्री अनिल भार्गव (जयपुर)
मो : 9413334282

श्री बिरुद्ध सिंह चौधरी
किशनगढ़ बास
मो : 9928179566

श्री दिलेश आर्गव (अलवर)
उपाध्यक्ष ए.बी.बी.एस.
मो.: 9414016610

संयुक्त सचिव
श्री दीपक आर्गत (जयपुर)
मो.: 9785394325

दिनांक: 15.07.2023

अर्चट देवी धर्मार्थ आयुर्वेदिक औषधालय का श्रभारंभ

अत्यंत हर्ष का विषय है कि अर्चट देवी सेवा समिति (रजि.) ने यह निर्णय लिया है कि अर्चट देवी मंदिर के प्रांगण में एक आयुर्वेदिक औषधालय को प्रारंभ किया जाए। इसका प्रयोजन बंबोरा गांव एवं आसपास के निवासियों को निशुल्क स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना है। औषधालय का उद्घाटन रविवार 30 जुलाई 2023 को दोपहर 12:00 बजे होना निश्चित हुआ है। अतः आप सभी से विनम्र आग्रह है की औषधालय की स्थापना एवं उसे निरंतर सेवारत बनाए रखने के लिए अपना यथासंभव सहयोग दें। कृपया अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

आप अपनी सहायता राशि सचिव दीपक भार्गव 9899895534 या कोषाध्यक्ष आलोक भार्गव 9958043080 को भेज सकते हैं, अर्चट देवी अन्यथा सेवा समिति के बैंक खाते में भी सीधे जमा करा सकते हैं। बैंक का विवरण इस प्रकार है:-

BANK OF BARODA
Branch Jagatpura Jaipur
A/C No. No 31470100005939
IFSC Code BARB0JAGJAI

Dipak Bhagat

दीपक भार्गव
(सचिव)
98998 95536

कार्यकारिणी सदस्य : मनोज कुमारी सैनी (ग्राम बम्बोरा) साहिल भार्गव (जयपुर), नर्वदा भार्गव (दिल्ली), फूल सिंह बीघरी (ग्राम बम्बोरा) विनोद भार्गव अध्यक्ष: भार्गव समा (अलवर), व्यवन भार्गव, सचिव, भार्गव समा (अलवर), विनोद भार्गव (अलवर)

श्री डहरा उत्सव समिति अलवर (राजस्थान)

कार्यालय: ए.एस. प्रिन्टर्स, मेहताब सिंह का नौहरा, अलवर

बनवेश भार्गव, अध्यक्ष

मेहताब सिंह का नौहरा

मो.: 9414016999, 8005974605

अशोक भार्गव, कोषाध्यक्ष

बी-22, कर्मचारी कॉलोनी

मो.: 9414292612

अंकुर भार्गव, सचिव

मेहताब सिंह का नौहरा

मो.: 9462932551

दिनांक: 05.07.2023

अपील एवं आमंत्रण

मान्यवर,

संत शिरोमणी स्वामी चरणदास जी महाराज का 321वाँ जन्मोत्सव 18 सितम्बर, 2023 (सोमवार) ग्राम डहरा (शाहपुर) अलवर में बड़ी धूमधाम से मनाया जाएगा। इस संदर्भ में निवेदन है कि आप अपने शहर के ज्यादा स्वामी चरणदास जी के भक्तजनों को उत्सव में लाने का श्रम करें। अखिल भारतीय भार्गव सभा ने डहरा मंदिर में बस लाने पर प्रोत्साहन राशि की अनुशंसा की है। अतः आपसे निवेदन है कि आप अपने शहर से बस लाकर जन्मोत्सव की शोभा बढ़ावें।

जन्मोत्सव पर भण्डारे की व्यवस्था की जाती है, जिसमें आस-पास के कई गाँवों व शहरों के पाँच से सात हजार की संख्या में भक्त लोग प्रसाद पाने आते हैं। अतः आपसे वित्त निवेदन है कि भण्डारे में सहयोग के लिए निम्नलिखित में से आप कोई भी सामान के मद में दानराशि का चैक या NEFT डहरा उत्सव समिति के नाम से भेज कर भण्डारे में सहयोग प्रदान कर सकते हैं।

- | | |
|------------------------------------|---|
| 1) देशी घी का पीपा - 9,100/- रुपये | 5) नींबू मिर्च अचार वास्ते - 10,000/- रुपये |
| 2) चीनी की बोरी - 4,000/- रुपये | 6) मसाले - 11,000/- रुपये |
| 3) रिफाइंड ऑयल - 1,500/- रुपये | 7) सब्जी के मद में - 5,100/- रुपये |
| 4) गेहूँ की बोरी - 3,100/- रुपये | 8) बेसन - 8,500/- रुपये |

Bank Account Detail:

A/c Name: Dehra Utsav Samiti; A/c No.: 12001111110037404

Bank Name: The Alwar Central Co-operative Bank Ltd.

IFS Code: RSCB0012001

PhonePay/ PayTm: 9414292612

-: जन्मोत्सव समारोह कार्यक्रम :-

भाद्रपद शुक्ल तीज — मंगलवार, दिनांक 18-09-2023

प्रातः 8.30 बजे -

हवन, अभिषेक

प्रातः 10.00 बजे से -

बधाई गायन एवं भजन

दोपहर 12.00 बजे से -

जन्म आरती, भेंट, राजभोज, प्रसाद वितरण

दोपहर 12.15 से 3.30 बजे तक -

भण्डारा

भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी — बुधवार, दिनांक 19-09-2023

प्रातः 9.00 बजे से -

डोला, भोग, भजन-कीर्तन, आरती एवं समापन

समस्त जाति बन्धुओं से निवेदन है कृपया उपरोक्त कार्यक्रमानुसार पधार कर मेले की शोभा बढ़ावें।

— अंकुर भार्गव, सचिव

हैरिटेज एवं धरोहर प्रबन्ध समिति
अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि.)

ढोसी धाम पर हवन एवं भंडारा — रविवार 19 नवम्बर, 2023

सभी भार्गव बंधुओं को सूचित किया जाता है कि रविवार, दिनांक 19-11-2023 को अखिल भारतीय भार्गव सभा के तत्त्वावधान में हैरिटेज समिति द्वारा ढोसी पर्वत पर स्थित महर्षि च्यवन ऋषि की तपोस्थली ढोसी धाम पर हवन व भंडारे का आयोजन किया जा रहा है।

इस अवसर पर वहाँ पर स्थित सरकारी स्कूल के बच्चों को यूनिफॉर्म का जोड़ा, जिसमें 2 पेंट 2 शर्ट अथवा 2 सलवार सूट, 2 मोजे एवं 1 स्वेटर प्रदान किए जाएँगे। यूनिफॉर्म की कीमत रुपये 1,500/- प्रति बच्चा है। कार्यकारिणी समिति की बैठक दिनांक 9-7-2023 में निम्न सदस्यों ने यूनिफॉर्म देने का वायदा किया है। प्रधान श्री नरेश जी (21), पूर्व प्रधान श्री सुरेन्द्र नाथ जी (11), उपप्रधान श्री सुभाष जी (11) एवं श्री गिरीश जी (11), प्रधान सचिव श्री हीरेन्द्रनाथ जी (5), सचिव श्री उमेश जी (5) एवं श्री प्रमोद जी (5), श्री अमरनाथ जी (5)। कुल 74 बच्चों के लिए हुए।

सभी जाति बन्धुओं से विनम्र अनुरोध है कि समय पर पहुँचकर हवन व भंडारे में शामिल होकर अनुगृहीत करें। ढोसी धाम यात्रा के लिए अखिल भारतीय भार्गव सभा द्वारा प्रत्येक स्थानीय भार्गव सभा को बस हेतु इस वर्ष से 20,000/- रुपये का आर्थिक सहयोग दिया जाएगा। हवन के लिए इच्छुक जोड़े प्रधान अथवा सचिव से सम्पर्क करें। हवन एवं भंडारे का कार्यक्रम निम्नलिखित है —

हवन दिनांक 19-11-2023, प्रातः 11.00 बजे (ढोसी पर्वत स्थित च्यवन मंदिर में)

भंडारा दिनांक 19-11-2023, दोपहर 12.30 बजे (नीचे पंचायत घर में)

नीरा, दिल्ली (सलाहकार)
मो.: 9811066272

अनिल, रेवाड़ी (सलाहकार)
मो.: 9812061008

अनिल, जयपुर (प्रभारी उपप्रधान)
मो.: 9414358969

संजीव, दिल्ली
प्रधान
मो.: 9136229066

अजय, दिल्ली
संयोजक
मो.: 9810380343

राजीव, नोएडा
सह सचिव
मो.: 9810440015

नरेन्द्र, दिल्ली
सचिव
मो.: 9868222734

अखिल भारतीय भार्गव युवा संघ

संविधान संशोधन समिति

अखिल भारतीय भार्गव युवा संघ की कार्यकारिणी समिति के निश्चयानुसार संविधान में संशोधन के कार्य किया जाना है। अखिल भारतीय भार्गव युवा संघ के सभी कार्यकारिणी सदस्यों एवं समाज के सभी बंधुओं से समिति की ओर से मेरा यह अनुरोध है कि जो भी संविधान में कुछ संशोधन करवाना चाहते हैं, तो वह 15 अगस्त, 2023 तक संशोधन का कारण बताते हुए मेरे पास ईमेल sanjevbhargav@gmail.com या मेरे WhatsApp No. **9136229066** पर भेज सकता हैं। अगर आपके पास संविधान की कॉपी नहीं है, तो आप WhatsApp पर मँगवा सकते हो।

देवेन्द्र भार्गव (प्रधान), मो.: 9871222158

संजीव भार्गव (संयोजक), मो.: 9136229066

विषय: हमारे युवाओं में अधिक उम्र में विवाह करने की बढ़ती प्रवृत्ति

पाठकगण,

अपने समाज में युवाओं में अधिक उम्र में विवाह करने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। हमारे अभिभावक सहित, समाज के जागरूक सदस्य भी इस समस्या से चिंतित हैं। इसी प्रकरण को लेकर भार्गव पत्रिका सलाहकार समिति ने इस लेख माला का आयोजन भार्गव पत्रिका, मई 2023 के द्वारा कर लेख माला के लिए लेख आमंत्रित किए थे। समिति को प्रसन्नता है विद्वान पाठकों एवं इस समस्या से ग्रसित कई अभिभावकों के लेख, इस लेख माला हेतु प्राप्त हुए। जो चयनित कर इस लेख माला का श्रृंगार बने हैं।

चयनित लेख, लेखकों के परिचय सहित प्रकाशित कर रहे हैं। इस लेख माला आयोजन से प्रभावित होकर श्रीमती रश्मि भार्गव धर्मपत्नी श्री सुभाष भार्गव, अहमदाबाद (उप प्रधान, अखिल भारतीय भार्गव सभा) ने सभी लेखकों को प्रोत्साहन स्वरूप प्रत्येक को **1,000** रुपये की राशि प्रदान की है। भार्गव पत्रिका सलाहकार समिति और भार्गव पत्रिका परिवार की ओर से श्रीमती रश्मि भार्गव, अहमदाबाद को बहुत-बहुत धन्यवाद। आशा है आपका ऐसा ही स्नेह आगे भी प्राप्त होता रहेगा।

सभी लेखकों से निवेदन है अपना Bank Detail मुझे भेजें ताकि प्रोत्साहन राशि भेजी जा सके।

— शिक्षाविद् कपिल भार्गव, अलवर (सह संपादक, भार्गव पत्रिका), मो.: 9414640378

अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि.)

सम्माननीय पाठकगण,

आप सभी के समक्ष भार्गव पत्रिका के सह-संपादक श्री कपिल जी द्वारा सम्पादक मंडल की सहमति से 'हमारे युवाओं में बढ़ती, अधिक उम्र में विवाह करने की प्रवृत्ति' विषय पर एक लेख माला का आयोजन किया गया है। सभा की ओर से उनका हार्दिक धन्यवाद एवं आभार।

सभी प्रबुद्ध लेखकों ने अपनी लेखनी द्वारा सभी लेखों में आज की वास्तविकता पर अपने अनुभव के अनुसार बहुत सुंदर विचार लिखें हैं तथा लेखों में वर्तमान वास्तविकता से जागरूक होने तथा चिंतन की आवश्यकता को भी बखूबी प्रस्तुत किया है। हमारे बुद्धिजीवी समाज में शतप्रतिशत शिक्षा होना एक सौभाग्य है और यह हमारे बुजुर्गों का 133 वर्ष पुरानी हमारी अखिल भारतीय भार्गव सभा द्वारा किये गये प्रयासों का फल है। सम्पादक मंडल को प्रसन्नता है कि इन लेखों के माध्यम से समाज में अच्छा संदेश तथा सोच का प्रचार होगा तथा परिवारों को युवक-युवतियों की शादी उचित आयु में करने का विचार गतिशील होगा। यह समाज की बहुत बड़ी उपलब्धि होगी तथा अंतर्जातीय विवाह भी बहुत कम होंगे। सम्पादक मंडल की ओर से सभी-लेखकों का हार्दिक स्वागत, अभिनन्दन एवं धन्यवाद।

श्रीमती रश्मि जी, धर्मपत्नी श्री सुभाष भार्गव, अहमदाबाद (उपप्रधान, सत्र 2023-25, अखिल भारतीय भार्गव सभा) के द्वारा इस लेखक माला के आयोजन में प्रोत्साहन स्वरूप उपहार एवं सहयोग राशि के लिये सभा की ओर से हार्दिक आभार एवं धन्यवाद। आप अपना सहयोग अनेक सामाजिक संगठनों के कार्यों में अनेक वर्षों से कर रही हैं। धन्यवाद।

— हीरेन्द्र नाथ भार्गव, प्रधान सचिव, मो.: 09811009294

हमारे आराध्यों के भी हुए हैं सही आयु में विवाह

लेखक परिचय: डॉ. प्राची भार्गव बीकानेर निवासी श्रीमती सुमन-श्री सुभाष चंद्र भार्गव (व्यास कॉलोनी) की सुपुत्री हैं एवं लखनऊ निवासी श्री अभिषेक भार्गव की धर्मपत्नी हैं। 18 वर्ष के सुखद वैवाहिक जीवन में इन्हें दो पुत्र रत्न प्राप्त हुए। इन्होंने विश्व विद्यालय CSIR -सेंट्रल ड्रग रिसर्च इंस्टीट्यूट (CDRI) से गवर्नमेंट फेलोशिप पर पी.एच.डी. की। शादी एवम पुत्र होने के उपरांत भी इन्होंने पी.एच.डी. जारी रखी। ये 15 साल से एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर शिक्षण कार्य में संलग्न हैं। ये 3 किताब (नैनोटेक्नोलॉजी), 2 पेटेंट्स और 50 से अधिक पेपर्स प्रकाशित कर चुकी हैं।



पता: डॉ. श्रीमती प्राची भार्गव, 109/9, मॉडल हाउस, लखनऊ, मो.: 7619044613 — सह-सम्पादक

हिन्दू समाज में सोलह संस्कारों का अत्यंत महत्व है। विवाह संस्कार के बाद हर इंसान के जीवन में 360 डिग्री का बदलाव आ जाता है। यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी कि हर संस्कार की एक निर्धारित समय अवधि तय की गयी है। रामायण के बालकाण्ड में भी इस बात के प्रमाण मिलते हैं कि श्री राम और देवी सीता का विवाह अल्पायु में ही हो गया था। श्री कृष्ण और देवी रुक्मिणी का विवाह भी अल्पायु में ही हुआ। हिन्दू मान्यताओं के अनुसार गृहस्थ आश्रम का समय 25 से 50 साल तक माना गया है और इस के अनुसार हर व्यक्ति को अपने गृहस्थ जीवन के सारे कर्तव्य इस अवधि में पूरे कर लेने चाहिए। यह बात किसी से छुपी नहीं है कि हमारे रीति रिवाज वैज्ञानिक तथ्यों पर ही आधारित हैं। समय के साथ-साथ ऐसी बहुत सी चीजें हैं जो अब बदलने लागी हैं, आजकल समाज में बढ़ती उम्र में विवाह करने का चलन हो गया है। आजकल के समय में पढ़ाई, नौकरी और कैरियर के चलते लड़के-लड़कियाँ देर से ही शादी करना पसंद करते हैं, जिसकी वजह से वर और वधू को विवाह निर्वहन में सामाजिक, शारीरिक और मानसिक कठिनाईओं का सामना करना पड़ रहा है —

1. पार्टनर के साथ एडजेस्ट करना होता है मुश्किल: लड़के-लड़कियों की कम उम्र में शादी करने का एक फायदा यह होता है कि जब वे छोटे होते हैं तो पार्टनर के साथ तालमेल बैठाना आसान हो जाता है। लेकिन जब आप लंबे समय तक सिंगल और इंडिपेंडेंट रहते हैं, फिर अधिक उम्र में शादी करने के बाद पति-पत्नी की आपसी पसंद-नापसंद और जरूरतों के साथ तालमेल बैठाना कुछ मुश्किल हो जाता है। ऐसा ना कर पाने से रिलेशनशिप में मनमुटाव होने लगते हैं।

2. चीजों को एक्सप्लोर करने का मन नहीं रहता: कम उम्र में कई तरह के शौक होते हैं। जैसे-जैसे उम्र बढ़ने लगती है, तो उत्साह में कमी आने लगती है, जिससे एक उम्र आने पर व्यक्ति का फोकस घूमने-फिरने या चीजों को एक्सप्लोर करने पर नहीं बल्कि जिम्मेदारियों पर अधिक रहता है और वह जीवन का आनंद नहीं उठा पाते।

3. प्रेग्नेंसी में कठिनाई: महिलाओं की प्रजनन क्षमता उम्र बढ़ने के साथ कम होती जाती है। एक रिसर्च में कहा गया है कि उम्र ज्यादा बढ़ने से पुरुषों और महिलाओं दोनों को ही स्वस्थ बच्चा पैदा करने में कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा बढ़ती उम्र के साथ महिलाओं को गर्भधारण करने में अधिक समय लगता है और गर्भपाता एवं प्रसव में मुश्किलें भी पैदा होती हैं। अधिक उम्र के माता-पिता से पैदा हुए बच्चों में डाउन सिंड्रोम (मेंटल और फिजिकल डिसऑर्डर) और अन्य शारीरिक समस्याओं का जोखिम भी अधिक रहता है।

4. पार्टनर चुनने के विकल्प होते हैं कम: महिलाएँ हो या पुरुष, उम्र बढ़ने के साथ ही पार्टनर चुनने के विकल्प भी कम होते जाते हैं। समय पर शादी ना करने के कारण कई बार घरवालों के दबाव में आकर लड़कियाँ बिना सोचे-समझे ही शादी कर लेती हैं, जिससे बाद में उन्हें पति के साथ एडजेस्ट करने में काफी समस्याएँ होती हैं, क्योंकि कई मामलों में आपसी सहमति नहीं बन पाती और दोनों की सोच किसी भी चीज को लेकर अलग-अलग हो सकती है, जिससे मनमुटाव होने लगता है।

5. फिजिकल इंटीमेसी की कमी: देर से शादी करने पर कपल्स की सेक्स लाइफ पर इसका बुरा असर पड़ता है। यंग कपल्स में भरपूर जोश होता है और उम्र कम होने के चलते शुरुआत में उनके ऊपर बच्चे को लेकर कोई प्रेशर नहीं डाला जाता, लेकिन ज्यादा उम्र होने पर शादी करने वाले लोगों के ऊपर बच्चे पैदा करने के लिए प्रेशर डाला जाता है, जिससे वह अपनी लाइफ को एंजॉय नहीं कर पाते।

6. माता पिता और बच्चों में जनरेशन गैप: जनरेशन गैप तब होता है, जब दो लोगों के बीच उम्र (एक पूरी पीढ़ी) का काफी अंतर होता है। यह अक्सर माता-पिता और बच्चों के बीच टकराव का एक कारण बन जाता है। जनरेशन गैप को दो अलग-अलग पीढ़ियों से संबंधित लोगों के बीच के विचारों और विचारधाराओं के अंतर के रूप में समझाया गया है। यह राजनीतिक विचारों, धार्मिक विश्वासों या जीवन के प्रति सामान्य दृष्टिकोण में अंतर हो सकता है।

मैं, अगर अपने जीवन की बात करूँ तो मेरा विवाह भी बायोटेक्नोलॉजी में M.Sc. करने के उपरान्त हो गया था। 2 साल के भीतर ही मुझे माँ बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मैंने अपनी पी.एच.डी. भारत के जाने माने CSIR इंस्टीट्यूट Central Drug Research Institute से फेलोशिप पर की। 3 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं, 2 पेटेंट्स करा चुकी हैं और अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अग्रसर हैं। कहने का तात्पर्य यह है कि विवाह के बाद भी आपस में सामंजस्य बिठाते हुए, वैवाहिक जीवन का आनंद लेते हुए, हम पढ़ाई भी कर सकते हैं और कार्य क्षेत्र में सफलता भी हासिल कर सकते हैं, उसके लिए विवाह में देरी करना कोई कारण नहीं है।

— डॉ. प्राची भार्गव, लखनऊ

☆☆☆☆

हमारे युवाओं में बढ़ती, अधिक उम्र में विवाह करने की प्रवृत्ति

लेखक परिचय: तनु भार्गव (मुंबई निवासी) आपने एम.बी.ए., एम.ए. के साथ नृत्य व गायन में विशारद किया है। आप लेखन, नृत्य, गायन, गार्डनिंग, कुकिंग, Marathon Running में रुचि रखती हैं। आप वर्तमान में गृहणी, लेखिका, कवित्री, गायिका, मच्च संचालिका हैं।



विभिन्न पत्रिकाओं व समाचार पत्रों में आपके लेख, संस्मरण एवं कविताओं का प्रकाशन हो चुका है। अनेक देश-विदेश के साहित्यिक मंचों द्वारा आपको अनेक सम्मान-पत्र प्राप्त हैं। गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज, रामायण पर सर्वाधिक लंबे ऑनलाइन कवि सम्मेलन 'जन रामायण अखंड काव्यार्चन' में बेहतरीन संचालन और प्रस्तुति हेतु सम्मान-पत्र प्राप्त हैं।

— सह-सम्पादक

1. समाज में परम्पराओं का बदलता दौर: यूँ तो शिक्षा शुरू से ही मूलभूत आवश्यकता रही है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से इसका स्थान उच्च शिक्षा या ये कहें कि खाने कमाने वाली डिग्री ने ले लिया

है। आज के युवा अपने कैरियर और शिक्षा पर ज्यादा फोकस कर अपने जीवन पथ पर मजबूत खड़ा होना चाहते हैं और विवाह बाद में करना पसंद करते हैं। उच्च शिक्षा और नौकरी की अंधी दौड़ में वे इस तरह दौड़ लगा रहे हैं कि जीवन के सुनहरे पल की कुर्बानी देने के लिए भी तत्पर हैं।

2. स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता: आधुनिक युवा अपने जीवन के निर्णय खुद लेना पसंद करता है, जिसमें शादी का निर्णय भी एक है। आज बड़ी तादात में लड़कियाँ career conscious हो गयी हैं और अच्छे कैरियर के चक्कर में शादी की उम्र ही निकल रही है। उन्हें कोई फिक्र नहीं पड़ता कि वो अकेली हैं, क्योंकि उनके पास उनके कामकाज, नौकरी, उनको व्यस्त रखने वाली दिनचर्या के अलावा आर्थिक सुरक्षा भी है। आज आवश्यकता है कि माता-पिता अपनी बेटी को समझाए कि लंबे समय तक single और independent रहने या अधिक उम्र में शादी करने से, बाद में पति की पसंद-नापसंद और जरूरतों के साथ तालमेल बैठाना मुश्किल हो जाता है और ऐसा ना कर पाने से relationship में मनमुटाव होने लगते हैं।

3. आर्थिक स्थिति: आज युवा अपने जीवन में आर्थिक सशक्तिकरण चाहता है। वो अपनी savings को बढ़ाने और आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए समय चाहता है, जिससे वे अपने जीवनसाथी और परिवार के साथ आरामदायक और सुरक्षित भविष्य के लिए तैयार हो सके।

आज के युवा वर्ग को ये बात समझाने की आवश्यकता है कि जब समाज में दोनों (लड़का और लड़की) उच्च शिक्षा और अपने कैरियर के लिए सजग हैं, तो उपयुक्त उम्र में शादी करके भी वो साथ में मिलकर financial stability पा सकते हैं, साथ ही अधिक उम्र में होने वाली समस्याओं जैसे Physical intimacy, pregnancy में कठिनाई आदि से भी बच सकते हैं।

4. जीवनसाथी चुनने के विकल्प होते हैं कम: आज समाज में लड़कियाँ लड़कों से ज्यादा कमा रही हैं, जिसके कारण उन्हें उपयुक्त match नहीं मिलते और सही match की तलाश में उम्र बढ़ती जाती है और वो किसी तरह का compromise भी नहीं करना चाहती। कई बार घरवालों के दबाव में आकर लड़कियाँ शादी कर भी लेती हैं, परन्तु वो इतनी परिपक्व हो जाती हैं कि बाद में उन्हें पति के साथ एडजेस्ट करने में काफी समस्याएँ होती हैं। छोटी उम्र में partner के साथ तालमेल बैठाना आसान होता है।

5. आसमानों और सपनों की चाहत: पहले परिवार में चार या पाँच बच्चे होते थे, लेकिन आज, एक या दो बच्चे और माता-पिता बच्चों को लेकर बहुत possessive होते हैं। बच्चों के लिए the best जीवनसाथी की तलाश में जुटे माता-पिता को उनकी बढ़ती उम्र का भान भी नहीं रहता। आज समाज का हर परिवार किसी न किसी प्रकार से इस समस्या का सामना कर रहा है। समाज में बढ़ती उम्र में शादी के विषय पर ध्यान आकर्षित कर, इस चिंता से निकलने के विषय में गहन चिंतन करने की आवश्यकता है।

यह एक मिशन के रूप में सकारात्मक सोच के साथ लड़के-लड़कियों व परिवार की सोच को बदलने हेतु सभी को एक मजबूत पहल के साथ युवाओं का यथासंभव रिश्ता करवाने का प्रयास करना चाहिए।

— तनु भार्गव (मुंबई)

☆☆☆☆

**सामाजिक जन के भावों से परिवार बने मर्यादित
नर-नारी की हृदय मुक्ति से मानवता हो सुसंस्कृत**

विवाह संस्कार बंधन नहीं, गठ बंधन है

लेखक परिचय: श्रीमती उत्तरा भार्गव (शिक्षा एम.बी.ए.), ध.प. श्री नितिन भार्गव, चीफ मैनेजर बैंक ऑफ बड़ौदा, मुख्यालय, बी.के.सी., मुंबई।

स्वतंत्र लेखक: हिंदी और मराठी। भार्गव पत्रिका की नियमित पाठक हूँ, सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता शौक है।

पता: सी 6/6/04, हिमगिरि अपार्टमेंट, सेक्टर-6, बेलापुर, नवी मुंबई-400614,
मो.: 8108153683



— सह-सम्पादक

नर-नारी के दापत्य जीवन में से गुजरे बिना नर और नारी दोनों ही अधूरे रह जाते हैं। विवाह एक योग है, भोग नहीं। इस योग के साथे बिना, ना ज्ञान योग सधता है, ना कर्म योग, न भक्ति योग और इन तीनों योगों के बिना मस्तिष्क, शरीर और हृदय तीनों ही अपरिपक्व रह जाते हैं। तो इस प्रकार से विवाह आवश्यक है। फिर जनाव विवाह में देरी क्यों?

हिंदू विवाह में दो तत्व महत्वपूर्ण होते हैं। “पाणी ग्रहण संस्कार” और “सप्तपदी”。 पाणी ग्रहण का अर्थ है, कन्या के पिता द्वारा कन्या का हाथ वर के हाथ में सौंपा जाना और सप्तपदी का अर्थ है, अग्नि के समक्ष सात पद और सात फेरे।

अखिल भारतीय भार्गव सभा द्वारा प्रकाशित रीति संग्रह के अनुसार विवाह के समय वर की आयु 25 वर्ष और कन्या की आयु 21 वर्ष होनी चाहिए और यदि भार्गव सभा का इतिहास देखें, तो उस समय बहुत छोटी आयु में ही विवाह होते थे, और यदि उस समय में प्रचलित आयु में विवाह नहीं हुआ तो समाज भी हेय दृष्टि से देखता था और अधिक आयु होने पर रिश्ते आने भी बंद हो जाते थे।

आज अपने समाज में उस उम्र में विवाह हमारे युवा करना पसंद नहीं कर रहे और विवाह की उम्र धीरे-धीरे बढ़ती जा रही है। मेरे अनुसार कुछ कारण इस प्रकार सामने आए हैं।

1) अच्छे कैरियर की चाह में, 2) अच्छे जीवनसाथी की चाह में, 3) अच्छी आर्थिक संपन्नता और अच्छे रहन-सहन की चाह में, 4) दूरदर्शन, फेसबुक, लुप्त होते हमारे संस्कार और घर परिवार में नैतिक मूल्यों का हांस, भी संभावित कारण है, 5) पहले पंडित जी और नाई संबंध पक्का कर आते थे (सत्यनारायण कथा के अनुसार लीलावती और कलावती), फिर माता-पिता संबंध तय करने लगे और एक शताब्दी से बच्चों ने ही जब से यह जीवनसाथी चुनने का दायित्व लिया है, शायद उम्र बढ़ने का मुख्य कारण बना है, 6) जीवनसाथी चयन में पहले मापदंड थे, खानदान कैसा है, परिवार कैसा है, और अब मापदंड है, जीवनसाथी कैसा है, मेरा एडजेस्टमेंट होगा या नहीं, 7) मैं यहाँ यह भी निवेदन करना चाहूँगी क्या जनक वाटिका में भगवान राम या जनक नंदिनी सीता ने अपने कैरियर के बारे में या एडजेस्टमेंट होगा कि नहीं, के बारे में सोचा था? विचार करें। 8) आज अधिकतर हमारे युवा बाहरवाँ कक्षा के बाद, उच्च शिक्षा के लिए बाहर चले जाते हैं और हॉस्टल लाइफ, अपना जीवन, अपने शौक, मित्र मंडली, शायद यहीं से एक पृथक सोच विकसित हो रही है, जो भी अधिक उम्र में विवाह को प्रोत्साहित कर रही है।

हम यह कर सकते हैं —

1. विवाह सही उम्र में हो, विवाह के बाद दो व्यक्तियों का भाग्य व दो व्यक्तियों की वृहद सोच का लाभ मिलता है, यह हमारे युवाओं को समझना होगा।
2. हमारे चिकित्सक भी अधिक उम्र में विवाह को उचित नहीं मानते।

3. घर में अच्छे संस्कार लाएँ, जन्मदिन पर केक नहीं, हवन करना प्रारंभ कीजिए, चौकी पर बैठाकर तिलक करना प्रारंभ कीजिए, शुरुआत करें। परिणाम सकारात्मक मिलेंगे।
4. मैं भी एम.बी.ए. हूँ, मुंबई में रहती हूँ। 22 वर्ष की आयु में विवाह हुआ और सुखी गृहस्थ जीवन व्यतीत कर रही हूँ, कम उम्र में विवाह कभी बाधक नहीं बना।
5. मित्रों, जीवन का नाम ही एडजेस्टमेंट है, शादी से पूर्व भी बहुत सारे एडजेस्टमेंट किए हैं और जनाब शादी के बाद भी जीवनसाथी से, बच्चों से, सास-ससुर से, पड़ोसियों से, सहकर्मियों से, पता नहीं किस-किस से, एडजेस्टमेंट करने पड़ते हैं।

तो आइए, अपने सभ्य और सुसंस्कृत भार्गव समाज में एक माहौल बनाते हैं, जल्दी विवाह के लिए जागृति लाने में सब मिलकर प्रयास करते हैं। अच्छे कार्य में देरी क्यों? आइए शुरू करते हैं, हर स्तर पर इस विषय पर गहन चर्चा करते हैं।

— श्रीमती उत्तरा भार्गव (मुंबई)

☆☆☆☆

हमारे युवाओं में बढ़ती, अधिक उम्र में विवाह करने की प्रवृत्ति

लेखक परिचय: श्रीमती संगीता भार्गव, ध.प. श्री उमाकांत भार्गव, सी.ए. शिक्षा एम.ए., सेवानिवृत्त, निदेशक, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार। पता: 78A, Grd Homes, दिलशाद गार्डन, दिल्ली-95, मो.: 9999163409, <ukb_1892@yahoo.co.in>

— सह-सम्पादक

भारत ऋषियों और मुनियों का देश कहा जाता है। उनके द्वारा स्थापित संस्कार और जीवन मूल्य भारत की अनूठी संस्कृति और सभ्यता के पोषक और नियामक रहे हैं। उन्होंने ही मनुष्य की औसत आयु 100 वर्ष मानते हुए, उसे 25-25 वर्ष के चार चरणों/आश्रमों में विभाजित किया था।

पहले 25 वर्ष ब्रह्मचर्य यानी पढ़ाई-लिखाई और शारीरिक विकास के लिए।

दूसरे 25 वर्ष विवाह, संतति-जनन और माता-पिता तथा समाज की सेवा यानी गृहस्थ आश्रम के लिए।



तीसरे 25 वर्ष अपनी जिम्मेदारियों से मुक्त होने और सांसारिक मोह-माया से परे जाने की तैयारी के प्रयोजन से वानप्रस्थ आश्रम के लिए और अंतिम 25 वर्ष मृत्यु के करीब आते हुए एकांत अथवा संन्यास आश्रम के लिए। आज संन्यास आश्रम की अवधि वानप्रस्थ आश्रम में ही समाहित हो गई है। मोक्ष के लिए परिवार के साथ रहते हुए ही तीर्थ और पुण्य कर्म किए जा रहे हैं।

विषय से दूर न जाते हुए उपयुक्त के अनुसार विवाह की आदर्श आयु लड़के की 27 साल और लड़की की 25 साल मानी जा सकती है। मेरी समझ में युवाओं में बढ़ती, अधिक उम्र में विवाह करने की प्रवृत्ति के मोटे तौर पर निम्नलिखित कारण हो सकते हैं —

1. 25 वर्ष तक पढ़ाई पूरी न होना। यदि महत्वाकांक्षी हैं, तो विदेश जाकर विशेषज्ञता की डिग्री भी हासिल करने की चाह। फिर वहीं प्लेसमेंट हो जाएँ, तो अच्छी धनराशि कमाकर घर लौटने की चाह। इस तरह से 30 साल की उम्र के दायरे में, तो कम से कम आ ही जाते हैं। यदि आई.ए.एस. आदि की तैयारी करते हैं, तो परीक्षा देने या अपना रैंक ऊँचा लाने के लिए, पूरे अवसर avail करने तक शादी कैसे की जा सकती है?

2. अच्छी जॉब या हाई सैलरी मिल जाए, तो शादी के लिए उपयुक्त मैच के मानक बहुत बढ़ जाते हैं और सर्वगुण संपन्न की चाह में जब तक जी ना भर जाए, लोग लड़के/लड़की देखते ही रहते हैं और मीन-मेख निकालते रहते हैं। उम्र का बढ़ना स्वाभाविक है।
3. माता-पिता का वैवाहिक जीवन किसी भी कारणवश, यदि क्लेशपूर्ण/कलह युक्त रहा हो, तो बच्चे शादी करने से ही तौबा करने लगते हैं। माता-पिता का तलाक हो गया हो या किसी दुर्घटना के कारण पुनर्विवाह के बाद सौतेली माता/पिता के साथ कड़वी यादें हों, तो विवाह जैसी संस्था से विश्वास उठना विवाह के प्रति उदासीनता भरता है और समय पर विवाह नहीं हो पाता।
4. आज के इंटरनेट के युग में कई प्रश्न हैं, कई जिज्ञासा हैं, गूगल पर पूछो, तुरंत उत्तर मिलेगा। सदियों से टैबू समझे जाने वाले विषयों को युवा उम्र से पहले जान रहे हैं। परिचय के फ्री सोसायटी कल्चर से भ्रमित युवाओं के अनुसार जब सब कुछ सरलता से बाजार में उपलब्ध है, तो शादी या विवाह जैसे बंधन में क्यों बंधें? उन्मुक्त जीवन क्यों न जिएँ और जिम्मेदारियों में क्यों फंसे? लिव इन रिलेशनशिप की संकल्पना भी खूब पैर पसार रही है। ऐसे में असली शादी तो अधिक उम्र में ही होती है। कुछ युवा तो गलतफहमियों और हीनग्रंथि का शिकार होकर, नैराश्य की गर्त में चले जाते हैं और समय पर शादी नहीं करते।
5. आजकल हर एक युवा Luxurious Life जीना चाहता है, चाहे उसने पढ़ लिखकर या किसी फील्ड में महारथ हासिल करके, पैसा कमाया हो या ना कमाया हो। जिनकी आय इस सोच पर पूरी नहीं उत्तरी, वे लड़की भी कमाऊ ढूँढ़ते हैं या अच्छे दिन आने का इंतजार करते हैं और विवाह को अंतिम प्राथमिकता के स्थान पर रख देते हैं।
6. संयुक्त परिवार प्रथा के प्रति अनास्था और समाज के प्रति अपने दायित्व की उपेक्षा भी विवाह में देरी का एक कारण हो सकता है।

अब 25 से 30 वर्ष की आयु में यानी जनन-उर्वरता रहते हुए विवाह हो जाए, इसके लिए क्या किया जाए —

1. माता-पिता बच्चों को शुरू से ही वक्त पर सब कार्य निपटाने का महत्व समझाएँ। बच्चे के रूझान और प्रतिभा को समझकर उसकी पढ़ाई का क्षेत्र निश्चित करें। ताकि समय पर जॉब या बिजनेस करके धनार्जन शुरू किया जा सके। क्योंकि आज 5 अंकों से कम आय वाले को लड़की आसानी से नहीं मिलती।
2. बच्चों को अति महत्वाकांक्षी होने या अपनी क्षमता से अधिक ऊँचे लक्ष्य साधने के लिए प्रेरित ना करें।
3. थोड़ा समझदार होने पर बच्चों की डाक्टर/मनोचिकित्सक से काउंसलिंग करवाते रहें।
4. बच्चों को अपने संस्कारों और भारतीय संस्कृति के बारे में बचपन से ही बताते रहें। उन्हें शिक्षाप्रद और सदाचार की कथाएँ भी सुनाएँ।
5. बच्चों के इस तरह से विश्वास पात्र बनें या उनके साथ interact करें कि कोई समस्या या दुविधा होने पर वे सबसे पहले आपसे चर्चा करें।
6. सब मनुष्य समान हैं और शारीरिक सुंदरता से पहले अच्छा इंसान होना जरूरी है, सिखाएँ।
7. माता-पिता समय के साथ चलें और rigid न बने रहें। इससे युवा पीढ़ी से विचारों में तालमेल बढ़ेगा।
8. बच्चों को संयुक्त परिवार प्रथा और उत्तम स्वास्थ्य के महत्व से अवश्य परिचित करवाया जाए, जिससे यदि देर से विवाह हो भी तो कोई समस्या ना आए।

— श्रीमती संगीता भार्गव (दिल्ली)



विवाह बंधन, आयु और हम

लेखक परिचयः श्रीमती अमिता भार्गव, धर्मपत्नी श्री गिरीश भार्गव, सामाजिक गतिविधियों में भागीदारी ससुराल से उपहार में मिली। मृदुभाषी, सभी के साथ मिलकर काम करना आपको अच्छा लगता है। समाज के लिए कुछ करना चाहती हैं। पति गिरीश भाई की सफलता में बड़ी भूमिका।

पता: भार्गव चश्मे वाले, एल-5, शालीमार पैराडाइज, फैजाबाद रोड,

बाराबंकी, लखनऊ-225003, मो.: 8896408683

— सह-सम्पादक



विवाह एक परम पवित्र संस्कार है। यह दो आत्माओं का पवित्र बंधन है। विवाह ही स्त्री और पुरुष को गृहस्थ आश्रम में प्रवेश का मार्ग प्रशस्त करता है।

इसके पश्चात् ही मनुष्य इस संसार में नियम बद्ध होकर आचरण करता है। इसके रीति रिवाज में जाति, कुल, परम्परा, आयु व समाज में प्रचलित परिस्थिति के अनुसार परिवर्तन होते रहते हैं। कुछ समझ से बाहर हैं की इस बंधन में देरी क्यों? क्यों समय पर और सही आयु में विवाह नहीं हो रहे और समाज को आज इस गहन बिंदु पर चिंतन करना पड़ रहा है?

बच्चे छोटी उम्र में विवाह नहीं कर रहे और बड़ी उम्र में बच्चों का विवाह होना समाज में एक बड़ी चुनौती बन गई है। आज का हमारा युवा वर्ग इस प्रकार की एक नई सोच की ओर अग्रसर हो रहा है। बच्चों के अनुसार पहले कैरियर फिर विवाह। अधिक उम्र के कारण फेस मुरझाना, युवकों के बालों पर असर, बेटियों के फेस पर भोलापन समाप्त होने को होता है। यह सब उम्र का आगाज है।

विवाह पश्चात् भी दंपति जल्दी baby planning नहीं कर रहे। वंश वृद्धि तो संस्कार का नियम है। अभिभावक भी यही चाहते हैं कि आंगन में पोता-पोती खेलें।

चिकित्सकों की राय भी यही है। उनके अनुसार विवाह की सही उम्र, लड़कों की 25 से 26 वर्ष और लड़कियों की 22 से 25 वर्ष उचित है।

आज के युवाओं से भी मेरा निवेदन है कि आगे आने वाली समस्याओं को समझें और सही उम्र में विवाह के लिए अपनी सहमति दें, ताकि जीवन चक्र सुचारू रूप से चल सके।

अच्छा कैरियर बनाना सबका सपना होता है, स्वयं युवाओं का ही नहीं, माता-पिता, भाई-बहन सभी को प्रिय लगता है। लेकिन उसके लिए इतनी बड़ी कीमत नहीं। आने वाला जीवनसाथी भी आपका अपना सौभाग्य है, प्रिय है, वह भी आकर आपके कैरियर में सहायता ही करेगा, विघ्न नहीं।

विवाह के बाद एक नहीं दो व्यक्तियों का भाग्य साथ चलता है, निश्चित सफलता मिलेगी।

हमारे समक्ष अनेक उदाहरण ऐसे भी हैं, जब कम उम्र में विवाह पश्चात् अनेकों ने सफलता पाई है। मेरा खुद का भी यही अनुभव है, विवाह के समय मेरी आयु 22 वर्ष थी और आज मैं सफल गृहणी के साथ-साथ पति के साथ व्यापार में पूरी भागीदारी निभाती रही हूँ। मैं भी दिन भर में 10 से 12 घंटे व्यस्त रहती हूँ।

समायोजन जीवन का एक अंग है, अपने को बहुत कुछ ढालना पड़ता है, घर, परिवार, समाज, जीवनसाथी, कार्यालय में एडजेस्टमेंट करना पड़ता है, कहाँ नहीं है, जीवनसाथी के साथ गृहस्थी के संचालन के लिए पता नहीं कितने एडजेस्टमेंट करने पड़ते हैं और करने पड़ेंगे।

मित्रों, कम उम्र में विवाह होता है, तो जीवनसाथी एक-दूसरे के लिए अपनी आदत और व्यवहार में परिवर्तन आसानी से कर लेते हैं। मगर अधिक उम्र में आदत और व्यवहार में परिवर्तन करना कष्ट दर्दी

होता है। यदि परिवर्तन नहीं होता है, तो जीवन रूपी गाड़ी तलाक की ओर भी जा सकती है।

कम उम्र में विवाह होने पर जीवनसाथी अपने अहम को नियंत्रित कर सकते हैं, मगर ज्यादा उम्र होने पर संभवतया नहीं और फिर गाड़ी का अनियंत्रित होना स्वभाविक है, और मेरा इशारा फिर तलाक की ओर जाता है।

“भार्गव पत्रिका सलाहकार समिति” का यह प्रयास काबिले तारीफ है। इससे समाज में निश्चित ही चेतना और माहौल बनाने में सहायता मिलेगी और परिणाम सार्थक प्राप्त होंगे।

— श्रीमती अमिता भार्गव (लखनऊ)

☆☆☆☆

हमारे युवाओं में बढ़ती, अधिक उम्र में विवाह करने की प्रवृत्ति

लेखक परिचय: श्रीमती स्वाति भार्गव, पत्नी श्री प्रभात कुमार भार्गव, सी-3250, राजाजीपुरम, लखनऊ (उ.प्र.)-226017, <swti_prbht@yahoo.co.in>



इनका जन्म राजस्थान के शहर धौलपुर में हुआ। अलवर से स्नातक तक शिक्षा ली। शादी के 25 साल बाद Mrs. Lukcnaw 2021, Mrs. Uttar Pradesh 2021 के 2 खिताब और ताज जीत कर महिलाओं के लिए मिसाल कायम करी। ताज जीतने के बाद महिलाओं के लिए लिखना शुरू किया। इन्हें इंसान हो या जानवर जरूरतमंद की मदद करना अच्छा लगता है।

— सह-सम्पादक

हमारे युवाओं में बढ़ती, अधिक उम्र में विवाह करने की प्रवृत्ति (कारण और निवारण) इसे हम तीन कारणों से समझ सकते हैं —

1. परवरिश, पारिवारिक माहौल के कारण: परिवार का माहौल मुख्य कारण है, क्योंकि बचपन से माता-पिता जैसा माहौल देते हैं, बच्चों पर उसका सीधा असर होता है। कहते और जानते तो सब हैं, पर ध्यान कितना रख पाते हैं, इस बात का?

आजकल की युवा पीढ़ी हर एक छोटी से छोटी चीजों के बारे में सोचती है। वह आने वाले समय के बेहतरी के लिए भी सोचती है कि क्या सही है और क्या गलत है?

घर के बुर्जुर्ग और माता-पिता अगर घर में कलह का वातावरण बनाते हैं। तो बच्चों को क्या संदेश जाता है, यही ना कि विवाह पश्चात् मुझे भी यही सब देखना पड़ेगा।

तब युवा यही सोचता है कि जितना बच सकते हैं, बचे रहो। अब पहले जैसी ना परवरिश रही और ना ही वैसी पीढ़ी है। पहले जैसा माहौल भी नहीं रहा।

फिर कुछ जगह परवरिश करते समय माँ-बाप भी जरूरत से ज्यादा आजादी दे देते हैं और बच्चे कुछ सुनना या समझना नहीं चाहते, विवाह की बात पर कह देते हैं, अभी नहीं करना, आप लोग समझते नहीं हो, आप का जमाना नहीं है।

2. तलाक के मामले बढ़ने से विवाह करने से डरते हैं युवा: तलाक के किससे समाज में अधिक बढ़ने से भी विवाह करने से डरते हैं युवा।

पता नहीं कैसी लड़की होगी? या कैसा लड़का होगा? आजकल समाज में छोटी-छोटी बातों में तलाक हो जाता है। कहीं पर लड़कियाँ समझना नहीं चाहती, वह पूरे परिवार के साथ समझौता नहीं कर रही, तो कहीं पर लड़के सही नहीं होते।

जब यह सब हमारे समाज के युवा सुनते हैं, तो वह डरते हैं विवाह के नाम से। वैसे भी युवक हो या युवती सब किसी न किसी रूप से धन अर्जित कर रहे हैं। तो उन्हें लगता है, हम ऐसे ही अकेले रहने में ज्यादा सही हैं और सक्षम भी हैं। तो अगर जीवनसाथी सही नहीं है, तो उससे बेहतर है कि हम ऐसे ही परिवार के साथ रहें।

3. मोबाइल फोन का उपयोग व अच्छा कैरियर बनाने की चाहत के कारण: मोबाइल के अत्यधिक प्रयोग से इंसान के जीवन पर, समाज पर अधिक अंतर आया है। एक ही परिवार में लोग बैठ गए हैं। सबके निजी फोन हैं, अब माता-पिता भी छूट देते हैं कि लड़के और लड़कियाँ आपस में बात कर लें, हालांकि उनकी सोच इतनी है कि वह एक दूसरे को समझें। परंतु कहीं ना कहीं देखा गया है कि इसका गलत फायदा भी उठाया जाता है। जैसे उदाहरण है लड़की खुद परिवार में रहती है और लड़के को पूछती है कि शादी के बाद तुम परिवार के साथ तो नहीं रहोगे, अकेले ही रहोगे ना तो लड़का क्या समझे और क्या सोचेगा शादी के नाम से लड़के भी यही सोचकर डरते हैं कि लड़कियाँ अगर ऐसी सोच की हुई तो हमारे परिवार में सुख शांति नहीं रहेगी।

कहीं कैरियर बनाने की वजह से ही उम्र का एहसास नहीं होता है। उन्हें लगता है कि शादी की अभी सोच नहीं सकते, जब तक अच्छा कैरियर नहीं बन जाता। इसी वजह से उम्र अधिक हो जाती है।

निवारण: उपरोक्त दिए हुए कारणों को अगर सही ढंग से समझा जाए और उनका निवारण किया जाए। साथ ही माता-पिता को चाहिए, समय के साथ खुद में थोड़ा बदलाव लाएँ। बच्चों के साथ मित्र की तरह व्यवहार और बातचीत करें। उन्हें समझाएँ और उनकी बात को समझें भी। उनसे पूछिए भी, उनकी पसंद क्या है, वो क्या चाहते हैं?

अगर संस्कार शुरू से दिए जाते हैं, तो बच्चे समझते हैं और सुनते भी हैं। उन्हें समझाएँ, हर काम अपने सही वक्त पर ही होना उचित होता है। अन्यथा उसके भी नकारात्मक पहलू होते हैं। कभी-कभी ऐसा भी होता है, जब सही वक्त पर, सही रिश्ता आता है, तब हम बाद के लिए टाल देते हैं। परंतु बाद में सही रिश्ता ना मिलने से उसके इंतजार में उम्र अधिक हो जाती है।

तो सही वक्त पर, सही निर्णय लेना बहुत आवश्यक है।

इस विषय पर अभी से ध्यान दिया जाए, ताकि आने वाले समय में यह समस्या कम हो ना कि बढ़े।

— श्रीमती स्वाति भार्गव (लखनऊ),

☆☆☆☆

हमारे युवाओं में बढ़ती उम्र में विवाह करने की प्रवृत्ति

— श्रीमती आशा भार्गव, मदन मोहन पथ, सिरोंज मध्य प्रदेश,

मो.: 8602323347



शादी मानव जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा है और सही उम्र में शादी करना एक समझदारी भरा फैसला है। पर अब ऐसा नहीं है। अगर हम 90 के दशक के बाद के माता-पिता से बात करें, तो वह यही कहेंगे कि उनके बच्चे शादी के लिए तैयार नहीं हैं, उन्हें और समय चाहिए।

आखिर क्या कारण है कि युवा 30 के बाद भी शादी करने के लिए तैयार नहीं हो रहे हैं और डर रहे हैं।

कारण:

1. इंडिपेंडेंट होना: महँगाई के इस दौर में युवा अपना कैरियर सेट करना, पैसे कमाना, अपने शौक पूरे करना और अपने पैरों पर खड़े होना चाहते हैं और शादी के बाद यह सब नहीं करने की विचारधारा रखते हैं।
2. तलाक का डर: आजकल युवा समाज में कई शादियाँ देख चुके हैं, जो चल नहीं पा रही हैं। शादियाँ टूटती हुई देखकर भी डर रहे हैं।
3. पारिवारिक जिम्मेदारी: शादी के बाद बढ़ती जिम्मेदारी जैसे परिवार की, बच्चों की व रिश्तेदारी निभाना आदि, इन सबसे बचने के लिए वे शादी टालते रहते हैं।
4. परफेक्ट पार्टनर की तलाश: भाग दौड़ भरी जिंदगी में युवा वर्ग को एक ऐसे परिवार की जरूरत होती है, जिसे वह अपने दिल की बात कह सके और पार्टनर उसको समझ सके। युवा ऐसे पार्टनर की तलाश में उम्र बढ़ाते रहते हैं।
5. धैर्य व एडजेस्टमेंट की कमी: आजकल के युवा एक दूसरे के साथ तालमेल व एक दूसरे के मुताबिक बदलना नहीं चाहते हैं। वे रिश्ता एक दूसरे के सम्मान पर नहीं बल्कि शर्तों पर चलाना चाहते हैं। अच्छा पैकेज वाला, अच्छी जॉब वाला, पैसे वाला, लड़के का स्वयं का घर हो, लड़की लंबी व सुंदर हो, लड़की के ऊपर घर की कोई जिम्मेदारी ना हो, सास-ससुर या जॉइंट फैमिली ना हो, लड़कियों का सेलफ डिपेंडेंट होना, अपने से कम पैकेज वाले से शादी नहीं करना, उम्र बढ़ने के कारण हैं।
6. परिवार से जुड़े ना रहना: आजकल युवा वर्ग नौकरी के कारण अपने परिवार से भावनात्मक रूप से जुड़ा हुआ नहीं है। कोई भी समस्या हेतु अपने दोस्तों से शेयर करते हैं और परिवार वालों से नहीं करते।
7. लिव-इन में रहना: आजकल बच्चे लिव-इन में रहकर एक-दूसरे को परखना चाहते हैं कि वह एक दूसरे के साथ पूरी जिंदगी रह सकते हैं या नहीं।

मेरी 25 से 30 वर्ष के युवाओं से इस विषय पर चर्चा हुई और सभी के विचार इस प्रकार हैं —

1. बिजनेसमैन केशव का कहना है कि मेरी इनकम 25 से 40 के बीच है, इतने में मेरा व मेरे परिवार का काम चल जाता है। लेकिन लाइफ पार्टनर को अच्छी लाइफ देने के लिए समय चाहिए।
2. एक सी.ए. युवा का कहना है कि अभी हमें जीवन में किसी पार्टनर की कमी महसूस नहीं हो रही है, सिंगल रहकर लाइफ ठीक चल रही है। शादी के बाद तलाक जैसी समस्याएँ ना हो इसलिए भी हमें थोड़ा डर है।
3. डॉ. शिखर का कहना है, अभी प्राइवेट सेक्टर में जॉब कर रहे हैं और जॉब को लेकर कम सिक्योर हैं। हम अपने कैरियर के शिखर तक पहुँचना चाहते हैं।
4. एम.बी.ए. कर चुके पीयूष का कहना है कि लोग कहते हैं, शादी कर लो फिर लड़की नहीं मिलेगी। जबकि मेरा मानना है कि अगर हम सक्सेसफुल हैं, तो किसी भी उम्र में शादी हो जाएगी।
5. इंजीनियर खुशी का कहना है, हम शादी के बाद की लाइफ के लिए मानसिक तौर से अपने आपको तैयार करना चाहते हैं। फिर भी मेरा मानना है कि शादी की सही उम्र 25 से 30 वर्ष है।
एक शोध के अनुसार लेखक टॉम ग्रिफिथ और ब्रायन क्रिश्चयन ने अपनी पुस्तक “एल्गोरिदम टू लिव बाय” में शादी की सही उम्र 26 से 28 साल बताई है।

निवारण:-

1. एक मंच पर ऐसे लड़के व लड़कियों को लाएँ, जो बढ़ती उम्र में हैं और उन्हें समझाएँ व रिश्ता तय करवाएँ।
2. हमें लड़कियों को समझाना होगा कि प्रेग्नेंसी के लिए सबसे अच्छी उम्र 20 से 28 साल ही है।
3. डिप्टी कलेक्टर दीपा श्रीवास्तव का कहना है कि कैरियर बनाने की कोई उम्र नहीं होती। 22 साल

- की उम्र में शादी होने के बाद उन्होंने आई.ए.एस. पास किया है।
4. शादी सही उम्र में होगी, तो तलाक कम होंगे और उनका रिश्ता शर्तों पर नहीं, बल्कि एडजेस्टमेंट पर चलेगा।
 5. युवाओं को अपने विचार बदलने होंगे और सही उम्र में शादी रूपी लड़ू का मजा चखना होगा।

— प्रेषक: श्रीमती आशा भार्गव

☆☆☆☆

हमारे युवकों में बढ़ती, अधिक उम्र में विवाह करने की प्रवृत्ति

लेखक परिचय: कु. चित्रा भार्गव, पुत्री स्व. श्री प्रेम सुन्दर भार्गव एवं स्व. श्रीमती शांता भार्गव एक Pharmaceutical Firm में जनरल मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं तथा लखनऊ भार्गव सभा की सचिव हैं। उन्हें लोगों की मदद करना, समाज सेवा करना और उत्तम लेख व साहित्य पढ़ना अच्छा लगता है। समाज के लिए बहुत कुछ करना चाहती हैं। पता: श्री साईधाम अपार्टमेंट, फ्लैट न.-402, निशातगंज, लखनऊ-226006, मो.: 9335916400, 9415007853 <chitrabhargav@yahoo.com>



— सह-सम्पादक

1. अपना कैरियर बनाना और अधिक कमाने की होड़। आजकल युवक सोचते हैं, पहले कैरियर बना लें, अच्छा बैंक बैलेंस तैयार कर लें, फिर शादी करेंगे। क्योंकि शादी के बाद देर सारी जिम्मेदारियाँ बढ़ेंगी।
2. शादी के मामले में कोई समझौता करने को तैयार नहीं। लड़कियों को अपने से ज्यादा कमाने वाला लड़का, लड़कों को भी बराबर का कमाने वाली कामकाजी लड़की ही चाहिए होती है। लड़कियों को जिस लड़के के माता-पिता या अन्य परिवार के सदस्य साथ न रहते हों, लड़का देखने में भी सुन्दर हो, सब कुछ चाहिए, कुछ ज्यादा ही उम्मीदें मन में पाली होती हैं। इन सबके चलते माता-पिता द्वारा लाया गया रिश्ता उनको समझ में नहीं आता। उसमें कई कमियाँ नजर आती हैं और मन में यह भावना हम तो इतना कमा रहे हैं। किसी पर बोझ थोड़ी हैं, आराम से शादी कर लेंगे, जल्दी क्या है।

कहते हैं बेटी ही बहु होती है, परन्तु वही बेटी अपने सास-ससुर के साथ नहीं रहना चाहती। परन्तु उनकी भाभी जब उनके माता-पिता के साथ ना रहने की बात करें तो गलत लगती है। लड़कियों को अपनी सोच को विस्तृत करना चाहिए।

इस समस्या के निवारण हेतु माता-पिता को कुछ ठोस कदम उठाने चाहिए। प्रारम्भ से ही बच्चों में कुछ संस्कार डालने चाहिए। जैसे साथ रहने की प्रवृत्ति, परिवार का महत्व, जीवन में माता-पिता की उपयोगिता, जिंदगी में समझौता करना इत्यादि, सिखाना चाहिए। क्योंकि कुछ कमियाँ सभी में होती हैं। जैसी नींव होती है, वैसा ही आगे विचार पनपते हैं। शादी के लिए चाहे लड़का हो या लड़की 30 वर्ष तक अवश्य हो जानी चाहिए। आजकल औसत आयु भी कम होती है। अतः इस विषय पर युवकों को सोचना चाहिए, अगर शादी देर से करेंगे नतीजन बच्चे देर से होंगे, तो वह बच्चों की जिम्मेदारियाँ कैसे निभा पायेंगे। आजकल सभी लड़के-लड़कियाँ उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं और ऊँचे पदों पर कार्य कर रहे हैं। अतः जो कुछ: वर्तमान समय में अधिक उम्र में शादी करने की वजह से परिणाम सामने आ रहे हैं। उससे युवकों को सबक लेना चाहिए और अपना mind set करना चाहिए कि काम धंधा, नौकरी व्यवसाय इत्यादि शुरू करने के बाद शादी भी समय से कर लेना जरूरी है।

जिस प्रकार से युवक अपना कैरियर बनाने की योजना पहले से बना लेते हैं। उस पर अमल करते हैं, उसी प्रकार अपने जीवनसाथी का चुनाव और शादी के बारे में भी नियोजित होना आवश्यक है। अतः भार्गव पत्रिका] [जुलाई, 2023

अभिभावक अपने युवा बच्चों को अपने पास बैठाकर उनको अधिक उम्र में विवाह करने पर होने वाली परेशानियों से अवगत करायें। उनका mind wash करें, उनको समय से विवाह कर लेने के फायदे बताएं और उनकी क्या सोच है। अपने जीवन साथी के चुनाव को लेकर उसको भी अभिभावकों को जानना चाहिए और कोशिश करें कि उनकी पसंद को ध्यान में रखते हुए उनके लिए जीवन साथी का चुनाव करें और एक-दो छोटी कमी की वजह से रिश्ते को नामंजूर ना करें।

समझौता जिंदगी में, परिवार में, जीवनसाथी के चुनाव में, पत्नी के साथ, बच्चों के साथ और हर रिश्ते में जो समय के साथ करके आगे बढ़ता है, वही सफल होता है।

— कु. चित्रा भार्गव (लखनऊ)

☆☆☆☆

विवाह संस्कार में अधिक उम्र क्यों?

लेखक परिचय: श्रीमती निशा भार्गव, ध.प. श्री पुनीत भार्गव, शिक्षा बी.एस.सी., एम.ए. (अर्थशास्त्र) समाज के कार्यक्रमों में सक्रिय रहती हैं। भार्गव महिला सभा कानपुर की सचिव रह चुकी हैं। लेखन आपका शौक है, अच्छा लिखती हैं।

पता: 8/79, आर्य नगर, कानपुर, मो.: 9919462482

— सह-सम्पादक

हमारे युवाओं में अधिक उम्र में विवाह करने की प्रवृत्ति की विकट समस्या है कि हर तीसरे घर में देखने को मिल रही है। इसके कुछ कारण और उनके निवारण:-

1. शिक्षा और कैरियर पर फोकस: उच्च शिक्षा प्राप्त करना या कैरियर बनाना आजकल विवाह में देरी का प्रमुख कारण है।

निवारण: व्यक्तिगत जीवन के साथ शिक्षा और कैरियर के लक्ष्यों को संतुलित करना। इन आकांक्षाओं को समझने और साथ देने वाला जीवनसाथी की सक्रिय तलाश करनी चाहिए।



2. वित्तीय विचार: विवाह का निर्णय लेने में वित्तीय स्थिरता अक्सर एक महत्वपूर्ण कारक होती है और आर्थिक बाधाएँ शादी में देरी कर सकती हैं।

निवारण: युवाओं को रोजगार योग्य कौशल प्राप्त करके, धन की बचत करके, जीवनसाथी से वित्तीय आकांक्षाओं के बारे में खुलकर बातचीत करनी चाहिए।

3. शहरी जीवनशैली और स्वतंत्रता: शहरी जीवन शैली अक्सर व्यक्तिगत विकास के लिए अधिक स्वतंत्रता प्रदान करती है, जो व्यक्तियों को विवाह में देरी करने के लिए प्रेरित कर रही है।

निवारण: समान विचारधारा वाले जीवनसाथी की तलाश करना। इसके लिये वैवाहिक सम्मेलन, मैच मेकिंग सेवाओं के माध्यम से, नेटवर्किंग से भी मदद मिल सकती है।

5. अपने मन पसंद जीवनसाथी ना मिलना: जीवनसाथी खोजने में खासकर जब विशिष्ट प्राथमिकता या अपेक्षाएँ हों तो भी विवाह में देरी का कारण होता है।

निवारण: परिवार के सदस्यों के साथ खुलकर बातचीत करना, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए इस समस्या का निवारण हो सकता है।

6. शारीरिक अपंगता या पारिवारिक जिम्मेदारी: कभी-कभी किसी में शारीरिक अपंगता होती है। उसके अनुरूप कोई जीवनसाथी मिलने में देरी होती है। इसके अलावा कभी किसी की पारिवारिक परिस्थिति सही ना होने की वजह से भी उसको शादी करने में देरी हो जाती है।

निवारण: शिश्तेदारों से बातचीत करके, इस समस्या का निवारण हो सकता है।

7. पारिवारिक दबाव खासकर अरेंज मैरिज में: कभी-कभी पारिवारिक दबाव के कारण अपनी पसंद से शादी ना करने देना, अरेंज मैरिज के लिए दबाव बनाना, यह भी एक शादी में देरी का कारण हो सकता है।

निवारण: परिवार के सदस्यों के साथ बैठकर, खुलकर बातचीत करना और परिवार वालों को समझ कर सहयोग देने से, शायद देरी से शादी की समस्या को रोका जा सकता है।

उपयुक्त कुछ समस्याओं से अगर युवाओं में, विवाह में देरी देखने को मिलती है। तो उनका निवारण कर जल्द से जल्द शादी के लिए हमें प्रेरित करना चाहिए।

— श्रीमती निशा भार्गव (कानपुर)

☆☆☆☆

अधिक उम्र में विवाह बन्धन को रोकना होगा

लेखक परिचय: श्रीमती वीना भार्गव, ध.प. श्री विनोद भार्गव, शिक्षा M.A., B.Ed., सेवानिवृत्त अध्यापक, सचिव-भार्गव महिला सभा अलवर, भार्गव पत्रिका के लिए आप लिखती रहती हैं।

पता: 331, गाँधी नगर, अलवर-301001, मो.: 9460136999

— सह-सम्पादक

केरल हाईकोर्ट की टिप्पणीनुसार “यूज एण्ड श्रो कल्चर” ने हमारे युवाओं को बर्बाद कर दिया है। शादी एक सजा है। ‘येर ऑनर युवा शादी से मुक्त होना चाहते हैं।’ विवाह की बढ़ती उम्र के निम्न कारण हैं —

- 1) युवा यौवन की चांदनियाँ गवाँ बैठे हैं। अवसाद, तनाव, निराशा, प्रेम रोग के शिकार को गए हैं। परिपक्वता हेतु 30-40 वर्ष समय की माँग हो गई है। कैरियर निर्माण हेतु, रोजगार की तलाश में प्रतियोगिताओं में भाग लेते हुए विवाह की उम्र बढ़ती जाती है।
- 2) रोजगार प्राप्ति पर 45 प्रतिशत युवाओं का प्रतिवर्ष स्थानांतरण हो जाने पर या विदेशों में चले जाने के कारण सेट नहीं हो पाते।
- 3) युवा महत्वाकांक्षी हो गए हैं। उच्च पद, वेतन, सुख सुविधाओं हेतु इच्छाएँ सुरक्षा की तरह बढ़ने लगी हैं। युवा स्वतंत्र रहने के इच्छुक हैं। घर-गृहस्थी, परिवार का उत्तरदायित्व नहीं लेना चाहते। एकांकी जीवन पसंद है।
- 4) विवाह की अपेक्षा ‘लिव-इन-रिलेशनशिप’ दोस्तों के साथ, पॉर्न साइट देखकर, समलैंगिक संबंध बनाने लगते हैं। परिणाम स्वरूप उम्र बढ़ती जाती है।
- 5) युवाओं को सात जन्म का विवाह बन्धन स्वीकार्य नहीं है, जीवनसाथी को परखते हुए कतराते हैं। अपने परिवेश में रिश्तों को टूटते, तलाक, अलगाव को देखकर, धोखे-माया जाल में फँसना नहीं चाहते।
- 6) विवाहोपरांत दोनों के कामकाजी होने पर, बच्चों की परवरिश व गृहस्थी संचालन कैसे करेंगे। दुविधा के चक्कर में उम्र बढ़ जाती है। संयुक्त परिवारों का स्थान एकल परिवारों ने ले लिया है।
- 7) शादी का बढ़ता खर्च, युवाओं की गिरती संख्या, कम उम्र में पुर्ण शिक्षा का लक्ष्य प्राप्त न होना, बढ़ती उम्र में बेटों को प्राथमिकता देना, रूढ़िवादी परिवार भी कारण हैं। युवा कोर्ट मैरिज कर लेते हैं।
- 8) यदि लड़की, लड़के की अपेक्षा अधिक पैकेज लेती है तो मान्य नहीं। शिक्षित सुशील, मेट्रोसिटीज कन्या चाहिये या सादा जीवन, ग्रामीण परिवेश की सुसंस्कृत-सभ्य होनी चाहिए। इसी कारण उम्र बढ़ जाती है।



निराकरणः

- 1) युवाओं को महत्वाकांक्षी न होकर विवाह के प्रति उदरवादी सोच ग्रहण करनी होगी।
- 2) विवाह दो आत्माओं का मिलन है। यह समझौता नहीं, कि चाहे जब बना लिया या विच्छेद कर लिया। हमें भारतीय सनातन संस्कृति को समझकर सकारात्मकता की ओर बढ़ाना होगा।
- 3) क्षणिक सुखमात्र हेतु अनुचित संबंध बनाना अवैद्य है। युगांडा देश में ऐसे युवाओं को उम्र कैद की सजा, सराहनीय कदम से हमारे युवाओं को प्रेरणा लेनी होगी।
- 4) विवाह हेतु कतराना, परिवार के प्रति उत्तरदायित्वों को निर्वहन करना, आदर्शों के साथ जीना आत्मानुशासन है। माता-पिता भी आजीवन बच्चों की परवरिश में अपना जीवन लगा देते हैं, युवाओं को समझना होगा।
- 5) दोनों पक्षों की छवि पारदर्शक, स्पष्ट होनी चाहिये। कोई भी तथ्य छिपाना नहीं चाहिये।
- 6) युवाओं के कामकाजी होने पर बच्चों के परवरिश, गृह संचालन में सहयोग हेतु संयुक्त परिवार को प्राथमिकता देनी होगी।
- 7) अधिक उम्र में विवाह करने की प्रकृति वैज्ञानिक व आध्यात्मिक दृष्टि से भी अनुचित है। अतः युवाओं को समझना होगा, विवाह की उम्र नहीं बढ़नी चाहिये।

— श्रीमती वीना भार्गव (अलवर)

☆☆☆☆

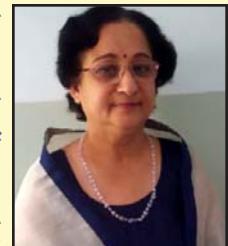
हमारे युवाओं में बढ़ती अधिक उम्र में विवाह करने की प्रवृत्ति

लेखक परिचयः श्रीमती रमा भार्गव, ध.प. डॉ. राजीव भार्गव। Contact Lence & Hearing Aid Consultant Nath Optician, Kanpur. पता: 17/3 बिहारी लाल स्टेट, मॉल रोड, कानपुर, मो.: 9450935151, <ramarajeev82@gmail.com>

— सह-सम्पादक

कारणः

1. संयुक्त परिवार समाप्ति की कगार पर होने से एकल परिवार में एक या दो बच्चे होने पर उन्हें लाड प्यार से बाल उम्र से युवा होने तक सिखाया जाता है कि खूब पढ़ो, उच्च शिक्षा प्राप्त करो, अपने पैरों पर खड़े होना, जीवन का मकसद है या कह लीजिए खूब पैसा कमाना ही जीवन का उद्देश्य रह जाता है। उसको पाने की होड़ में लड़का हो या लड़की अपने जीवन के अन्य महत्वपूर्ण पहलू भूल जाते हैं।
2. जब युवा उच्च शिक्षा और बड़ी आय वाली नौकरी या व्यवसाय चुनता है, तो और ज्यादा की चाह या कह लीजिए अपेक्षाएँ और बढ़ जाती हैं। इस सब में उम्र कब 30 के पास पहुँच जाती है, पता ही नहीं चलता।
3. अब विवाह के लिए उनकी अपेक्षाएँ साथी के चयन के समय और बढ़ जाती है। वह उसमें वही सब खूबी देखना चाहते हैं।
4. इतनी मेहनत के बाद जब बढ़िया नौकरी या व्यवसाय मिलता है, तो लगता है अब थोड़ा समय दोस्तों के साथ ऐश कर लें, विवाह करने पर बंधन में बंध जाएँगे।
5. उच्च शिक्षा व नौकरी के लिए युवा पीढ़ी अपने परिवार से, समाज से, अपने शहर से दूर चली जाती है। तो वे परिवार, समाज के प्यार से दूर हो जाते हैं। उन्हें इनकी अहमियत भी नहीं रह जाती है। उन्हें सब बनावटी लगने लगता है। वह अपने दोस्तों की दुनिया में खो जाते हैं। जहाँ किसी भी तरह का



बंधन नहीं होता है। हम सब देख ही रहे हैं कि आज हमारे भार्गव सभा की मीटिंग में बच्चों व युवा पीढ़ी की कितनी भागीदारी होती है।

निवारण:

1. बच्चों को परिवार व समाज की अहमियत बतानी होगी। धन-दौलत से अधिक मानवीय संबंधों और सामाजिक मेल-मिलाप को आवश्यक बताना होगा।
2. अपने बुजुर्गों व वंशावली की जानकारी व अनुभव बताने व गर्व करने के कारण बताने होंगे।
3. जीवनसाथी के चयन में मानवीय गुणों को वरीयता देनी होगी।
4. पैसा व उच्च पद को प्राप्त करने से, ज्यादा प्यार व संस्कारों से खुशी मिलती है, बताना व समझाना होगा।
5. अपनी जाति व धर्म के बारे में जानकारी दें, जिससे वे अपने संस्कारों को जानें व जीवनसाथी, परिवार, की गरिमा को जानें।

— श्रीमती रमा भार्गव, नाथ परिवार, कानपुर



हमारे युवाओं में बढ़ती अधिक उम्र में विवाह करने की प्रवृत्ति

लेखक परिचय: श्रीमती मंजु भार्गव, ध.प. श्री रमेश भार्गव, शिक्षा M.A., B.Ed., सेवानिवृत्त वरिष्ठ अध्यापक। पता: 553, लाजपत नगर, अलवर-301001, मो.: 9001549987 — सह-सम्पादक

बढ़ती उम्र में विवाह करने के प्रमुख कारण इस प्रकार हैं —

1. युवाओं में विवाह जैसे पवित्र बंधन में बंधने का मोह भंग होता जा रहा है, इसका प्रमुख कारण लिव-इन रिलेशनशिप भी है। आज के युवा स्वतंत्र जीवन जीना चाहते हैं, वह किसी बंधन में बंधना नहीं चाहते।
2. संस्कारों का अभाव: आजकल अभिभावक अपने बच्चों को समझने में असमर्थ हैं, जिसके कारण उनको मनमानी करने का अवसर मिल जाता है, वह उनकी खुशी में ही अपनी खुशी समझ लेते हैं।
3. स्वश्रेष्ठता का भाव भी विवाह बंधन में बाधक बन रहा है। चाहे वह लड़का हो या लड़की दोनों अपने को ही श्रेष्ठ मानते हैं तथा आज का युवा अपने बराबर का एजुकेटेड जीवनसाथी चाहता है। उसकी तलाश में उम्र बढ़ती चली जाती है।
4. आत्म निर्भरता भी आज विवाह में देरी का कारण बन रही है, आज लड़के ही नहीं, अपितु लड़कियाँ भी आत्म निर्भर बनने से पहले विवाह करने को तैयार नहीं हैं। आज की लड़कियाँ पुरुष पर निर्भर रहकर मोहताज नहीं रहना चाहती। आत्म निर्भरता के फेर में उनकी उम्र बढ़ती चली जा रही है।
5. सरकारी नौकरी की चाह भी बढ़ती उम्र का कारण बनती जा रही है तथा उच्च शिक्षा तकनीक के कारण भी विवाह में विलम्ब हो रहा है। आज युवा वर्ग सर्वोत्तम उच्च शिक्षा ग्रहण करना चाहता है।
6. कभी-कभी पारिवारिक समस्याएँ भी विवाह में रोड़ा बन जाती हैं, जैसे भाई-बहनों का उत्तरदायित्व आदि।
7. आज के युवाओं में आधुनिक युग का क्रेज इतना बढ़ गया है कि वह अपने जीवनसाथी की कल्पना हीरो-हिरोइन की तरह करने लगे हैं, उनका यथार्थ में होना संभव नहीं है। जिसके कारण उम्र बढ़ती चली जाती है।



निवारण:

1. लिव-इन-रिलेशनशिप का बढ़ना, प्रचलन विवाह जैसी पवित्र पद्धति के लिए घातक है। आज हर समाज को इस प्रथा का पुरजोर विरोध करना चाहिए। अपनी संतान को आजादी दे पर इतनी भी नहीं कि वह परिवार और समाज के लिए घातक बन जाए।
2. स्वश्रेष्ठता का भाव किसी भी प्रतिस्पर्धा में तो रचनात्मक सिद्ध हो सकता है, लेकिन विवाह जैसे पवित्र बंधन में नहीं। इस बंधन की पवित्रता अहं नहीं, अपितु आपसी सामंजस्य है, अहं तो सभी गुणों को जला देता है। अतः आपसी सामंजस्य की भावना युवाओं में उत्पन्न की जाए।
3. आत्म निर्भर होना आज के युग की माँग है, लेकिन आत्म निर्भरता के कारण विवाह में देरी करना कोई कारण नहीं है। आज हमारे देश में हजारों ऐसे रोजगार हैं, जिन्हें युवा अपनी सामर्थ्य और कौशल से कर सकता है। अपनी नाकामी और आलस्य को आत्म निर्भरता के परदे में ढकने का प्रयास व्यर्थ है।
4. समान स्तर के जीवनसाथी की चाह भी एक स्तर पर उचित है, लेकिन कितने ऐसे भी उदाहरण मिल जाएँगे, जिसमें लड़का या लड़की विवाह के बाद उस उपलब्धि को प्राप्त कर लेते हैं। इसमें केवल लगन व धर्य की आवश्यकता है।
5. भौतिक सुख साधन आज हर व्यक्ति चाहता है। परंतु इसके संग्रह में विवाह टालना उचित नहीं, जब तक वह अपने से ऊपर वाले को देखेगा, उसकी भौतिक संसाधनों की भूख बढ़ती चली जाएगी। इस संबंध में थोड़ा अध्यात्म का भी विचार करना चाहिए - मुट्ठी बांधे आया जगत में, हाथ पसारे जाएगा।
6. अभिभावकों को युवाओं को अवगत कराना चाहिए कि बढ़ती उम्र में विवाह करने से सन्तानोत्पत्ति में भी बाधा आती है।
7. व्यक्ति के उत्तरदायित्व ताउम्र खत्म नहीं होते हैं, बल्कि विवाह के बाद भी दोनों मिलकर समझदारी से अपने कर्तव्यों का बोझ हल्का कर सकते हैं।
8. युवाओं को भौतिक सुख व बाहरी चमक-दमक से बाहर आकर यथार्थ में सोचने की आवश्यकता है, सुन्दरता क्षण भंगर है, जीवन साथी के गुण और स्वभाव को देखना चाहिए।
9. समाज के अनुभवी व वरिष्ठजनों के द्वारा समय-समय पर शिविर लगाए जाने चाहिए तथा विलम्ब से शादी करने के कारण व उनका निराकरण समझना चाहिए तथा माता-पिता को चाहिए कि वह अपने बच्चों में अच्छे तथा आदर्श संस्कारों का बीजारोपण करें।
अंत में निष्कर्ष रूप में कह सकते हैं कि बड़ी उम्र में विवाह करने की प्रवृत्ति ना तो लड़कों के लिये उचित है और ना ही लड़की के लिए।

— श्रीमती मंजु भार्गव (अलवर)

☆☆☆☆

हमारे युवाओं में बढ़ती, अधिक उम्र में विवाह करने की प्रवृत्ति

— मथुरा प्रसाद भार्गव, 4/182, जवाहर नगर, जयपुर, मो.: 9414445571

हमारे महर्षि पूर्वजों ने मानव प्रकृति की आवश्यकता के अनुसार 25 वर्ष की आयु को गृहस्थ आश्रम में प्रवेश के लिये उचित समझा था। इसके विपरीत वर्तमान में देखा जाता है कि युवक-युवतियाँ 28-30 वर्ष तक शादी के लिए तैयार ही नहीं होते हैं। इस प्रवृत्ति के निम्न कारण समझ में आते हैं —

1) युवा-युवतियाँ अच्छी उच्च शिक्षा प्राप्त कर लेते हैं और उस स्तर की नौकरी ना मिलने से बार-बार नौकरी बदलते रहते हैं, जिसमें समय निकलता जाता है। मनचाही नौकरी के प्रयास समाप्त होने पर ही वो

विवाह के लिए तैयार होते हैं। इस मामले में अभिभावकों को बच्चों को समझाने की आवश्यकता है कि भाग्य में लिखें से कम या ज्यादा कभी नहीं मिलता और शादी के बाद तो दो भाग्य काम करते हैं।

2) कुछ अभिभावक यह सोचते हैं कि हमारे बच्चे तो इन्हें योग्य और पैसा कमाने वाले हैं कि जिसे जरूरत होगी, अपने आप हमारे पास आ जाएगा—हमें समाज से बातचीत करने की क्या आवश्यकता है। ऐसे लोगों से समाज भी बात नहीं करता और काफी उम्र तक बच्चे अविवाहित ही रह जाते हैं। ऐसे लोगों को मानसिकता बदलनी चाहिए और लड़का हो या लड़की योग्य वर-वधू पाने के लिए समाज में लोगों से संपर्क करना चाहिए।

3) कुछ प्रेम-विवाह के मामलों में प्रेम-प्रसंग की बात काफी देर से पता लगती है और यदि अंतरजातीय मामला हो तो बच्चों को समझाने बुझाने में काफी समय निकल जाता है और बच्चों की उम्र बढ़ती जाती है। ऐसे मामलों में वर-वधू के माता-पिता आपस में बात कर समय पर ही शादी कर दें तो उचित होगा।

विज्ञान में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद युवा-युवतियों को अक्सर नौकरी के लिए दक्षिण भारत के बड़े शहरों में जाकर अकेले रहना पड़ता है। वहाँ लड़के-लड़कियाँ आपस में मिलते रहते हैं और आपस में घनिष्ठ हो जाने पर विदेशों की तर्ज पर 'लिव-इन-रिलेशन' में भी रहने लगते हैं और तब शादी के लिए घरवालों को बताते हैं तब तक आयु 29-30 पहुँच जाती है। ऐसे मामलों में जाति या धर्म का कोई ख्याल नहीं रखा जाता और माता-पिता का कोई अंकुश नहीं रहता। बार-बार कहने पर भी बच्चे शादी के लिये तैयार नहीं होते और जब वो आपस में पूर्ण रूप से संतुष्ट हो जाते हैं। तब अभिभावकों को शादी के लिये कहते हैं, जिससे उन्हें मानना पड़ता है। अब वो समय चला गया जब अभिभावक योग्य व अच्छे खानदान के वर-वधू देखकर शादी तय कर देते थे और बच्चों को मानना पड़ता था।

☆☆☆☆

हमारे युवाओं में बढ़ती, अधिक उम्र में विवाह करने की प्रवृत्ति

लेखक परिचय: सुमन (सुधा) भार्गव, बी-7, सेठी कॉलोनी, जयपुर (मो.: 9413418481)।
सेवानिवृत्त 'प्रभारी' विद्या भारती राजस्थान जयपुर द्वारा संचालित विद्यालय। — सह-सम्पादक

किसी ने मुझमे पुछा कि कुछ लोग आपको पसंद क्यों नहीं करते मैंने भी हँसकर जवाब दिया मैं इंसान हूँ, पैसा नहीं जो सबको पसंद आ जाऊँ।

वैदिक रीति के अनुसार हमारे देश में 16 संस्कारों में शादी को काफी महत्व दिया जाता है। किसी भी संस्कृति में शादी परिवार अवस्था की नींव मानी जाती है। भारत में शादी को पवित्र बंधन मानते हैं, जो सात जन्मों का होता है। हमारे यहाँ ज्यादातर विवाह वैदिक रीति से होते हैं। इस रीति का उल्लेख ऋग्वेद के विवाह सुकृत से मिलता है। हमारा समाज आज बच्चों के विवाह को लेकर इतना सजग हो गया है कि आपस में रिश्ते ही नहीं हो पा रहे हैं। उम्र गुजरते देर नहीं लगती इसलिए जो प्राप्त हो सकता है, उसी में संतोष करने की प्रवृत्ति पैदा करो। यही एक अच्छा निवारण है।

आज 30-35-40 उम्र तक की समाज में बहुत सी कुँवारी लड़कियाँ व लड़के घर बैठे हैं और कई तलाकशुदा लड़कियाँ 50 की उम्र में भी घर बैठी हैं, क्योंकि इनके सपने हैसियत से भी बहुत ज्यादा हैं। इस प्रकार के कई उदाहरण हैं। ऐसे लोगों के कारण समाज की छवि बहुत खराब हो रही है। सबसे बड़ा मानव सुख, सुखी वैवाहिक जीवन होता है। पैसा भी आवश्यक है, लेकिन कुछ हद तक। पैसे की वजह से अच्छे रिश्ते ठुकराना गलत है।



ज्यादा धन के चक्कर में अच्छे रिश्ते को नजर अंदाज करना गलत है। संपत्ति खरीदी जा सकती है, लेकिन गुण नहीं, पहली प्रथमिकता सुखी संसार एवं अच्छा घर परिवार होना चाहिए, यह भी एक अच्छा निवारण है। मेरा मानना है कि घर परिवार और लड़का अच्छा देखें, बिल्कुल गरीब भी ना देखें। लेकिन ज्यादा के चक्कर में रिश्ते हाथ से नहीं जाने दें। सुखी वैवाहिक जीवन जीये। 40 की उम्र के बाद विवाह नहीं होता है, समझौता होता है। यदि मेडिकल स्थिति से भी देखा जाये, गर्भधान होने की उम्मीद भी कम हो जाती है। अगर होती भी है, तो उसमें बहुत सी समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। आजकल समाज में लोग बेटी के रिश्ते के लिये (लड़के में) चौबीस टंच का सोना खरीदने जाते हैं। देखते-देखते चार-पाँच साल व्यतीत हो जाते हैं। उच्च शिक्षा के नाम पर भी समय व्यतीत कर देते हैं। लड़के देखने का अंदाज भी समय व्यतीत का अनोखा उदाहरण हो गया है? खुद का मकान है कि नहीं? अगर है तो फर्नीचर कैसा है? कमरे कितने हैं? गाड़ी है की नहीं? रहन-सहन कैसा है? कितने भाई हैं? बंटवारे में लड़के के माँ-बाप किस बेटे के गले पढ़े हैं? बहन कितनी, उनकी शादी हुई की नहीं? माँ-बाप का स्वभाव कैसा है? रिश्ते नाते आधुनिक समय के हैं कि नहीं? बच्चे का कद क्या है? रंग रूप कैसा है? शिक्षा कर्माई व बैंक बैलेंस। सब बातों पर पूछ पूरी होने के बाद कुछ प्रश्न पूँछने में और समय व्यतीत हो जाता है।

— सुमन (सुधा) भार्गव (जयपुर)



हमारे युवाओं में बढ़ती, अधिक उम्र में विवाह करने की प्रवृत्ति

लेखक परिचय: श्रीमती कुलजीत भार्गव, ध.प. श्री सोमेश्वर भार्गव, शिक्षा M.A., P.G Diploma in Human Resource Management. आप अनेक साहित्यिक मंचों से जुड़ी हैं। समसामयिक विषयों पर लेखन कार्य करती हैं, आपको अनेकों सम्मानों से नवाजा जा चुका है।

पता: सी-1/162, विक्रान्त खांड, गोमती नगर, लखनऊ-226010, मो.: 7652031215
 <kuljitbhargava01@rediffmail.com>



विवाह में देरी के कारण:

1. मेल-मिलाप एवं परस्पर संवाद में कमी
2. उच्च कैरियर की अभिलाषा एवं प्राथमिकता
3. आर्थिक स्वतन्त्रता
4. अत्यधिक महत्वाकांक्षी होना
5. विवाह उपरांत की जिम्मेदारियों से बचना
6. नौकरी करती लड़की की माँ
7. लड़कियों का गृहकार्य में रुचि ना लेना
8. स्वभावगत कमियाँ
9. संयुक्त परिवार से अलग रहने की प्रवृत्ति
10. सोशल मीडिया का प्रभाव
11. विवाह से पूर्व सब सुविधा एकत्रित करने की इच्छा
12. समाज में विवाह परामर्श हेतु बड़े बुजुर्गों को अहमियत ना देना
13. विवाह टूटने का भय।

विवाह में देरी के निवारण हेतु उपायः

1. पहले सभी परिवार एक दूसरे से मिलते थे, लेकिन अब व्हाट्सएप एवं सोशल मीडिया के चलते, मेल-मिलाप और संवाद लगभग समाप्त ही हो गए हैं। अतः आपस का मेल-मिलाप भी अति आवश्यक है।
2. उच्च कैरियर बनाने की होड़ में युवाओं का अधिक समय पढ़ाई में ही निकल जाता है। विवाह के बाद भी पढ़ाई करना संभव है, ऐसे कई उदाहरण हमें समाज में मिल सकते हैं।
3. दिखावा और चकाचौंध की दौड़ में हर युवा सब कुछ जल्दी ही पा लेना चाहता है, जिसकी वजह से वह विवाह को प्राथमिकता नहीं देता।
4. अपनी महत्वाकांक्षाओं को सीमित दायरे में रखना ही उचित होता है, दूसरे को कम समझना भी गलत है, इस तरह से अक्सर सही रिश्ते हाथ से निकल जाता है।
5. विवाह के बाद नए रिश्ते बनते हैं, उनमें सामंजस्य बिठाना आना चाहिए। विवाह का अर्थ ही होता है नवीन जिम्मेदारियों का निर्वाहन करना।
6. आजकल ज्यादातर वर पक्ष कामकाजी बहू लाना चाहते हैं, जिससे की आर्थिक स्थिति मजबूत रहे। सही भी है, समय की माँग है, परंतु उसके लिए वधु से तालमेल बनाना भी जरूरी है।
7. परिवारिक नियमों को ना अपनाने और अपने हिसाब से जीवन बिताने हेतु लड़कियाँ संयुक्त परिवार में नहीं रहना चाहती, परंतु संयुक्त परिवार हमेशा जीवन में धैर्य, संतोष और देर सारी खुशियाँ लाते हैं।
8. सोशल मीडिया का जरूरत से अधिक प्रयोग वैवाहिक मतभेद बढ़ाता है। अतः सोशल मीडिया जरूरत के अनुसार ही इस्तेमाल करें। जीवन की प्राथमिकताओं पर ध्यान देना भी आवश्यक है।
9. बेहतर और सुविधाजनक जीवनशैली विवाह उपरांत भी बनाई जा सकती है।
10. पुराने समय में बड़े बुजुर्ग ही रिश्ते तय करते थे और वो सहर्ष स्वीकार्य भी होते थे, इस परंपरा पर पुनर्विचार की आवश्यकता है।

— श्रीमती कुलजीत भार्गव (लखनऊ)

☆☆☆☆

भार्गव विवाह रीति-संग्रह

विवाह आनन्द व उल्लास का पर्व है।

उसमें भाईचारे का भाव व सहजता होनी चाहिए।

अनावश्यक और खोखले दिखावे से बचना चाहिए।

जाति की उन्नति कीजिए

हम भार्गव समाज में पैदा हुए हैं। हमें अपनी जाति पर गर्व होना चाहिए। हम उच्च कुल के ब्रह्मण हैं, परशुराम, भृगु ऋषि की संतान हैं। आज हमारी जाति में कई कुरुतियाँ आ गई। आज से 50 साल पूर्व जब इतनी टेक्नोलॉजी बढ़ी नहीं थी, हमारे वंशज और जाति के प्रबुद्ध लोग अपनी जाति के लिए बहुत कुछ कर गये। पर आज हमारी नयी पीढ़ी अपनी जाति के वंशजों को भी नहीं जानती, गोत्र, कुलदेवी, भी नहीं जानती अब बच्चे केवल मोबाइल, टी.वी., लेपटॉप और टेबलेट से अपने मन को लगाते हैं। संयुक्त परिवार टूट रहे हैं। बच्चे सामाजिक रूप से भी दूर हो रहे हैं। हमारी जाति और अन्य जातियों की तरह प्रेम, प्यार, आदर एवं एक-दूसरे की सहायता इन सबसे भी दूर हो रही है। बच्चे अपने घर में, अपने बड़ों से संस्कार सीखते हैं, पर आज बच्चे अपने ही कामों में डिजिटल में लगे रहते हैं, और आस-पड़ोस समाज में क्या हो रहा है, अनजान हो रहे हैं। यदि जाति में कोई प्रगति करता है। अच्छे काम कर रहा है, बुद्धिजीवी किताबें लिख रहा है। हमें उसका आदर सम्मान करना चाहिए। पर हालत ये है कोई ने किताब लोकार्पण में बुलाया तो जाति के लोग उसके कार्यक्रम में नहीं जाते, अन्य जातियों में उस प्रबुद्ध जीवी का सम्मान करते हैं। विशेष उपलब्धि पर उस व्यक्ति को आदर दें। कश्मीर से कन्याकुमारी तक हमारी भार्गव जाति फैली है। अधिवेशन में चुनाव होते हैं। लाखों रुपये खर्च होते, यही रुपये बचत कर भार्गव सभा को दें और चुनाव निर्विरोध हो, तो समय, पैसे की बचत हो सकती है। पर यह दिखावा क्यों? चुनने के बाद कुछ सक्रिय कार्य भी करने चाहिए। हमारे जाति में कुछ कानून बनाये जाएँ, कुछ समिति बनें, जो काउंसलिंग करें। आज हमारी जाति में विवाह विच्छेद और बड़ी आयु के बच्चों के विवाह नहीं हो रहे हैं। अंतरजातीय विवाह बहुत हो रहे हैं। हमारे भार्गवों की कन्यायें इसी कारण बहुत बड़ी उम्र की हो जाती हैं। पहले तो वर पक्ष, वधू पक्ष दोनों ही नखरे करते हैं। माता-पिता अपने पुत्र के लिए झूठ भी बोलते हैं कि वह कमा रहा है। 2 शादियाँ ऐसी हुईं जिसमें शादी के बाद पता चला की लड़का कुछ नहीं करता। इसी तरह एक विवाह बीकानेर में हुआ वह 1 माह भी नहीं टिका, लड़की अपने मायके आ गई। मेरी संस्था रिश्ते ही रिश्ते चलाती है। प्रियंका गांधी नारी सेवा समिति संस्था है। यह प्रताड़ित महिलाओं के घर बसाती है। एक समिति ऐसी हो जो वर-वधू की काउंसलिंग करके घर बसाये, घर टूटने से बच्चों की परेशानी बढ़ जाती है। बच्चे माता के पास रहें या पिता के पास, कोर्ट कचहरी का खर्चा अलग होता है। बहुत से पुत्र यदि NRI हैं, वह झूठ बोल देते हैं कि इंजीनियर हैं, डॉ. हैं पर विदेश में झाड़ लगाता है या होटल में काम करता है। यह कैसी बिडम्बना है गरीब/अमीर का भेद भी बहुत हो रहा है। यदि उच्च पद पर कोई है तो उसे अपनी जाति के गरीब बेरोजगार को नौकरी दे। यहाँ पर एक मंत्री ने अपने पूरे समाज को नौकरी दी है, यदि कोई भार्गव का काम है, वह कंपनी बड़ी है तो अपने भार्गव जाति को वह अधिक से अधिक मौका दे। हमारी कुलदेवी के मंदिर में भी पैसा लगाना पड़े, तो लगाये। सामूहिक विवाह के बार-बार प्रस्ताव आते हैं, पर होते नहीं। अब हमें यह निर्णय ले लेना चाहिए। सामूहिक विवाह से एक तो समय बचता है, पैसा बचता है और यदि माता-पिता अमीर हैं तो एक बार में पार्टी को दें और सामूहिक विवाह जोड़ों से आर्य समाज या गायत्री परिवार से करवायें। इससे दो बातें होगी, सभी कन्याओं को अमीर, प्रबुद्ध, बड़े पद वाले मिलकर दहेज का सामान दें। ऐसे विवाह, जैसे अग्रवाल समाज में होता है। अनेक लोगों के समक्ष होता है, तो टूटता भी नहीं अन्य जातियों में बड़े-बड़े अमीर सामूहिक विवाह कर रहे हैं।

यदि अपने समाज को अन्य समाज की तरह उन्नति करनी है, तो हमें भाईचारा निभाना होगा। आपस में ईश्या ना करें, दूसरे की उन्नति को अपनी जाति का गौरव समझें। भार्गव समाज में निधियों से पुरस्कार देकर सम्मान करें। पुस्तक मेला भी लगाये, जहाँ भार्गवों द्वारा लिखी पुस्तकों की प्रदर्शनी लगें। हम अपने समाज से प्यार करें, आपस में भार्गव जाति में ही शादी करें। यदि कोई गलत संबंध हो, तो बता दें। बच्चों को अपनी जाति के बारे में शुरू से बताएँ, ताकि वह अपनी जाति पर भविष्य में गर्व करें।

आज समाज में विवाह विच्छेद जितने हो रहे हैं, एक केस में सगाई हो रही थी। लड़के ने कहा लड़की से कि तुम कमाती हो, लड़के के पिता ने कहा अपना एकाउंट Joint Account करो। लड़की ने सगाई तोड़ दी, क्योंकि वो लोग लड़की के पैसों से प्यार करते थे। बहुत जगह ऐसा होता है कि हमारे समाज में दहेज नहीं है फिर भी लोग अप्रत्यक्ष रूप से दहेज देखते हैं।

मेरा बस इस लेख द्वारा लोगों को यह महसूस कराना है कि समय पर बेटा-बेटी की शादी करें और अच्छी तरह दोनों पक्ष देखकर तसल्ली कर लें, लोगों से पता करें, लड़का-लड़की कैसी है। अमीर व्यक्ति अपनी ऊँचाईयों से जाति में दान करें और जाति में समय-समय पर मीटिंग कर, जिले में यदि कोई जाति भाई दुखी है, मदद करें। किसी की मृत्यु पर भी लोग नहीं आते, यह गलत है। सब काम छोड़कर उस व्यक्ति के घर जरूर जाएँ, जिसके परिजन चले गये, चाहे आप परिवार को नहीं भी जानते हो। अधिवेशन में केवल लोग संबंध तय करने जाते हैं, यह नहीं होना चाहिए। अधिवेशन पूरे भारत का get together, मेल-मिलाप है। मिलना, जुलना ही जाति का उत्थान है।

— डॉ. आशा भार्गव, I/25, शास्त्री नगर, बीकानेर

बीमा - कविता

हम क्यों करवायें बीमा?
आमदनी और आयु की है?
एक निश्चित सीमा?
परिवार के संवर्द्धन का
प्रत्येक पर है,
अलग-अलग जिम्मां।
बिना पैसे के आदमी।
समझा जाता है, निकम्मा।
होनी अनहोनी है कुछ भी हो सकता है।
कोई हादसा आँखे भिगो सकता है।
कुछ भी बचायेंगे तो मुसीबत में
आपके काम आयेंगे।
भविष्य सुरक्षित पायेंगे। आज आप स्वस्थ हैं।
जवान हैं बच्चों के भी कुछ अरमान हैं।
उनकी शिक्षा दिशा, मकान, शादी,

बढ़ती आबादी मोबाइल और वाहन सुख
इनसे कोई कैसे रह सकता है
पैसा कभी बचता नहीं बचाना पड़ता है।
जब कोई काम अड़ता है
तो पैसा ही काम आता है।
भगवान ना करे कभी आप पर
कोई मुसीबत आये।
आप किसी के आगे हाथ न फैलायें।
आप बीस साल आगे की योजना लगाना।
गाड़ी, लाड़ी सबका बीमा करवायें।
खुद को परिवार को सुरक्षित करवायें।
ईश्वर ने इस धरती पर,
सबको निश्चित समय से भेजा है,
उस समय का बीमा भी करवायें।

— डॉ. आशा भार्गव, I/25, शास्त्री नगर, बीकानेर

"IN THE EVER LASTING AND SWEET MEMORIES OF OUR PARENTS"



Late Pt. Prem Kishore ji - Smt. Chandrakanta Bhargava

(21.9.1930-16.04.1976) (16.07.1932-16.3.2011)

Messrs Brij kishore Bhargava

(Mine Owners & Minerals Suppliers)

Chemical Commercial Corporation

(Processors & suppliers of minerals & its Products)

Raja Bhargava Lime & Chemicals

(Mfg. of High Grade Quick lime & Hydrated lime)

Shree Bhargava Minerals & Chemicals

(Mfg .of Calcium Hydroxide, Wall Care Putty & Building Products)

(AN ISO 9001:2008 CERTIFIED COMPANY)

With Best Wishes & Compliments From -

Ku. Meera Bhargava – (Social Activist)

Mr. Brij Kishore & Mrs. Mamta Bhargava

Mr. Arvind & Dr. (Mrs.) Anupama Bhargava

Er. Anand & Mrs. Priya Bhargava

Dr. Jitendra & Mrs. Maya Bhargava

Priyank, Dr. Apoorva, Dr. Ananya, Devank, Surabhi & Shriyank

Website: www.bhargavaminerals.com, www.bhargavachemicals.com

Bhargava House, Bhargava Lane, Nai Basti, Katni (M.P) - 483501

Office : 07622-220645, 405645 Res : 07622-220122 • E-mail: bhargavaminerals@gmail.com

Mobile : +91-9425154366, +91-9425157452, +91-9424308775

We Make Your First Impression..



KUMAR LABELS

Noida | Goa | Indore

+91 99101 61978 | ideas@kumarlabels.com

नम्र निवेदन

विश्व योग दिवस के अवसर पर 'गुरु शिष्य संवाद' नामक लेख द्वारा अप्रैल, 2023 से जुलाई, 2023 माह की भार्गव पत्रिकाओं में भक्ति सागर ग्रन्थ में गुरु शुकदेव जी द्वारा शिष्य चरणदास जी को प्राणायाम एवं ध्यान के बारे में दिये गये उपदेश का सरल हिन्दी में अनुवाद प्रकाशित किया गया है। यह उपदेश वर्तमान में प्राणायाम करने वाले या सीखने की इच्छा रखने वालों के लिए काफी लाभकारी सिद्ध होगा। अतः वे इस लेख को सुरक्षित रख सकते हैं।

अनुवादक - मथुरा प्रसाद भार्गव, मो.: 9414445571

गुरु शिष्य संवाद

गतांक से आगे...

चरणदास जी-हे गुरुदेव! आपने धारणा अंग के बारे में बताया वो मैंने हृदय में रख लिया है। अब मुझे ध्यान अंग के बारे में बताइए।

शुकदेव जी-हे चरणदास, अब मैं तुम्हें ध्यान और समाधि अंगों के बारे में बताता हूँ। ध्यान चार प्रकार के होते हैं। पदस्थ, पिंडस्थ, रूपस्थ और रूपातीत। पदस्थ ध्यान में पहले चरणों का ध्यान कर फिर नख से शिखा तक प्रभु का स्मरण कर कुम्भक द्वारा साँस रोक कर चरणों में ही ध्यान लगावें। पिंडस्थ ध्यान में पूरे ब्रह्माण्ड को एक पिंड मान लें और ध्यान करें, इसमें कमल पर परमेश्वर विराजमान हैं और वो सारे ब्रह्माण्ड को त्यागकर तुम्हारे स्थान पर आ गये हैं। सतगुरु का ध्यान कर उनके ध्यान में लीन हो जाएँ, इसी को पिंड ध्यान कहते हैं।

रूपस्थ ध्यान में त्रिकुटी मध्य में दृष्टि को ठहराकर ध्यान करने से पहले अग्नि, फूल, दृष्टि के सामने आते हैं और फिर दीप ज्योति दिखाई देती है। धीरे-धीरे वो प्रकाश बढ़ता जाता है और सूर्य व चंद्रमा के प्रकाश के समान सारा ब्रह्माण्ड प्रकाश से भर जाता है। इसे ही रूपस्थ कहते हैं।

रूपापीत ध्यान में आकाश के समान शून्य में ध्यान लगाकर परमेश्वर का ध्यान करें-इस ध्यान में मन की स्थिति एक पक्षी की भाँति हो जाती है, जो उड़ता हुआ आकाश में कभी दिखता है और फिर गायब हो जाता है-इस ध्यान में पूर्णतय लीन हो जाने पर समाधि लग जाती है, जिसे योगनिद्रा भी कहते हैं।

अब योग का अंतिम व आठवाँ अंग समाधि के बारे में भी जान लो। जब ध्यान करता व ध्याता एक हो जाते हैं, तो समाधि की स्थिति आ जाती है। समाधि की स्थिति में पहुँचने पर मन शांत हो जाता है व कोई भाव, कर्म-धर्म व भ्रम नहीं रहता। चिंता व वासनाओं का नाश हो जाता है और मनुष्य ब्रह्मा स्वरूप हो जाता है। शीत, उष्ण, सुख-दुःख आदि से रहित होकर, उसे देह की कोई सुध नहीं रहती। उस स्थिति में आत्मा व परमात्मा का कोई भेद नहीं रहता। स्वामी और सेवक व गुरु और शिष्य का भाव समाप्त हो जाता है। सिंह, सर्प और किसी शस्त्र का कोई भय नहीं रहता। आग उसे जलाती नहीं और जल बहाता नहीं और काल भी उस स्थिति में मनुष्य के पास नहीं आता। यह स्थिति पाना बहुत कठिन है और भाग्य से ही कोटि-कोटि लोगों में कोई एक बिरला को ही प्राप्त होती है। सच्चे गुरु के सानिध्य में ही समाधि की स्थिति में पहुँचा जा सकता है, जिसकी तीन विधि हैं, जो मैं तुम्हें बताता हूँ —

- 1) **भक्ति समाधि:** सब इन्द्रियों को वश में करके हरि के चरणों का ध्यान करते-करते, ध्याता व ध्यान जब एकीकार हो जावे और शरीर की सुध ना रहे, तो वह स्थिति समाधि कहलाती है।
- 2) **योग समाधि:** आसन व प्राणायाम करके, जब साँस छहों चक्रों को छेद कर, ब्रह्माण्ड में आकर स्थिर हो जावे, तो योग समाधि लग जाती है।

3) ज्ञान समाधि: ज्ञान के द्वारा जब मनुष्य केवल आत्मा व परमात्मा को ही देखने लगता है और फिर स्वयं को विसार कर परमात्मा में ही लीन हो जाता है। उसे ज्ञान समाधि कहते हैं।
इस स्थिति तक पहुँचने के लिए सच्चे गुरु का साथ होना बहुत जरूरी है। मैंने तुम्हें योग समाधि तक पहुँचने की शिक्षा दी है। अतः उसी का अनुसरण करो।

चरणदास जी-हे गुरुदेव, मैंने आपके बताये अनुसार अष्टांग योग का सारा वर्णन अपने हृदय में रख लिया है। अब कृपा कर मुझे हठ योग के छहों कर्मों के बारे में बताइए।

शुकदेव जी-नेती, धोती, बस्ती, कुंजर, न्योली और त्राटक यह छहों कर्म हठयोग के हैं, जिनका वर्णन इस प्रकार है —

- 1) नेती कर्म:** महीन सूत की मोती डोरी करीब डेढ़ बालिशत की लंबी बनाकर उस पर मोम लगावें। उस डोर को एक नाक से डालकर दूसरे नासाछिद्र से निकाल कर दोनों हाथों से पकड़ कर दही की तरह बिलोवन करिये—इसे नेती कर्म कहते हैं। जिससे कान, नाक, आँख व दाँत के रोगों का नाश होता है।
- 2) धोती कर्म:** इसे करने के लिए महीन सूती वस्त्र की चार अंगुल चौड़ी सोलह हाथ की एक पट्टी लें, इसे जल में भिगोकर निचोड़ लें और मुँह से धीरे-धीरे निगल जाये व सिरा हाथ में रखें। साड़ी पट्टी कंठ तक पहुँचने के बाद उसके सर को पकड़ कर बाहर निकाल लें। इस कर्म से पित्त और कफ बाहर निकल जायेगा और इससे शरीर में कोई रोग उत्पन्न नहीं होगा।
- 3) बस्ती कर्म:** इसमें गुदा को अच्छी तरह धोकर बार-बार ढीली करें और खैंच कर संकुचन करते हुए। किसी टब में बैठकर गुदा से पानी अंदर खींचकर पेट तक भरें और बाद में बाहर निकाल दें। इस कर्म से लिंग व गुदा के कोई रोग नहीं होता है।
- 4) कुंजर अथवा गज कर्म:** इस कर्म में पेट भर कर पानी पीकर मुँह के द्वारा ही उलटी कर निकाल दीजिये। इस कर्म से पेट की सफाई हो जाती है और पेट का रोग नहीं होता।
- 5) न्योली कर्म:** पद्मासन लगा कर बैठें और दोनों हाथ घुटने पर रखें। नलों को पेट व पीठ के बीच में दाये-बाये बिलौने की तरह घुमावें। इस कर्म से पेट में कोई मैल नहीं रहता और अपान वायु को वश में करना सुगम हो जाता है तथा ताप, तिल्ली और गोले का दर्द कभी नहीं होता।
- 6) त्राटक कर्म:** इसमें आँखों से टकटकी लगाकर एक जगह ही देखते रहें और पलक नहीं झपके। इससे आँखों की रोशनी खराब नहीं होती।

इसके अलावा चार कर्म, कपाल-भाति, धौकनी, वाघी और शंखपाल और हैं, जो भी एक योगी के लिए हितकार हैं। खेचनी मुद्रा, भूचरी मुद्रा, चाचरी मुद्रा, अगोचरी मुद्रा तथा उनमनी मुद्राओं तथा महाबन्ध, मूल बन्ध, जलधर बन्ध और उड़यान बन्ध के बारे में दुबारा संक्षेप में बताकर गुरु शुकदेव जी ने पुनः योग के संयम व नियमों का बखान किया और कहा कि प्राणायाम के समान कोई तप नहीं है, इसलिए हे शिष्य, तुम सारी कामनाएँ त्याग कर योग तपस्या करो एवं उसके फल की कामना मत करो। तुम्हें अष्ट सिद्धि भी प्राप्त हो जाएगी, लेकिन उसका गर्व मत करना और न उससे किसी प्रकार की कामना करना, बल्कि अपना चित्त सदा हरि भक्ति व शुभकर्म में लगाये रखना।

चरणदास जी-प्रभु आपने योग से अष्ट सिद्धि प्राप्त होने की बात कही है, तो यह बताइए ये सिद्धियाँ क्या हैं।

शुकदेव जी-मैं तुम्हारे लिए आठों सिद्धियों के बारे बताता हूँ। पहली 'मणिमा' कहलाती है, जिससे मनुष्य अपने आपको जितना छोटा चाहे उतना बना सकता है। दूसरी 'महिमा' है, जिससे पहले के विपरीत जितना बड़ा चाहे बन सकता है। तीसरी 'लघमी' कहलाती है, जिससे मनुष्य पुष्प के समान हल्का हो सकता है। चौथी 'गरिमा' कहलाती है, जिससे मनुष्य जितना चाहे भारी हो जाता है। पाँचवी 'प्राप्ति' है, जिससे मनुष्य

जहाँ चाहे वहाँ चला जाता है। छठी सिद्धि 'पराकाम्प' है, जो इच्छानुसार शक्ति की दायक है। सातवीं 'इर्शिता' है, जिससे मनुष्य दूसरे लोगों से अपनी इच्छानुसार काम करवा सकता है। आठवीं सिद्धि 'वशीकरण' है, जिससे मनुष्य जिसको चाहे अपने वश में कर सकता है।

लेकिन हे शिष्य, तुम इन सिद्धियों को प्राप्त कर, उनका सामान्य परिस्थितियों में भोग मत करना। बल्कि भोग को त्याग कर गुरु के निर्देशानुसार योग ही करना और सदा परमेश्वर के ध्यान में लीन रहना, जिससे चिदानंद की प्राप्ति हो और जन्म-मरण की विपदा मिट जाए।

चरणदास जी-हे कृपानिधान, मेरे सब संशय दूर हो गए और आपके निर्देशों को सूझबूझ से मैंने अपने हृदय में धारण कर लिया है। हे गुरु शुकदेव, आपकी जय हो। आपके स्थान शुक्रतार की जय हो। जय जय कार करके चरणदास जी ने शुकदेव जी की इस प्रकार वंदना की —

गुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु, गुरु देवन के देवा।
सर्वे सिद्धिं फल देन गुरु तुम मुक्ति करवा॥
गुरु केवट तुम होय करो भवसागर पारी।
जीव ब्रह्म करि देत हरो तुम व्याधा सारी॥
श्री शुकदेव दयाल गुरु चरणदास के शीश पर॥
किरण करि अपनो कियो, सब ही विधि सो हाथ धर॥

— मथुरा प्रसाद भार्गव, 4/182, जवाहर नगर,
जयपुर, मो.: 9414445571

* * *

जीवन के विश्वसनीय सूत्र

सफर तो
मुश्किल होना ही है..
वजन उसूलों का
साथ जो है।
चिराग बन
खुद जलना होता है
वक्त के अंधेरे में..
माँगी हुई रोशनी से
कभी उजाले नहीं होते।
तन पर सौ-सौ बंदिशें,
मन पर लगी ना रोक,
तन की दो गज कोठरी
मन के तीनों लोक..
अगर किसी में
कोई कमी दिखाई दे
तो उससे बात करें,

और अगर
हर किसी में
कमी दिखाई दे
तो खुद से बात करें।
सच को तो
तमीज ही नहीं है
बात करने की..
झूठ को तो देखिये,
कितना मीठा बोलता है..
नहीं कोई वाकिफ
कितने दर्द लिए चलता हूँ
टूटता हूँ हर सुबह
जब आईना देखता हूँ..
झूम के चलता हूँ
हँस के मिलता हूँ
मैं रोज ऐसे ही
कितनों को दगा देता हूँ..

उम्मीद की टोकरी
खाली कर दीजिए..
परेशानी की पेटी
अपने आप
हल्की हो जाएगी..
रेगिस्तान भी
हरे हो जाते हैं,
जब..
अपनों के साथ
अपने खड़े हो जाते हैं
खुद को
तराश कर ही
खुद की
तलाश पूरी होगी..

— आलोक भार्गव, दुर्ग

शिवमय जीवन की आवश्यकता

ये महतां देवः स महोदव! शिव अर्थात् कल्याणकारी शुभ मंगलमय। शिव वह शक्ति है, जो शब्द को भी संजीवनी प्रदान कर, शिव बना देती है।

श्रावण मास, श्रावण नक्षत्र में शिवमय होने का आभास है। शिवमय जीवन आज की आवश्यकता है —



श्रीमती वृणा भार्गव

- 1) शिव जी का गृहस्थाश्रम बहुआयामी है। विरोधाभास में भी अनुशासन, एकता, सद्भावना व सामंजस्य है—जिसकी आवश्यकता आज हमारे समाज व परिवार में होनी चाहिये। शिव जी की वेशभूषा विचित्र है। शीश पर जटाओं का मुकुट है। भाल पर चंद्रमा है जो कि दैहिक, दैविक, भौतिक संतापों का हरणकर्ता हैं। जटाओं से निर्मल, पाप-विपर्येचिनी गंगा की धारा प्रवाहित है। बाघम्बर-मृग-छाला, भस्म की तन पर शोभा है। उनके आभूषण मुण्डमाला, सर्पमाला गले का शृंगार हैं। वृषभ-नन्दी शिव का वाहन है। गणेश जी का वाहन मूषक है। सकन्थ जी का वाहन मयूर व माता पार्वती शेर पर सवार है। ये सभी जन्तु एक स्थान पर आवासित हैं। परंतु वैर-भाव नहीं। परिवार के विभिन्न सदस्यों को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिये। विभिन्नताओं में भी एकता व संतुलन-सामंजस्य स्थापित करना चाहिये।
- 2) शिव कर्म में बसते हैं। सहस्रों वर्षों की तपस्योपरांत पार्वती जी ने शिव जी को पतिरूप में प्राप्त किया। “विवाह होगा तो शिव से ही होगा अन्यथा नहीं।” शिव योगी, वियोगी हैं, तो दूसरी और भोगी भी। उनका पार्वती के प्रति प्रगाढ़ प्रेम अतुलनीय व प्रेरणीय हैं। अर्धनारीश्वर रूप प्रेम में एकाकार होने का अद्वितीय उदाहरण है। शिवपुराणानुसार “गिरिजा हमको अतिप्रिय है—हमारे तप के समय वह वियोगिनी है और विहार के समय रति समान हमको प्रिय है।” उनका दांपत्य जीवन आज के युवाओं हेतु अनुकरणीय है।
- 3) शिवपशुपति नाथ हैं। शिव जी की बरात में भूत-पिशाच, पशु-पक्षी, जीव-जंतु, जीवधारी, सभी गण आमंत्रित थे। उनके गले में विषधर सर्प है। समुद्रमंथन से निष्कासित हलाहल विष का पान जन कल्याण हेतु किया और नीलकंठ नाम उजागर किया। मृत्यु प्रतीक नाग भी नागदेवता हैं—जिसकी पूजा श्रावण मास की पंचमी कृष्ण पक्ष में पूजा की जाती है। बदुला चौथ को गाय बछड़े का पूजन कर गोवंश की महत्ता का प्रतीक है। वृषभ वाहन कृषि की दृष्टि से किसान का मित्र है। शिव स्मरांतक, कामांतक श्रद्धा, आस्था के प्रतीक है। सर्व जीवधारियों में अपनत्व रखना हमारा कर्तव्य होना चाहिये।
- 4) शिव पर्यावरण सुरक्षा के कवच हैं। शिव का आवास हिमाच्छादित कैलाश पर्वत है। वे स्वयं वट वृक्ष के नीचे तप-योग करते हैं। शिवमय जीवन प्रकृति-पूजन, पर्यावरण सुरक्षा-संवर्धन हेतु आज भी सहेजनीय-संकल्पनीय हैं। “छिति, जल, पावक, गगन, समीरा पंच निर्मित यह अधम शरीरा।” पर्यावरण प्रदूषण के कारण धरती आग उगलती है। प्राकृतिक आपदाएँ कहर बरपाती हैं, ग्लेशियर पिघल रहे हैं, उत्तराखण्ड पर्यटन स्थल बन गया है। गंगा मैली हो चुकी है, हिमालय पर्वत की जड़ी-बूटियाँ भी समाप्ति के कगार पर हैं। मेधावी प्राणी की महत्वाकांक्षाओं ने दूषित कर दिया है। हमें शिवमय जीवन की ओर अग्रसर होने हेतु जल-थल-नभ को प्रदूषण से बचाने हेतु प्रकृति से न्यूनतम लेकर अधिकतम देना होगा।
- 5) शिव संयमी, अपरिग्रह सत्यं शिवम् की ओर अग्रसर है। वरिष्ठ, प्रबुद्ध जनों को जीवन के अंतिम पड़ाव पर शिवमय जीवन-जीने की प्रेरणा लेनी होगी। राग-विराग, वितरागी जीवन अर्थात् न पास रखना, न दूर रखना के सिद्धांत की पालना करनी होगी। वे वैरागी हैं, आध्यात्मिकता, एकाग्रता, रोग प्रतिरोधक शक्ति वर्धन हेतु शरीर में भस्म लगाना, 56 प्रकार के भोगों से दूर रहना, हर हाल में प्रसन्न रहना, परोपकारी जीवन भार्गव पत्रिका]

- हेतु संतोषी जीवन यापन करने की प्रेरणा लेनी होगी। कंद-मूल, फल, आक-धतूरा भोजन ही प्रिय हैं।
- 6) बेटियों हेतु सीखः मैना जी ने गिरिजा का हाथ शिवजी को पकड़वाते हुए कहा-इसको संसार की रीति मालूम नहीं है, आप इसको प्रीति और कृपा से रखें और हमारे अपराध को क्षमा करें। आज भी पातिव्रत धर्म की सकारात्मक शिक्षा व संस्कारों की महत्ती आवश्यकता है। परिवारों को अलगाव की स्थिति से बचाने तथा रिश्तों में मधुर-संबंध बनाये रखने हेतु शिवमय जीवन की आवश्यकता है।
- 7) शिवमय जीवन आर्तिकियों के विरुद्ध है। शिव के हाथ में त्रिशुल अमानवीय कृत्य कर्ताओं व आर्तिकियों को दंडित कर मानवता हेतु दीप समान है, “यत्र ब्रह्मा च क्षत्रं च सम्य चै चरतः स,” अर्थात् जो अपने दोषों को स्वीकार कर लेते हैं, उनके लिये विनम्र शास्त्रीय भाषा और जो लातों के भूत हैं, उनके लिये शस्त्र-सजा ए मौत ही पालनीय है। धरा को आतंकवाद, अन्याय, अत्याचारों, दुषकर्मों से रक्षणार्थ हमारे राजनेताओं व न्यायकर्ताओं को शिवमय जीवन का संकल्प लेना होगा।
- 8) शिवमय जीवन सृजनकार है। शिव जी ने दक्ष जी को बकरे का शीश लगाकर, गणेश जी को हाथी का मुख लगाकर महान् सर्जन का कार्य किया। पुनः बकरे व हाथी को संजीवनी प्रदान कर, दक्ष व गिरिजा का मान रखा। उनके जीवन से प्रेम भावना, स्वार्थरहित जीवन की प्रगाढ़ता, गहनता की प्रेरणा हेतु हमें स्वयं जीवन यात्रा करनी होगी।
- 9) श्रावण मास में शिवमय जीवन श्रद्धालुओं की आस्था का प्रतीक है। शिव इस मास में अपनी तेजोमयी आवृत्तियों से बाहर आकर शीतलता ग्रहण करते हुए, भक्तों के मनोरथ पूर्ण करते हैं। जलीय ग्रह चंद्र की कृपा पूर्ण मास रहती है। श्रावण नक्षत्र के अधिपत्य विष्णु जी ब्रह्माण्ड को न्यूट्रोन अर्थात् तटस्थ उर्जा के प्रतीक हैं। श्रावण मास के अधिष्ठाता शिव उर्जा में सहज समाहित हो जाती है। इस मास में कष्टों का निवारण जटाशंकरी के अभिषेक से हो जाता है। सोमवार व्रत शिव को आँख समान प्रिय है। सोम में ‘ॐ’ तत्व समाहित है-जिसका जप करने से आत्मविश्लेषी शार्तिपूर्ण प्रभाव डालता है और सकारात्मक उर्जा प्राप्त होती है। तन-मन जीवन को तराशता सावन, गुरु ज्ञान को हमसे जोड़ता है। हरियाली तीज पर सावन और कजरी झूले की मल्लाहरों से, शिव अराधना से-बहू-बेटियों के सौलह शृंगार से वातावरण रसीला व शिवमय होने का आभास है। चारों ओर हरियाली हो, झामा-झम-रिमझिम वर्षा हो-तन भी भीगे-मन भी भीगे-शिव फुहारों से जीवन हरा-भरा हो जाए, “हरियाली की डोर को थामने हेतु नव-वृक्ष रोपित कर प्रदूषण से धरा को बचाकर, प्रकृति से भावनात्मक संबंध बनाकर बच्चों को विरासत में देना होगा।
- 10) शिव संतुलन का प्रतीक है। शिव संहारक है, परंतु नकारात्मक नहीं। वे नवसृजन का शुभारंभ करते हैं। शिव-प्रकृति और पुरुष के बीच सामंजस्य के प्रतीक हैं। वे देव-दैत्य, मानव सबके आराध्य हैं। कल्याण हेतु इंद्र, वाणसुर, वृतासुर, चंद्रचूड़ को दंड देते हैं, क्षमादान कर अपने भक्तों को वरदान देते हैं। शिव नट-राज हैं संगीत, नाद, डमरू शिव जी को अति प्रिय है। डमरू ब्रह्माण्ड के स्पंदन को तालबंदू करता है। संस्कृत व्याकरण का निष्कासन डमरू नाद से होने के कारण संसार उनका ऋणि रहेगा। श्रावण शुक्ल पूर्णिमा को रक्षावंधन का त्योहार श्रावण की स्मृति में मनाया जाता है। जो कि भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक है।

अंत में-“सब अपराध क्षमा कर शंकर किकर की विनती सुनियों” हे शिव इस माह पुरुषोत्तम मास भी है। आप मृत्युलोक में गोरा सहित गगनमार्ग से विचरण करते हुए, जगत की दशा तो देखिये। हे करूणाकर हम तो मिट्टी के मानव हैं, आपकी चरण रज अमन चैन की वैक्सीन बरसा कर इस धरा को शिवमय बना दीजिये। ॐ श्री शिवायः नमस्तुभ्यम्।

— श्रीमती बीणा भार्गव, 331, स्कीम नं. 8, गांधी नगर अलवर, मो.: 6378352167

Since 1978

Food Packaging Industrial Packaging Chocolate Production Aids



Galaxy Industrial Corp., Mumbai
Industrial Plastic Forming Co., Mumbai
Nuway Plastics Pvt. Ltd., Daman

022-28561235 / 28526635 / 28526638
www.galaxyindia.in www.ipfco.com
arun@galaxyindia.in ipfco@hotmail.com

Galaxy House
92, Marol Co-op Indl. Est
Mumbai 400059. India

Ajay Bhargava (9820146011)
Arun Bhargava (9820146136)
K K Bhargava (Billu ji)(9820672701)



राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित संस्था

कल्याण करोति



Follow us
@kalyanamkaroti

निर्माणाधीन

अंधाता निवारण की दिशा में समर्पित एक प्रकल्प

सुपर स्पेशलिटी नेत्र चिकित्सालय

गोवर्धन चौराहा से 8.5 किमी, गोवर्धन रोड, मथुरा



असहाय नेत्र रोगियों की समस्याओं के उपचार हेतु
निर्माणाधीन चिकित्सालय में अपना कृपापूर्ण सहयोग
प्रदान करने की कृपा करें।

विशेषताएँ

- मोतियाविंद, नजरों का तिरछापन, वाल नेत्र रोग इत्यादि समस्याओं के लिए चिकित्सा
- ब्लूकॉमा, रेटिना (आँख का पर्दा) जैसे रोगों का इलाज, नेत्र शिविरों का आयोजन
- नेत्र कैंसर, अपतर्क (तोज़र) सर्जरी, ओक्टोपोलास्टी (आँख सम्बन्धी प्लास्टिक सर्जरी) की सुविधा
- आई बैंक का संचालन
- नेत्र अनुसंधान एवं विकास केंद्र
- शिक्षण एवं प्रशिक्षण केंद्र



सदस्यता

संस्थापक सदस्य	संरक्षक सदस्य	आजीवन सदस्य	अति विशिष्ट सदस्य
1 करोड़	51 लाख	21 लाख	11 लाख
एक करोड़ का निर्माण 7 लाख	विशिष्ट सदस्य 5 लाख	साधारण सदस्य 2.5 लाख	सहयोगी सदस्य 1 लाख

आप एक वर्ष के लिमान हेतु श्री अपवा महावपूर्ण सद्योन प्रदान कर सकते हैं, जिसमें 2100 रुपये का घबराहिं का व्यव संभालित है।
(कुल निर्माणाधीन छेत्रफल 1.76 लाख वर्ग कृत)

बैंक विवरण

HDFC BANK

A/c Holder	Kalyanam Karoti
A/c Number	50100573815172
IFSC Code	HDFC0000268

संस्था को दिया गया दान आयकर की धारा 80जी के तहत कर मुक्त है।

FCRA NO. 136570069

80G NO. AAATK5384MF20214

CSR NO. CSR00008688

कल्याण करोति

कल्याण धाम

मसानी-टिल्ती मार्ग, सरस्वती कुण्ड, मथुरा (उप्र०) 281001

kalyanamkarotimathura@gmail.com
+91 9897203030, +91 9760203030

www.kkm.org.in

In the Ever Loving Memory of



Smt. Santosh Bhargava
(12.01.1942 to 30.01.2012)

D/o Late Shri B.D. Bhargava & Smt. Kameshwari "KAMA"
OF CHANDAUSI
W/o Shri Triloki Nath Bhargava



KAMA DIAGNOSTICS

(Ultrasound and Cancer clinic)
(Dr. Amit & Dr. Nidhi Bhargava)

VPS 16-17, Shipra Krishna Vista Plaza, Indirapuram, GHAZIABAD.
Phone: +91-9811065538 • +91-9313068008

Email: amitbharga@gmail.com • nidhibhargava72@gmail.com



KAMA ENGINEERING WORKS

*(Manufacturers of Precision Sheet Metal
Press Components and Tools)*

Office: Cottage # 24, Shipra Sun City, Indirapuram, Ghaziabad (U.P.)

Works: C-64, Sector-VIII, Noida (U.P.) • Phone: 0120-4337821
Mob.: +91-9810033074 • +91-9871709690 • +91-9350805787

Email: anuj.anujbhargava@gmail.com
(Mr. Triloki Nath / Mr. Anuj Bhargava)

With Best Compliments from
KARRAT CHEMICALS (INDIA) PVT. LTD.

(ISO 9001 : 2015)

PLOT No. N-211/2/7, MIDC, TARAPUR, BOISAR-401506 (Maharashtra)
Tel. No.: 8007645500, 8983024326 • E-mail : karratchemicals@hotmail.com

Suppliers of : Ammonia Gas & Liquor Ammonia

OUR SISTER CONCERN(S) :

ANKLESHWAR AMMONIA SUPPLY PVT. LTD.

PLOT NO. 6508, GIDC Indl. Estate, ANKLESHWAR-393002

ANITA TRANSPORT COMPANY

ATHARVA CHARITABLE TRUST

BHARGAVA TRADING COMPANY

DCA FINE CHEM PVT. LTD.

(MONO & DI SODIUM POTASSIUM PHOSPHATE)

KARRAT MULTIGASES & CHEMICALS PVT. LTD.

KARRAT FINE CHEM (I) PVT. LTD.

KARRAT INVESTMENTS & TRADING CO.

KARRAT INFRA LLP

KIDZONE PRE-SCHOOL

VIKAS INDUSTRIES AND CHEMICALS PVT. LTD.
(MFG. BULK DRUGS & INTERMIDIES)

Late Shri Anil Bhargava Aditya Bhargava Anita Bhargava Dr. Keerti Bhargava
Director Director Director Director
(M) 8007112000 (M) 8390529922 (M) 8007065450

In the loving memory of
Smt. Veerbala Bhargava



You still live in the silences between our thoughts

- **Shri Naresh Chand Bhargava** *Husband*
- **Munish & Punam Bhargava** *Son & Daughter-in-Law*
- **Uttkarsh & Eesha** *Grand Son & Daughter-in-Law*
- **Iksha Bhargava** *Grand Daughter*



With Best Compliments from:

INDUSTRIAL SALES

109/19, Model House, Lucknow



Veerbala Sales

Saubhagyam,

109/19, Model House, Lucknow

Phone No.: 9415408767,

9415343706, 7275777477



On the occasion of 100th Birth Year and In The Ever Loving Memory of



Shri Prahlad Dutt Bhargava, Jodhpur
(01-03-1923 — 03-11-2008)

-: Always Loved and Never Forgotten by :-
Smt. Kusum Bhargava (Wife)

Pramod Bhargava & Shobha Bhargava, Jodhpur (Son & daughter-in-law)

Nipun Bhargava & Somiya Bhargava, Australia
Tushar Bhargava & Ekta Bhargava, Australia
(Grand son & Grand daughter-in-law)

Yug, Aadi (Great Grand son), **Aadhya** (Great Grand daughter)

Keeping Your memories alive forever

With Best Compliments from:

- Protech Consultancy Pty Ltd (Australia)
- Northwest Pty Ltd (Australia)
- Bentley College Pty Ltd (Australia)
- GWAY Investments Pty Ltd (Australia)
- Britts College Pty Ltd (Australia)
- Protech Associates Pty Ltd (Australia)
- Datum College Pty Ltd (Australia)
- Penfold College Pty Ltd (Australia)
- GW Real Properties Pty Ltd (Australia)
- Britts Imperial University College (UAE)

Owned and Managed by: Nipun Bhargava (Director)

Ph: +61 (3) 8380 0453, +61 430 777 838, +61 478 746 000

Email: nipun@protechconsultancy.com

Supported By: Tushar Bhargava (Chief Executive Officer)

Ph: +61 (3) 8380 0453, +61 434 424 456 • Email: tushar@nortwest.edu.au

Physical Address:

Level 10, 190 Queen Street Melbourne VIC 3000 Australia

Level 2, 531 George Street, Sydney NSW 2000 Australia

Level 2, 66-68 Grenfell Street, Adelaide SA 5000 Australia

With Best Compliments From



PREMIER PAPER PACKAGING PVT. LTD.

► One Step Solution For All Your Printing Needs. ◄

DIRECTORS

Sanjeev Bhargava

Anuranjan Bhargava



Manufacture and Supply of Paper Board Packaging (Printed Blister Cards, Mono Carton, Liner Carton, Leaflets, Manuals And Corrugated Boxes) And Designing

Our Vision

The company takes pride in understanding its customer exact requirements for blister card design, printing products by understanding their production process and design needs in order to supply. The right product for the right application to support their overall productivity as per application and perfection in quality with time bound delivery in a cost effective manner. We believe in doing team work to convert a Customer into a happy customer.

PREMIER PAPER PACKAGING PVT. LTD. has been in the printing field for over 26 years, and we have earned the loyalty of some of the top Corporate houses in India with our Quality, Timeliness & Customer-Service. We see our selves as a part of our customer's team and add value in various capacities.

► The scope of activities covered by this certificate defined below ◄



I-42,43, Kasna Village, Surajpur Industrial Area Site-V, Greater Noida (U.P.)

Pin Code : 201306 Mob: +91 9910097768, 8588867496, 9891917769

E-mail : sanjeevpremier@gmail.com Website : www.premierpaperpackaging.com



With Best Compliments from :

Dr. Mahesh Bhargava | **Mrs. Rajni Bhargava**
Dr. Vivek Bhargava | **Dr. Rajshree Bhargava**



SAMADHAN KENDRA

SAMADHAN KENDRA

(Psychological Assessment & Counselling Centre)

An ISO 9001:2008 Certified

A CENTRE FOR
MENTAL, PSYCHO-SOCIAL HEALTH AND WELL-BEING

A UNIT OF

National Psychological Corporation, Agra

(Largest House of Indian Psychological Tests)

AND

Harprasad Institute of Behavioural Studies, Agra

GF-4, 20/4, Maruti Tower, (Near Shaheed Smarak), Sanjay Place, AGRA-282 002

Ph.: (0562) 2525475, 9917369369

Website : www.samadhankendraagra.com, email : samadhankendraagra@gmail.com

Timing : 11 am to 6 pm, Sunday : 10 am to 2 pm (Thursday Closed)

With Best Compliments From

Sanjay Kumar Bhargava

M. : 9214336338

Mayank Bhargava

M. : 8983101076

SHREE BALAJI ENGINEERS

H. O. : Out Side Ajmeri Gate, Near Ramdwara, Beawar 305901 (Raj.)
 B. O. : S-61,62,76 RIICO Shopping Complex, Beawar 305901 (Raj.)
 Mob. : 092143-36338, 089831-01076, (O) 092148-36338, 01462-226128
 E-mail : sanjaykmbhargava@gmail.com ♦ mayankcancerian@gmail.com

With the Promise of Best Quality

Distributors ◆ Dealers ◆ Liaisoners



Shakti Pulley

JMC JI
VC JMC JM
C JMC



Available Products Catalogue



V-Belts



Grease



Contact Cleaner



Oil & Grease Dispenser



Safety Products



Pollution Control Products



Conveyor Belt



Idler Roller



Wire-net



S.S. Wire-mesh



Test Sieves



Perforated Sheets



Elevator Buckets



Bucket Bolt



Belt Fastners



Belt Fastners



Conveyor Gears



Coupling



Motor Bearings



Ball Mill Bearings



UCP, UCF & UC



Plummer Blocks



Sleeves



Nut & Bolts



Welding Accessories



Pulley



Taper-lock Pulley



Plastic Sutti



Trolley & Trolley Wheels



Hardware Items



Hand Grinder



Compressors & Vibrator Motors

Sister Concerns :

Bhargava Mill Store
 Piplaj & Ranisagar (Beawar)
 Mob. : 94625-83574, 99288-85200

- ♦ S.K. Trading Company, Beawar
- ♦ Bhargava Machinery Store, Beawar
- ♦ Shree Krishan Incarnation, Beawar

Think Lime, Think Sigma.

India's finest Lime Manufacturers

SIGMA
MINERALS
LIMITED



Our Lime Solutions

- Best-in-class Quick Lime
- Hydrated Lime
- Quick Lime Powder
- Conventional Quick Lime
- Crushed Limestone

First ISO 9001 and the only ISO 14001 Hydrated Lime & Quick Lime manufacturing company in India.



4, Heavy Industrial Area, Jodhpur - 342003(Raj.), India



info@sigmaminerals.com



+91 291 2740970 | 2741108

Visit us at :- www.sigmaminerals.com

In the loving memory of our beloved



Late Smt. Usha Bhargava
(18th February, 1936 – 12th January, 1979)

----Remembered By----

Justice S.N. Bhargava (Husband)
(Former Chief Justice Sikkim High Court
Former Chairman Human Rights Commission Assam & Manipur)

Harish & Shilpi Bhargava (Son & Daughter-in-Law)

Kavita & Rajiv Bhargava (Daughter & Son-in-Law)

Prof. Deepali Bhargava (Daughter)

Roopali & Maj. Gen. Ashok K. Dhingra (Daughter & Son-in-Law)

Sangeeta & Sandeep Bhargava (Daughter & Son-in-Law)

Sakshi-Gaurav, Aditi-Pankaj, Akshay-Kritika, Aarushi-Harsh,
Samin-Anmol, Tanya-Andrew, Ramit, Viraj & Vedant
(Grandchildren & their Spouse)

Shaurya, Mishka & Darsh (Great Grandchildren)



In Memory of Late Smt. Usha Bhargava & Late Shri Dinanath Bhargava
With Best Wishes

VARUN MULTI SPECIALITY HOSPITAL



Qwarsi Chauraha, Ramghat Road, Aligarh
E-mail: varun_hospital@yahoo.co.in, Ph No: 9837952666



वरुण हॉस्पिटल

आई०सी०य०० / डायलैसिस / लैप्रोस्कोपी / हार्ट केंद्र

Approved Center for Dip. G.O. & Dip. C.H. Course For M.B.B.S. Doctor

Affiliated to Smile Train कटे होंठ तुंब तालु का निःशुल्क उपचार

विष्णु पुरी, अलीगढ़ - 202 001

फोन : 9837951666 ई-मेल : varun_hospital@yahoo.co.in



Varun Infertility Solutions & Test Tube Baby Centre

(A Unit of Varun Hospital Group in Collaboration with Global Rainbow Health Care Center & Sperm 360 Lab, Agra)

Vishnu Puri, Aligarh. Ph. : 9358251185

डा० (श्रीमती) मणि आर्व

उमा. श्री. दुर्ल. श्री. जी. श्री.
उमा. श्री. नी. पुरा. श्री. उमा.
इयान डोजाइल डिजोला एन लोगोलामी
प्रत्युति व स्ट्री लेज विलोपजा

डा० संजय आर्व

उमा. श्री.
Intensivist

RADIOLOGY

- CT SCAN
- DIGITAL X-RAY
- USG
- COLOR DOPPLER

CARDIOLOGY

- ANGIOGRAPHY
- ANGIOPLASTY
- EXTERNAL & TEMPORARY PACING
- TMT / HOLTER
- ECHO / ECG

INTENSIVE CARE

- SURGICAL I.C.U.
- ICU / CCU / BICU
- NICU / PICU
(NURSERY)

SURGERY

- ALL KIND OF GENERAL & LAPROSCOPIC SURGERY
- NEURO SURGERY WITH EEG
- PLASTIC SURGERY
- CANCER (ONCO) SURGERY
- ALL KIND OF GASTRO SURGERY WITH ENDOSCOPY / COLONOSCOPY / ERCP
- UROLOGY SURGERY
- PEADIATRIC SURGERY
- TRAUMA ACCIDENT
- ALL KIND OF ORTHOPAEDIC SURGERY WITH JOINT REPLACEMENT & ARTHROSCOPY
- NEPHROLOGY O.P.D. WITH DIALYSIS
- OBS. & GYNÄE SURGERY
- MULTI & SUPER SPECIALITIES OPD

BLOOD BANK

PATHOLOGY

VARUN INFERTILITY SOLUTIONS

- IUI / IVF / ICSI
- SPERM BANKING / OOCYTE BANKING / EMBRYO BANKING
- LAPROSCOPY/ HYSTEROSCOPY / COLPOSCOPY

OPERATION THEATER

- MODULAR O.T. / 5 OTHER O.T.

OTHER FACILITIES

- SUPER DELUXE SUITES WITH KITCHEN / DELUXE / PRIVATE / SEMIPRIVATE ROOM / GENERAL WARDS
- PHYSIOTHERAPY
- 24 HOURS EMERGENCY SERVICES
- PHARMACY
- CANTEEN
- ICU AMBULANCE
- AMPLE PARKING SPACE

आगरा भार्गव सभा (रजि.), आगरा

अगस्त माह में आयोजित विवाह परामर्श शिविर का निमंत्रण पत्र

आगरा भार्गव सभा एवं आगरा महिला सभा के संयुक्त तत्त्वावधान में आगामी माह की 12 एवं 13 तारीख (दिन शनिवार एवं रविवार) 2023 को अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित विवाह परामर्श शिविर का आयोजन शिव पैलेस, पश्चिमपुरी चौराहे के पास, आगरा में किया जा रहा है। यह आयोजन 12 अगस्त को प्रातः 9.00 बजे से प्रारंभ होगा, जिसका समाप्ति 13 अगस्त को सायं 4.00 बजे होगा। जिसमें आप सभी सदस्यों से निवेदन है कि इस आयोजन को सफल बनाने के लिए अधिक से अधिक संख्या में पधारने का कष्ट करें। अधिक जानकारी के लिए श्री विजय जी, अध्यक्ष, आगरा भार्गव सभा (मो.: 9412259214), श्रीमती अल्पा, अध्यक्षा, आगरा भार्गव महिला सभा (मो.: 9837604755) एवं श्रीमती संगीता, सचिव, आगरा भार्गव महिला सभा (मो.: 7906003543) से संपर्क कर सकते हैं।

— अरुण भार्गव, सेक्टर-8, 671, आवास विकास कॉलोनी, आगरा, मो.: 9927663671

कानपुर भार्गव सभा (रजि.) कानपुर

**श्रीमती गीता देवी-श्री किशोरी लाल भार्गव (सत्संग भवन, दरियागंज दिल्ली)
सृति सप्तम् निबंध प्रतियोगिता : निधि राशि 51,000/- रुपये**

प्रथम पुरस्कार-2100/- रुपये, द्वितीय पुरस्कार-1100/- रुपये एवं 3 साँत्वना पुरस्कार

विषय: कारोना काल के उपरांत जीवन की चुनौती नियम एवं शर्तें।

- इस प्रतियोगिता में श्रीमती गीता देवी एवं श्री किशोरी लाल भार्गव सत्संग भवन, दरियागंज, नई दिल्ली के परिवार के सदस्यों एवं आयोजन समिति के परिवार के सदस्य भाग नहीं ले सकते हैं।
- निबंध की अधिकतम सीमा 1500-2000 शब्दों की होगी।
- निबंध हिंदी में फुलस्कोप पेपर पर एक तरफ लिखकर अथवा टाइप करके निम्न पते पर दिनांक 31 अक्टूबर, 2023 तक पहुँच जाने चाहिए।
- निबंध के बीच में या आखिर में कहाँ भी अपना नाम, पता, मो. नं. नहीं लिखा होना चाहिए। अपना नाम, पता, मो. नं. अलग से पृष्ठ पर लिखकर निबंध के साथ संलग्न करें।
- निबंध मौलिक होना चाहिए।
- अंतिम निर्णय आयोजन समिति का होगा एवं वह सभी को मान्य होगा।

आयोजन समिति सदस्य:-

- | | |
|---|--|
| 1. श्री पुनीत भार्गव (संयोजक) - 09839176958 | 2. श्री योगेन्द्र नाथ भार्गव - 09198062835 |
| 3. श्री सुधीर भार्गव - 09919507711 | 4. श्री विक्रम भार्गव - 09956007067 |
| 5. श्री अरुण भार्गव (अध्यक्ष) - 09839035884 | 6. श्री राजीव भार्गव (सचिव) - 09838000093 |

**निबंध लिखकर भेजने का पता: श्री पुनीत भार्गव, 25, पी.पी.एन. मार्केट, कानपुर-208001
मोबाइल नं.: 09839176958, 09140467113**

नोट: इस निबंध प्रतियोगिता की स्थानीय भार्गव सभाओं को जानकारी Whatsapp के माध्यम से दी जायेगी।
भार्गव पत्रिका]

कुलदेवी दर्शन यात्रा

Archat Devi Mandir, Village Bambora, Kishangarh Bas, Dist. Alwar

On 1st July, 2023 Shri Anil Bhargava (Mob:9357527959) and his wife Smt. Nishi Bhargava, 206, Vandermataram Apt, Model Town, Nehru Nagar, Bhilai, Dist. Durg (C.G) and their son

Shri Arpit Bhargava (Mob:7042234110) and his wife Smt. Kanika Bhargava from G 44A, Rama Park Road, Near Malik Properties, Mohan Garden, Uttam Nagar, Delhi, visited Archat Devi Mandir, Village Bambora, Kishangarh Bas, Dist. Alwar. They had nice darshan with the assistance of Shri Birju Singh (Mob: 9928436220). Their visit was the first visit to the temple. They liked the temple renovation and development work in the surroundings and promised to visit again.

On 7th July, 2023 Shri Rishi Bhargava (Mob:9712916029), C1-50, Viktant Khand, Gomti Nagar, Lucknow-226010 alongwith his wife Smt. Swati Sharma, his mother Smt. Meenu Bhargava, his two sons Master Atharv A and new born Hridyam, his younger brother Rishabh Bhargava visited Archat Devi Mandir, Village Bombora, Kishangarh Bas, Dist. Alwar. They had nice darshan and pooja with the assistance of Shri Birju Singh (Mob:9928436220). Thought it was late evening, heavily raining and without light. They donated Rs.1,100/-.

— Prabhat Mukul Bhargava, (M): 8209992469, <pmbjpr@gmail.com>

* * *

Archat Devi Mandir, Village Bambora, Kishangarh Bas, Dist. Alwar

On 14th July, 2023, Dr. Sapan Bhargava, his wife Dr. Nandita Bhargava and their daughter Vidhatri from Vidhatri Clinic, TK road Hebbur, Dist. Tumkur (Karnataka) 572120, (Mob:9449851054) visited Archat Devi Mandir, Mandir, Village Bambora, Kishangarh Bas, Dist. Alwar. After reaching directly from Delhi Airport. They had nice darshan with the assistance of Shri Birju Singh (Mob:9928436220). They visited the mandir after 7-8 years. They very much liked the temple renovation and development work in the surroundings.



— Prabhat Mukul Bhargava, (M): 8209992469, <pmbjpr@gmail.com>

* * *

नागन कुलदेवी (मनसा माता), अलवर



नागन कुलदेवी माता रानी की असीम कृपा से आज 16-07-2023 (रविवार) को हम सब परिवारजन ने अलवर शहर में मनसा माता रानी के दर्शन का लाभ प्राप्त हुआ। श्री कपिल भाई साहब अलवर से संपूर्ण जानकारी मिली थी। आज उन्हीं के साथ माता रानी के दरबार में विधि-विधान से पूजा अर्चना की। माता रानी का सृंगार किया, आचमन, अभिषेक, आरती व भोग लगाया। माता रानी के मंदिर के साथ ही शिव परिवार भी विराजमान हैं। सावन माह में शिव जी को जलाभिषेक किया।

कुलदेवी दर्शन यात्रा

आज दर्शन में, मैं सुनील भार्गव, जयपुर, मेरी ध.प. श्रीमती ममता भार्गव, श्री अर्पित भार्गव, श्री संदीप भार्गव (सभी जयपुर) और श्री कपिल भाई साहब अलवर और उनकी ध.प. श्रीमती सुधा भार्गव ने दर्शन किए।

अखिल भारतीय भार्गव सभा द्वारा प्रकाशित और कपिल भाई साहब द्वारा लिखित पुस्तक भार्गव कुलदेवी दर्शन भाई साहब ने भेंट की। दर्शन बाद हम जयपुर के लिए रवाना हुए। कुलदेवी माता की महिमा अपरम्पार है।

पता: सुनील भार्गव, श्रीमती ममता भार्गव “विश्व शिला”, पारीक कॉलेज रोड, बनी पार्क, जयपुर-302016, मो.: 9829055754 — हेमंत भार्गव, प्रधान अखिल भारतीय भार्गव युवा संघ

नायन कुलदेवी, रावण देहरा, अलवर

हमारी कुलदेवी नायन माता है, जिसका एक मात्र मंदिर अलवर शहर के पास रावण देहरा ग्राम में अरावली पर्वतमाला में स्थित है। आज कुलदेवी माता की असीम कृपा से मैंने (कपिल भार्गव) अपनी ध.प. के साथ दर्शन लाभ प्राप्त किये। साथ ही शिवाय और शक्ति अलवर ने भी दर्शन किए।

— कपिल भार्गव, Pipes & Steel Corporation, Mangalore, (M): 9448135116



Shakambhari Kuldevi Temple, Sakrai, Udaipur Wati (Raj.)

Amit Ji Mahendra Garh with family visited Shakambhari Kuldevi Temple on 21st June, 2023 Sakrai, Udaipur Wati, Rajasthan.

— Recd. from: Ankur Bhargava, <ankurbhargava79@gmail.com>

जयपुर शहर में जीवन कुलदेवी (जीण माता) का मंदिर

जयपुर के परकोटे में स्थित रामगंज बाजार में हीदा की मोरी, बाबू का टीबा इलाके में जो गलता रोड है, वहाँ जीण माता खुर्रा के नाम से मशहूर स्थान में लगभग 300 वर्ष पुराना जीण माता का मंदिर है। मंदिर के जानकारों व धरोहर के रूप में सुरक्षित ताम्र-पत्र पर उल्लेखित वर्णन से ज्ञात होता है कि पाराशर परिवार की छठी पीढ़ी महन्त पंडित महेन्द्र पाराशर इस समय मंदिर का कार्यभर संभाल रहे हैं। ऐसी मान्यता है कि जयपुर की स्थापना काल से ही मंदिर को भी स्थापित किया गया था। जयपुर के सबसे पुराने मंदिर के रूप में इस मंदिर को मान्यता प्राप्त है।

जयपुर में भार्गव समाज के अधिकांश व्यक्ति सुभाष चौक में व इसी इलाके के पानों के दरीब में निवास करते थे। बढ़ते परिवार व नौकरी व व्यापार के कारण जयपुर में भार्गव परिवारों की संख्या लगातार बढ़ती रही और आज परिणाम यह है कि विश्व में भार्गव बाहुल्य शहरों में जयपुर पहले नम्बर पर है। इस प्राचीन मंदिर का जीर्णोद्धार हाल ही में हुआ है। दिनांक 23 जून, 2023 को मंदिर के पटोत्सव पर मंदिर के ट्रस्टी और मोहल्ले के वार्डन श्री विचित्र कुमार भार्गव ने आमंत्रित किया, जो स्वयं मंदिर के सेवादार भी हैं व जयपुर में रामनवमी को निकाली जाने वाली शोभा यात्रा के मुख्य आयोजक भी हैं।



कुलदेवी दर्शन यात्रा

हमारी कुलदेवी भी जीवन है, अतः यह सौभाग्य ही रहा कि हमें जीण माता मंदिर के नयनाभिराम दर्शन हुए। मंदिर के पुजारी श्री जुगल जी पाराशार ने बताया कि यहाँ आस-पास काफी संख्या में भार्गव रहते थे। तो झड़ुला व जात इत्यादि के लिये भार्गव समाज के लोग आ जाते थे। उस समय सीकर जिले में स्थित जीण माता का धाम यातायात संसाधनों के अभाव में जाना संभव नहीं होने के कारण इसी जीण माता मंदिर में अपने जाति कर्म कर लिया करते थे। पुजारी जी ने बताया मंदिर में स्थापना के समय से ही अखण्ड ज्योत जल रही है। मंदिर में दो गुप्त नवरात्रि सहित चारों नवरात्रों में भण्डारे के अतिरिक्त विशेष आयोजन होते हैं। प्रत्येक वर्ष शुक्ल पक्ष विजयदशमी के बाद पड़ने वाले रविवार को मंदिर से ध्वज यात्रा प्रारम्भ होकर सीकर जिले में स्थित जीण माता धाम तक जाती है, जहाँ अनेक कार्यक्रम आयोजित होते हैं।

— अनिल कुमार भार्गव (अध्यक्ष, जयपुर भार्गव सभा) बी-86, सूर्य मार्ग, तिलक नगर, जयपुर-302004, मो.: 9414070878

* * *

चरणदास मंदिर, शुकताल (मुजफ्फरनगर)

संत चरणदास जी महाराज की असीम कृपा से संत दास और उनके गुरु व्यास पुत्र शुकदेव मुनि के मंदिर में दर्शन का सौभाग्य 25-06-2023 को प्राप्त हुआ। मैं दीपक भार्गव अपनी ध.प. श्रीमती मीनाक्षी भार्गव के साथ इस भव्य मंदिर में गया। इस स्थान पर आज से लगभग 300 वर्ष पूर्व 18वीं शताब्दी के महान संत चरणदास जी महाराज को उनके गुरु व्यास पुत्र शुकदेव मुनि ने स्वयं प्रकट होकर योग, ज्ञान और भक्ति से परिपूर्ण कर विधिवत, कंठी बाँध और गुरुमत्र से दीक्षित किया था, इसके बाद ही संत चरणदास जी ने महान ग्रंथ भक्ति सागर की रचना की थी। भक्ति सागर आज भी अलौकिक ग्रंथ है।

— दीपक भार्गव, मीनाक्षी भार्गव, 16, मनु मार्ग, अलवर, मो.: 9414201065

Donation of Water Cooler and Refrigerator



- Shri Pradeep Bhargava and Shri Saurabh Bhargava, M/s. Mahaveer Electric and Machinery Store, Shop No. 63, 66, Bhargava CST Complex, Rewari has donated and installed a big drinking Water Cooler at main gate of Shri Shivji Mandir at Rewari for the use of devotees and general public in memory of Late Mahaveer Prasad ji.

* * *

- Smt. Tulsi Bhargava, w/o Shri Bhrigu Nandan Bhargava, Fad Bazar, Opp. Shri Satyanarayan Mandir, Bikaner has donated and installed a big drinking Water Cooler (with pipe, electric fitting and shade) at Kumedan Col. Deen Dayal Bhargava Bhavan, Bikaner and 195 litre Refrigerator of Samsung make, at Bhargava Ashram Haridwar for visitors/general public use .

Akhil Bharatiya Bhargava Sabha is appreciating the goodwill of gesture of both the donors for their valuable contribution for the service of the society.

Achievers of the Society

श्रीमती रुचि भार्गव (हैदराबाद): तेलंगाना की पहचान, बहु प्रतिभा की धनी श्रीमती रुचि भार्गव (हैदराबाद) ने Mrs. India Team द्वारा आयोजित Mrs. India Beauty with Heart 2022 प्रतियोगिता के Super Classic Category Mrs. India 2022 (60+) में winner हुई और आपको Crown से नवाजा गया।



यह ख्याल आयोजन 29-12-2022 से 02-01-2023 तक Hotel Clarks Inn Suits रणथंबोर (सर्वाई माधोपुर) राजस्थान में हुआ। इस शानदार प्रतियोगिता में 38 Pragent ने पूरे देश से भाग लिया एवं तेलंगाना से रुचि जी सहित 3 का चयन हुआ।

श्रीमती रुचि भार्गव ने 2021 में Mrs. Telangana चुनी जाकर भी अपनी प्रतिभा का परिचय दिया था और क्राउन पर अपना अधिकार कर अपनी पहचान स्थापित की थी। रुचि भार्गव

ने बताया इस Mrs. India Beauty with Heart 2022 प्रतियोगिता में 5 राडंड हुए। 1. Cat walk round, 2. Introduction round, 3. Question and Answer round, 4. Talent round, 5. Fashion round. आप सभी Round में विजेता रहीं।

श्रीमती रुचि जी के बारे में बताऊँ, रुचि जी बहुत अच्छी तैराक हैं, प्रतिदिन ये आपका शौक है, Maruti Car रैली में भी आप भाग लेकर विजेता रह चुकी हैं। नृत्य कला में आप पारंगत हैं, आज भी अच्छा शौक रखती हैं, मंच मिलने पर तैयार रहती है। अखिल भारतीय भार्गव सभा की सांस्कृतिक समिति द्वारा आयोजित डांस प्रतियोगिता में भी 60+ ग्रुप में आपने प्रथम स्थान प्राप्त किया था। आपके अनुसार “कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी खुश रहती हूँ, किसी की भी मदद करना आपको अच्छा लगता है।”

भार्गव समाज को आपकी प्रतिभा पर गर्व है, Mrs. India (60+) में Crown पहनने पर हम सबकी ओर से और भार्गव पत्रिका परिवार की ओर से बहुत-बहुत बधाई। निश्चय ही समाज की आने वाली पीढ़ी के लिए आप से प्रेरणा का स्रोत साबित होंगी।

पता: 1B, Casa Indira Apartment, Banjara Hills, 6-3-346/4-5, Dwarka Puri Colony, Hyderabad – 500082 (Telangana), (M): 9502755835

— शिक्षाविद् कपिल भार्गव, अलवर (सह-संपादक)
* * *

Pune: Ms. Suhaneet Bhargava, D/o Vedit Bhargava & Sanyogita Bhargava (Pune) and Grand-Daughter of Aditya & Ekta Bhargava (Dehradun) has been an all-rounder since childhood. She is full of creativity and has attended a lot of workshops in craft and other creative mediums like mural painting, Lippam kaam, pebble painting etc. She has passed the elementary drawing exam with distinction. She has won many accolades in athletics and has represented her school in various running races and Badminton. Suhaneet is passionate about Kathak dance and is in her final year of Gandharva exam. She spares time for dance practice and has participated and won numerous dance competitions. Abhinaya is her forte and she has had the privilege to play the Lead Role in her school in the renowned play “Mary Poppins”. With her efforts and God’s blessings Suhaneet has scored a 97.4/- in her 10th ICSE board exam and has stood 2nd in the school. She wishes to pursue Computer Science Engineering and idolises her parents.



—Anurag<anuragbhargava71@hotmail.com>

With Best Compliments From

HBD PAPER CONVERTORS

Convertors for Paper & Board Mills

Finishing and Converting over 1,500 tons per day of
Paper / Board in different Mills at various locations.

Providing Employment to over 1200 persons
including 5 Managers, 35 Supervisors
& 12 Shift Incharge.

Administrative Office : 19, Udyog Kendra Industrial Area
Ecotech III, Greater Noida (U.P.) – 201 306

Conversion Unit : 128, Udyog Kendra Industrial Area,
Ecotech III, Greater Noida (U.P.) – 201 308
Email : hbdconvertor@gmail.com

Chief Executive : Mrs. Ritu Bhargava, Mob. : +91 9818557932
Head Operations : Mr. Amar Chand, Mob.: +91 9873036980
Head Commercial : Mr. Deepak Sharma, Mob.: +91 9871159448

Currently Converting at following Mill's Sites

1. Century Pulp & Paper, Lalkuan, Nainital (Uttarakhand)
2. Century Pulp & Paper, Unit - Sonipat (Haryana)
3. West Coast Paper Mills, Dandeli (Karnataka)
4. Kuantum Paper Ltd., Hoshiarpur (Punjab)
5. J.K. Paper Mills, C.P.M. Songadh (Gujarat)
6. Mehalia Paper Mills, Dahej, Bharauch (Gujarat)
7. The Sirpur Paper Mills Ltd., Kaghaz Nagar (Telangana)
8. Naini Papers Ltd., Kashipur (Uttarakhand)
9. Shah Paper Mills Ltd., Vapi (Gujarat)
10. K.R. Paper Mills Ltd., Shahjanpur, (Uttar Pradesh)
11. Paper Converting Unit Greater Noida (U.P. (Extended Operations))

With Best Compliments From

M/s. AMMONIA MARKETING Co.

Suppliers of Ammonia Gas and Liquor Ammonia

No.125, 3rd Phase, Peenya Industrial Area,
BANGALORE - 560 058

Tel. : (O) (080) 28392156 • 28397411

Fax : (080) 28394402

E-mail : amcobgl@gmail.com



M/s. VIJAY CORPORATION

Suppliers of Ammonia Gas and Liquor Ammonia

Opp. Mavoo Mill, NH 47, Navakkari Post,
COIMBATORE - 641 105

Tel. : (0422) 2656284 • 2656812 • 3105721

Fax : (0422) 2856284

E-mail : ammoniavjy@sify.com



Managed by

SHRI SOHAN BHARGAVA, Bangalore

Tel. : (Res.) (080) 23342046, 23349806 • (M) 09845012071

With Best Compliments From

AMMONIA SUPPLY COMPANY

**Unit No. 1073, Plaza I, Manohar Lal Khurana Marg,
DCM Complex, Bara Hindu Rao, Delhi - 110006**

Tel. : (Off.) 23552048, 23623802, 23631941, 49070252

E-mail : jitin@ascoindia.org

(Res.): 23970203, 23953020

Mobile : 09312401850 • 09350163975

Suppliers of :

ANHYDROUS AMMONIA - LIQUOR AMMONIA

In any quantity - anywhere in India

Associates :

1. Asco Engineering Company
2. Asco Industrial Corporation
(Prop. Ammonia Supplies Corporation Pvt. Ltd., New Delhi)
3. Ammonia Marketing Co., Ghaziabad
4. Ammonia Supply Co., Mumbai
5. Ammonia Marketing Co., Bangalore
6. Vijay Corporation, Coimbatore



FOUNDER

DR. MURARI LAL BHARGAVA

(17-04-1922 — 29-01-1999)

With Best Compliments From:



Rakesh Bhargava



Abhishek Bhargava

ANUPAM CATERERS

Office : Shop No. 18, Sector - 3 (RHB) Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur

Residence : 32/511, Sector - 3, Near Central School,

Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur

Mob.: 9414079994, 9829057205, 9672994949 • Ph.: 0141-2792449

E-mail : rakeshbhargavadeys@gmail.com

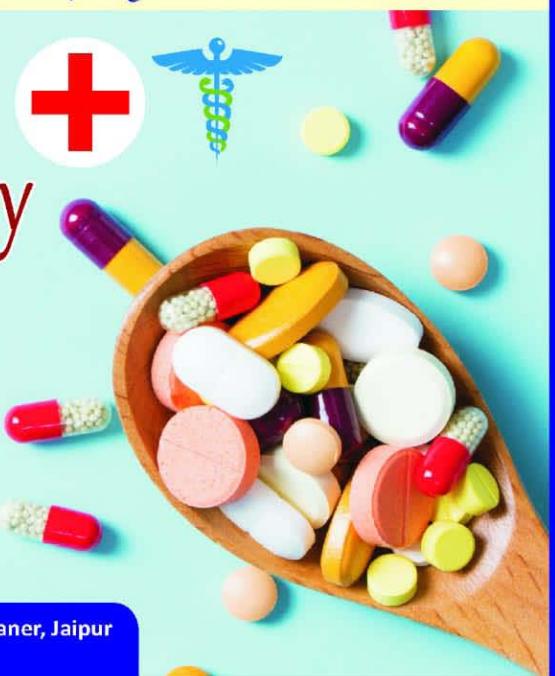
Abhishek Bhargava

Lifecare Pharmacy

For all your prescription you need

What we offer :

- No long waits
- We beat all competitor prices
- One shop for all prescription needs
- Free home delivery
- Attractive discounts on medicines
- Surgical equipments are also available.



52/154, Pratap Nagar, Behind Axis Bank, Sector-5, Sanganer, Jaipur

M.: +91-96729-94949, +91-94140-79994

With Best Compliments from

Bhargava Packagings (P) Ltd. Bhargava Rotopack (P) Ltd.

Chandausi

Tele (05921) 250616

Email: bhargavapackagings@gmail.com

Bangalore

Tele (080) 28394589

Email: rotopack@gmail.com

Kameshwari Packagings

Waluz (Aurangabad)

Tele (0240) 2564734

Email: kapilbhargava@hotmail.com

Kama Print & Pack (P) Ltd.

Waluz (Aurangabad)

Tele (0240) 2555875

Email: atul_agbd@rediffmail.com

CONCERNS OF

Prem Shanker Bhargava

Waluz (Aurangabad)

Mob.: 09923673000

Rama Shanker Bhargava

Chandausi

Mob.: 09927048084

Vijay Shanker Bhargava

Bangalore

Mob.: 09972569090

Ravi Shanker Bhargava

Chandausi

Mob.: 09837053219

Mukul Bhargava

Bangalore

Mob.: 09972515050

Atul Bhargava

Waluz (Aurangabad)

Mob.: 09372344229

Kapil Bhargava

Waluz (Aurangabad)

Mob.: 09325212340

Ashish Bhargava

Bangalore

Mob.: 09886330062

जातीय समाचार

समाचारों के साथ परिवार के मुखिया एवं भेजने वाले का नाम, पता, मोबाइल नंबर भी भेजें। उत्तम हो, समाचार एवं सम्बन्धित फोटो ईमेल abbsbhargavapatrika@gmail.com पर भेजें। - सम्पादक

जन्म

Aligarh: Mr. Arpit and Mrs. Divya (Son of Upendra Kumar and Jyoti and Grand son of Late Shri Kripa Shankar and Late Smt. Shakuntla) have been blessed with **Son** on 11-07-2023. Contact: Upendra Kumar Bhargava (Advocate), Gomti Nagar, Agra Road, Aligarh, (M): 9411003232.

— Sakshi <sakshibhargava71@gmail.com>

विवाह

जयपुर: श्रीमती उषा-स्वर्गीय श्री रामकिशन भार्गव के नाती एवं श्रीमती रीता भार्गव जयपुर के सुपुत्र **चि. कौस्तुभ** का शुभ-विवाह **सौभा. काजल** सुपुत्री श्रीमती गीता-श्री राजेश पाठक के साथ सभी सगे संबंधियों एवं इष्टमित्रों की उपस्थिति में 23-6-2023 को जयपुर में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए सभी स्नेहीजनों ने नव वर-वधु को सुखी एवं सफल दांपत्य जीवन के लिए आशीष वचन दिए। संपर्क: श्रीमती रीता भार्गव, 68/279, प्रताप नगर, सेक्टर-6, हल्दी घाटी मार्ग, जयपुर (मो.: 9414529943)।
प्रेषक: प्रदीप भार्गव <pkbhargava20@gmail.com>



विशेष उपलब्धि

जयपुर: कुमारी ईशान्वी अपने संपूर्ण शैशव काल में अपनी प्रतिभा का उत्तम प्रदर्शन करती रही हैं। हाल ही में I.C.S.E. बोर्ड के दसवीं के घोषित परिणामों में 97.2 प्रतिशत प्राप्त कर अपनी भविष्य की योजनाओं को और सुदृढ़ता प्रदान कर दी।



भार्गव पत्रिका]

(93)

ईशान्वी ने History, Civics, Geography and Environmental Science में 99 प्रतिशत अंक प्राप्त कर यह सफलता प्राप्त की है। ईशान्वी का कहना है कि उनके पिता श्री निशांत व माता श्रीमती स्मृति का उन्हें पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। प्रेषक: श्री तरुण भार्गव, सचिव- जयपुर भार्गव सभा।

●

प्रयागराज: प्रयागराज पवित्र यमुना तट ककरहा घाट पर दिनांक 12-06-2023 को 6 वर्षीय **कु. ऐशना**, पुत्री श्रीमती पल्लवी एवं श्री सचिन निवासी बाई का बाग ने लगभग 600 मीटर पाट श्री अजय खन्ना द्वारा 11 दिनों के अल्प परीक्षणोपरांत 12 मिनटों में तैरकर पार किया। उपस्थित जन समूह ने आश्चर्यचकित हो करतल ध्वनि के साथ **कु. ऐशना** का उत्साहवर्धन कर उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया। प्रेषक: नरेश भार्गव, वरिष्ठ सदस्य एवं पूर्व मंत्री, प्रयागराज भार्गव सभा।



विविध

अलवर: भारत विकास परिषद अलवर के स्वामी विवेकानंद महिला स्वाबलंबन केंद्र में एक वृहद सभागार का निर्माण श्री सुभाष भार्गव एवं श्रीमती रेशम भार्गव द्वारा श्रीमती रेशम भार्गव की श्रद्धेय माता जी स्व. श्रीमती शनि भार्गव एवं श्रद्धेय पिताजी स्व. श्री मोहनलाल भार्गव की पूज्य स्मृति में करवाया गया।



[जुलाई, 2023

लाल भार्गव एवं स्व. श्रीमती शांति भार्गव की स्मृति में कराया। आज 10-7-2023 को एक भव्य आयोजन में श्री सुभाष भार्गव के मुख्य आतिथ्य में नवनिर्मित शांति, मोहन लाल भार्गव सभागार का शिलान्यास हुआ। इस अवसर पर परिषद द्वारा श्री सुभाष भार्गव, उनकी ध.प. श्रीमती रश्मि भार्गव (अहमदाबाद), श्रीमती रश्मि जी के परिवार जन, श्री च्यवन भार्गव, उनकी पत्नी श्रीमती अंजुरिमा (अलवर) को शौल, श्रीफल व स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर भार्गव सभा के गणमान्य अनेक पदाधिकारियों को भी आर्मित्रित किया गया। प्रेषक: श्री कपिल भार्गव (अलवर), <kapilbhargava87@rediffmail.com>.



अजमेर: MPS विद्यालय अजमेर के फाउंडर ट्रस्टी एवं स्काउट गाइड के स्थानीय संघ प्रधान श्री मोहनलाल जी साबू द्वारा **अंशु भार्गव**, अध्यापक MPS School Ajmer, गाइड कैप्टन (प्री ए.एल.टी.) को स्काउट गाइड गतिविधियों, पर्यावरण संरक्षण, इको क्लब एवं अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट कार्यों हेतु प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया गया। अभी तक के 22 वर्षीय कार्यकाल में इन्होंने नेशनल, इंटरनेशनल, स्टेट, स्थानीय गतिविधियों, में विद्यालय को गौरवान्वित किया। मैनेजमेंट ने यह सम्मान विद्यालय के फाउंडेशन-डे पर दिया। पता: श्रीमती अंशु भार्गव, पत्नी श्री राज कुमार भार्गव, 387, सुंदर विलास, अजमेर, मो.: 9414670522

अलवर: श्री सर्वेश (सेवानिवृत्त, मैनेजर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया) ने अपनी ध.प. सौभाग्यवती अंजना जी (सेवानिवृत्त व्याख्याता) के साथ अपनी चार धामयात्रा पश्चात् गंगाजली पूजन 11-7-2023 को विधि-विधान से श्री सत्यनारायण



कथा व हवन से संपन्न किया और प्रसादी का सुंदर आयोजन किया। इस अवसर पर उपस्थित सभे संबंधियों, मित्रों और सहयोगियों ने दंपत्ति को आशीर्वाद और शुभ-कामनाएँ प्रेषित की। श्री सर्वेश भार्गव, जी-407, अपना घर शालीमार, अलवर-301001 (मो.: 9414811818)। प्रेषक: श्री कपिल भार्गव (अलवर)।



मुलताई: भार्गव महिला सभा मुलताई द्वारा एक पेड़ एक जीवन का संकल्प लेते हुए प्राइमरी स्कूल के प्रांगण में वृक्षारोपण किया गया। सचिव व अध्यक्षा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

— अनुभव <meenabhargava08@gmail.com>

इंदौर: हरियाली अमावस के अवसर पर दिनांक 17 जुलाई, 2023 को धार कोठी परिसर में नगर निगम द्वारा पर्यावरण बचाओं एवं वृक्षारोपण का कार्यक्रम



आयोजित किया गया। जिसमें हमारे भार्गव परिवार की ओर से श्रीमती पायल, श्री आशीष, श्रीमती रुचि, डॉक्टर सलिल एवं उनके परिवारजनों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर उन्हें महापौर श्री पुष्यमित्र जी की ओर से प्रशस्ति-पत्र भी प्रदान किया गया है।

— प्रदीप भार्गव, <pkbhargava20@gmail.com>.

निधन

प्रयागराजः श्रीमती शकुन्तला भार्गव (पत्नी स्व. महेन्द्र नाथ जी भार्गव) का निधन 27-05-2023 को हो गया था। शोकाकुलः मनोज भार्गव (पुत्र), मो. : 9453268383, अजीत भार्गव (पुत्र), मो. : 9335153454, 9415214613 नाथ चश्मेवाले प्रयागराज।

●
कानपुरः श्रीमती विजय, धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री महेन्द्र नाथ जी आगरा निवासी का स्वर्गवास दिनांक 19-05-2023 को कानपुर में हो गया। शोकाकुलः पुत्र श्री रोहित (मो. : 9837500252)।

●
कानपुरः श्री आशीष जी, पुत्र स्वर्गीय श्री कुमार जी कानपुर निवासी का स्वर्गवास 21-05-2023 को हो गया है। शोकाकुलः माँ श्रीमती मालती एवं भाई श्री तरूण (मो. : 8655221111)।

●
कानपुरः श्रीमती आशा, धर्मपत्नी स्वर्गीय लक्ष्मण प्रसाद का स्वर्गवास 28-05-2023 को हो गया है। शोकाकुलः पुत्री अंजलि, कानपुर (मो. : 8853188206) एवं अपर्णा इंदौर।

●
कानपुरः श्री कैलाश नाथ, पुत्र स्वर्गीय राजेन्द्र नाथ, मनीराम बगिया निवासी का स्वर्गवास 2-06-2023 को हो गया है। शोकाकुलः भाई अशोक जी (लखनपुर, कानपुर)।

●
जयपुरः श्रीमती सरोज, पत्नी श्री ओम प्रकाश (एल.आई.सी.), निवासी 3-ज-1, जवाहर नगर का देवलोक गमन 21-05-2023 को हो गया है (सम्पर्कः 9929820258)। शोकाकुल परिवारजन्यः प्रवीण-नीति (पुत्र-पुत्रवधू); श्रीमती कुसुम (देवरानी); स्मिता-संजय, सीमा-वरूण (पुत्री-दामाद); प्रदीप, भार्गव पत्रिका]

मधु, मीनाक्षी, अभिताभ-सोनाली (भतीजा-भतीज बहू); विद्या, प्रभा (ननद); डॉ. सोम्या, अंकुर (पुत्री-दामाद); तन्मय (पुत्र); स्वप्निल, निष्ठा, सलिल, रूपाली, पूर्णिमा (दोहता-दोहती)।

जयपुरः श्रीमती प्रेम कुमारी

पत्नी स्व. बैकृष्ण नाथ, निवासी डी-11, आनन्द विहार, जगतपुरा का देवलोक गमन दिनांक 26-05-2023 को हो गया है। शोकाकुल परिवारजन्यः अखिलानन्द-रश्मि (पुत्र-पुत्रवधू); अपूर्व-वीनू (पोत्र-पोत्रवधू); उमा, शमा-कुलदीप, सामा-कृष्णदत्त (पुत्री-दामाद); नीतिका, कार्तिक, पंकज, रितू (भतीजे-भतीज वधू); आकांक्षा, अनूप, संदीप, अल्पना, सौमित्र, मनीला, कर्णदत्त, अर्पणा, शिवानी, वरूण, हर्ष एवं समस्त भार्गव भवन परिवार। (सम्पर्कः 9414326669)



जयपुरः श्रीमती आशा

पत्नी स्व. इंजीनियर डी.के. भार्गव निवासी कृष्ण पैलेस, सीतावाली फाटक के पास, बेनाड रोड का देवलोक गमन 25-06-2023 को हो गया है। शोकाकुल परिवारजन्यः मनोज, नितिन, सिद्धार्थ, चेतन्य, ध्रुविका, नितिका।



जयपुरः श्रीमती कमला

रिटायर्ड उपनिदेशक, समाज कल्याण विभाग का देवलोक गमन 25-06-2023 को हो गया है (सम्पर्कः 9886128283)। शोकाकुल परिवारजन्यः प्रशांत-पूजा (पुत्र-पुत्रवधू); सौरभ (पुत्र); रुची-योगेश नरूला (बेटी-दामाद); तेजस्वी, अर्थवर्त (पौत्री, पोत्र); पुष्पा (बहन)।

●
जयपुरः श्रीमती ललिता, पत्नी स्व. हरिनारायण का देवलोक गमन 29-06-2023 को हो गया है।

शोकाकुल परिवारजन्यः रेखा (पुत्री);
मनभर दयाल (भ्राता); लोकेश,
तरूण, सुन्दर, आलोक (भतीजे)।



•
जयपुरः श्रीमती मंजु, पत्नी स्व.



टी.एन. भार्गव, निवासी 5-ग-26,
जवाहर नगर का देवलोक गमन
4-07-2023 को हो गया है
(सम्पर्कः 9929618693)।
शोकाकुल परिवारजन्यः अनुपमा
(पुत्रवधू); अक्षत, मुस्कान (पोत्र-पौत्री); रूमा-राहुल
(पुत्री-दामाद)।

•
जयपुरः श्रीमती शोभना, पत्नी स्व. बिजेन्द्र कुमार
निवासी 963, रामनगर, शास्त्री नगर
का देवलोक गमन धीरज इन्सीटिनिआ,
कलीना, सांताक्रुज, मुंबई में
6-07-2023 को हो गया है
(सम्पर्कः 7506943621)।



शोकाकुल परिवारजन्यः अनुराग-शुची (मुंबई)
(पुत्र-पुत्रवधू); पराग-पायल (पुत्र-पुत्रवधू); निखिल,
विभोर, अंतरा (पोत्र-पौत्री)।

•
जयपुरः श्री कौशल किशोर, पुत्र स्व. काँति प्रसाद
निवासी जी-34, नन्दपुरी, सोडाला का देवलोक



गमन 13-07-2023 को हो गया है
(सम्पर्कः 8875013365)।
शोकाकुल परिवारजन्यः दीपेश-रेणु
(पुत्र-पुत्रवधू); निधि-अपूर्व
(पुत्री-दामाद); नरेश, सुरेश (भाई);
निलेश, तरूण (भतीजे); सान्धी, प्रव्या (पौत्री);
अर्णव (नाती)। उपरोक्त आठों समाचारों के प्रेषक
श्री तरूण भार्गव, सचिव-जयपुर भार्गव सभा।

•

आगरा: श्री सुधीर, सुपुत्र श्रीमती चन्द्र कान्ता
(मुन्नी) - श्री नरेन्द्र कुमार, फाटक सूरज भान,
बेलनगंज आगरा का निधन 13-05-2023 को
आकस्मिक हो गया है। आप पिछले कुछ दिनों से
अस्वस्थ थे। श्री सुधीर ने अपने पीछे अपनी पत्नी
श्रीमती सरोज, सुपुत्र श्री तनिष्क एवं सुपुत्री भूमि को
छोड़ा है। आपकी एक बहन श्रीमती सोनिया (गुड़िया)
एवं बहनोई श्री पंकज (चश्में एवं घड़ी के व्यवसायी)
कोसी निवासी हैं। आप भार्गव सभा आगरा के पूर्व
अध्यक्ष पं. शिवकुमार 'सुमन' के भाँजे एवं यूसुफ
सराय, नई दिल्ली निवासी श्री कुंदन लाल जी के
भतीजे थे। आपके ममेरे भाई श्री मनोज, श्री अभिनव
(मांटू) एवं अनुभव हैं। प्रेषकः पं. शिवकुमार भार्गव
'सुमन' (पत्रकार), रूप कैलाश वाटिका, 80-ए,
पुरानी विजय नगर कॉलोनी, आगरा-282004, उ.प्र.
(मो.: 9837702034)।

With best compliments from

RAKMO
PRESS PVT. LTD.

Directors : RAKESH BHARGAVA, MUKESH BHARGAVA

C-59, Okhla Industrial Area, Phase-I, New Delhi-110 020

E-mail: rakkmopress06@gmail.com • design.rakkmopress@gmail.com

Mobile: (Rakesh) 9810193546 • (Mukesh) 9811057582

Residence : G-277, Sarita Vihar, New Delhi-110 076

Phones: 26948987 • 26974258

हमारी स्थानीय सभाएँ

- स्थानीय सभाओं की बैठकों का विवरण संक्षिप्त, 200 शब्दों में, होना चाहिए।
- सभी प्रकाशन सामग्री सभा कार्यालय में प्रत्येक माह की 15 तारीख से पूर्व मिल जानी चाहिये।
- भार्गव पत्रिका हेतु सामग्री ईमेल <abbsbhargavapatrika@gmail.com> पर ही भेजें।

लखनऊ: कार्यकारिणी बैठक; 18-06-2023 (रविवार); स्थान: निवास श्रीमती शैलजा जी, गोखले मार्ग; अध्यक्षता: श्री विवेक जी; उपस्थिति: 25

सभा का संक्षिप्त विवरण निम्नलिखित है:-

- सभा का प्रारम्भ ईश वंदना से किया गया।
- दिवंगत श्री देवेंद्र स्वरूप भार्गव जी के लिए 2 मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना की गयी।
- सचिव द्वारा पिछली कार्यकारिणी सभा का विवरण पढ़ा गया, जिसका सभी ने समर्थन किया।
- सचिव द्वारा अवगत कराया गया कि सदस्यों के पहचान-पत्र कार्ड का डेटा चेकिंग कार्य भी पूरा किया जा चुका है और आशा है कि 30, जुलाई तक सबके कार्ड तैयार हो जाएँगे।
- अगले तीन माह में किये जाने वाले कार्यक्रमों पर विचार-विमर्श हुआ और यह तय हुआ कि जुलाई माह में मेडिकल शिविर का आयोजन लखनऊ भार्गव सभा द्वारा निःशुल्क आयोजित किया जाएगा।
- अगस्त माह में सावन महोत्सव 'एक मनोरंजक शाम' मनाने की रूपरेखा तैयार की गयी, जिसकी tentative डेट 13-08-2023 दिन रविवार, समय शाम 4.30 बजे से रखना तय हुआ। जिसके लिए ड्रेस कोड हरा व बंधेज रंग का विचार दिया गया। कार्यक्रम सभा की ओर से आयोजित करने का फैसला किया गया।
- सचिव ने सूचित किया कि लखनऊ भार्गव सभा के बैंक खाते में नई कार्यकारिणी के अनुसार पदाधिकारियों के नाम सभी औपचारिकताएँ पूरी करते हुए संशोधन करा दिया गया है।
- तत्पश्चात् सचिव द्वारा शिक्षा समिति एवं समाज कल्याण समिति के फॉर्म जिन लोगों को दिए गये एवं भरकर अब अखिल भारतीय भार्गव सभा को भेजे जा रहे हैं, का सम्पूर्ण विवरण कार्यकारिणी को अवगत कराया।

समस्त कार्यकारिणी ने अपनी सहमति जताई। अंत में राष्ट्रीयगान गाया गया और सभा की समाप्ति की गई। श्रीमती शैलजा जी द्वारा सभा हेतु की गयी अति सुन्दर व्यवस्था व स्वादिष्ट एवं उत्तम भोजन के हेतु सचिव कु. चित्रा ने सहदय धन्यवाद दिया।

बी.सी.सी. श्री साईधाम अपार्टमेंट, फ्लैट न. 402, निशातगंज,
लखनऊ-226006, मो.: 9335916400, 9415007853

कुमारी चित्रा भार्गव
सचिव

(लखनऊ भार्गव सभा की उक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 12-07-2023 को प्राप्त हुई है।)

भार्गव पत्रिका]

(97)

[जुलाई, 2023



स्थानीय भार्गव सभा

रेवाड़ी: समर कैंप का आयोजन; स्थान: सी.एस.टी. कॉम्प्लेक्स

रेवाड़ी भार्गव सभा और रेवाड़ी भार्गव युवा संघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित उक्त कैंप जो 10 दिन से चल रहा था। आज उसका समापन रेवाड़ी भार्गव सभा और रेवाड़ी भार्गव युवा संघ के गणमान्य व्यक्तियों द्वारा किया गया। समापन की शुरुआत भगवान गणेश जी का पूजन और दीप प्रज्वलित करके किया गया। गणेश जी को माल्यार्पण श्री विकेश, प्रधान (रेवाड़ी भार्गव सभा), एवरसेट प्लाजा से श्रीमती कल्पना,



श्रीमती रुचि (भठिंडा), श्री सौरभ प्रधान (रेवाड़ी भार्गव युवा संघ), श्री चिराग, सचिव (रेवाड़ी भार्गव सभा), श्री प्रतीक, सचिव (रेवाड़ी भार्गव युवा संघ), पूर्व अखिल भारतीय भार्गव सभा के कार्यकारिणी सदस्य श्री सुनीत जी, श्री दीपेश जी, श्री सुमित जी, श्री देवांग जी, खजाँची (रेवाड़ी भार्गव युवा संघ), पूर्व प्रधान (रेवाड़ी भार्गव सभा) श्रीमती सुमिता जी और श्रीमती सुधा जी और पूर्व प्रधान रेवाड़ी भार्गव युवा संघ श्रीमती पूजा जी, श्रीमती रूपाली जी और हमारे स्किल पार्टनर श्रीमती नेहा जी, श्रीमती पल्लवी जी, श्रीमती आकृति जी, श्रीमती प्रिया जी द्वारा किया गया। श्रीमती कल्पना (एवरसेट प्लाजा) द्वारा बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया।

इस आयोजन पर सभी ने अपने विचार रखे और सभी ने एक ही संदेश दिया की, रेवाड़ी भार्गव सभा और रेवाड़ी भार्गव युवा संघ बधाई के पात्र हैं। जिन्होंने इतने कम समय में एक समर कैंप का आयोजन किया और उनके अधिकारियों ने अपने इतने व्यस्त समय में से समय निकाल कर समाज को दिया। समाज इन सभी का और मुख्यता हमारे डाँस गुरु, कुकिंग गुरु, कैरियर काउसलिंग गुरु का बहुत-बहुत आभार व्यक्त करते हैं। सभी के सहयोग से ही यह कार्यक्रम इतना सफल हो पाया है। बच्चों के डाँस प्रस्तुति ने सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। बच्चों ने अपनी गुरु दीक्षा डाँस गुरु आकृति जी और कुकिंग गुरु नेहा जी व प्रिया जी को अपनी-अपनी प्रस्तुति दी। बच्चों ने अपनी कला से सभी को मोहित कर लिया।

हमारे बच्चे, सुहानी लतासा, मासूम, डॉली, मान्या, नव्य, प्राणिका, प्रत्यक्ष, हिमांक, रिशु, किरधा, मास्टर आर्यन और श्रीमती कल्पना जी, गीता जी, अंकुर जी, मुस्कान, मयूर, पर्व, गरिमा, रिया, हर्ष और पंजाब भठिंडा से आई श्रीमती रुचि और उनकी बड़ी बेटी और अन्य लोग भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम के अंत में सभी महागुरुओं को उनकी इस निःशुल्क सेवाओं हेतु, उन्हें एक बहुत ही सुंदर गिफ्ट रेवाड़ी भार्गव सभा और रेवाड़ी भार्गव युवा संघ के द्वारा दिया गया।

बच्चों को भी गिफ्ट और चॉकलेट देकर उनको भी पुरस्कृत किया गया और सभी को स्वादिष्ट जलपान भी कराया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक श्री अनिल (नगर प्रभारी), श्री सुनील जी, श्री विजय जी (एवरसेट प्लाजा) के द्वारा गिफ्ट और जलपान की व्यवस्था की गई। रेवाड़ी भार्गव सभा और रेवाड़ी भार्गव युवा संघ द्वारा इन सभी को धन्यवाद दिया गया। उन्होंने कहा कि वो ऐसे कार्यक्रम में हमेशा सहयोग करते रहेंगे। कल्पना जी ने कहा कि वो बच्चों का इतना अच्छा डाँस देखकर बहुत खुश हुई। वो आगे भी ऐसे और प्रोग्राम भी करना चाहेंगे और हमारा पूरा परिवार ऐसे ही कार्यक्रम में अपना सहयोग देता रहेगा।

— चिराग भार्गव, सचिव, मो.: 9416817378

(रेवाड़ी भार्गव सभा की उक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 01-07-2023 को प्राप्त हुई है।)

स्थानीय भार्गव सभा

अजमेर: कार्यकारिणी बैठक; 2-7-2023, सायं 4.00 बजे से; स्थान: चाणक्य स्मारक स्थित ग्रीन हाउस, पंचशील; संरक्षक: श्री रविन्द्र कुमार जी; अध्यक्षता: श्री संजय जी; उपस्थिति: 18

सर्वप्रथम इश बन्दना की गई, इसके उपरान्त सचिव द्वारा दिनांक 07-05-2023 की कार्यकारिणी की बैठक के मिनिट्स सदन में पढ़कर सुनाए गए, जिसका सदस्यों ने सर्वसम्मति से अनुमोदन कर दिया, साथ ही समन्वय समिति को उनके द्वारा भेजे गए पत्र के प्रति उत्तर से भी सदन को अवगत कराया, जिससे भी सभी सदस्यों ने अपनी सहमति प्रदान की।

एजेंडानुसार सचिव ने पुष्कर में 5 जुलाई, 2023 से 11 जुलाई, 2023 तक चलने वाली प्रदीप मिश्रा जी द्वारा की जाने वाली शिवपुराण कथा के श्रवण हेतु भार्गव आश्रम में ठहरने वाले श्रद्धालुओं के लिए आश्रम व्यवस्थाओं पर सदस्यों से अपने विचार रखने को कहा ताकि श्रद्धालुओं को असुविधा न हो, सदस्यों ने अपनी राय देते हुए कहा कि श्रद्धालुओं के लिए टिफिन सेन्टर से भोजन व्यवस्था कराई जाए एवं चाय नाश्ता की व्यवस्था आश्रम में ही उपलब्ध हो, जिसका भुगतान स्वयं श्रद्धालुजन करेंगे। आश्रम के ए.सी. कमरों के, ए.सी. की सर्विस व नॉन ए.सी. कमरों में कूलर की सर्विस व अन्य रिपेयर कार्यों को श्री दीपक (बैंक कॉलोनी) अपनी टीम द्वारा 4 जुलाई तक पूर्ण करा देंगे, का कार्यभार उन्हें सौंपा गया।

श्री पुनीत के आश्रम सम्बन्धी प्रस्ताव कि आश्रम का एक कमरा किराए पर किसी पेशेवर व्यक्ति को देना चाहिए, जिससे आश्रम को नियमित आय का स्रोत प्राप्त हो, सभी सदस्यों का मत था कि इसे करना उचित नहीं होगा फिर भी सभा इस सम्बन्ध में विधिक राय ले लें।

आश्रम की आय नियमित हो इस सम्बन्ध में सदस्यों में सर्वश्री नीरज, दीपक, प्रतीक व अन्य की राय थी कि आश्रम में बुकिंग कार्य ऑनलाइन हो ताकि नियमित रूप से आश्रम में यात्रियों से कमरे बुक रहे, जिसके लिए भी विधिक राय ली जाए, जिससे कोई कानूनी व्यवधान उत्पन्न ना हो।

शिक्षा समिति से छात्रवृत्ति प्राप्त करने हेतु कु. साक्षी के प्रार्थना पत्र को सचिव ने कार्यकारिणी के समक्ष अनुमोदन हेतु रखा एवं प्रार्थी की आर्थिक स्थिति से भी सभा को अवगत कराते हुए बताया कि गत वर्ष भी प्रार्थी ने छात्रवृत्ति प्राप्त कर अपनी शिक्षा का सफर जारी रखा है। चर्चा के बाद सदस्यों ने प्रार्थी के प्रार्थना पत्र का अनुमोदन कर दिया।

सभा के सामाजिक कार्यों की शृंखला में जरूरतमंद व्यक्तियों को सभा की ओर से भोजन की व्यवस्था करने का प्रस्ताव सचिव ने अध्यक्ष की अनुमति से सदन में रखा, जिस पर सदस्यों की राय थी कि किसी संस्था की बजाये इस बार यह कार्य सार्वजनिक स्थल पर कराया जावे, जिसके लिए बस स्टेण्ड के सामने स्थित भोजनालय के पास रविवार, दिनांक 16-07-2023 को इस नेक कार्य को किया जाना सुनिश्चित किया गया। साथ ही यह भी निर्णय किया गया कि अगस्त माह में सभा की पिकनिक आयोजित करनी है। इस बाबत् सदस्य अपनी राय से 15 दिन के भीतर सचिव को अवगत कराएँगे, ताकि आगामी बैठक में इस पर निर्णय लिया जा सके।

श्री दीपक-ऋतु के सुपुत्र अमर्त्य जी व उनकी टीम ने हाल ही में एक ऐप बनाई है, जिसका उद्देश्य स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को शिक्षा कार्यों में आने वाली समस्याओं का समाधान तुरन्त मिल जावेगा, जिससे उनके शिक्षा कार्यों में सुगमता आवेगी, के लिए सभा की ओर से शुभकामनाएँ प्रेषित की गई एवं अमर्त्य जी के उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की गई।

स्थानीय भार्गव सभा

सभा के अन्त में सचिव द्वारा सभी सदस्यों का आभार प्रकट किया गया। जलपान की व्यवस्था सचिव द्वारा की गई।

सी-584, शिवकृपा निवास, नीति पथ, पंचशील नगर,
अजमेर, मो.: 9413762465

अत्रि भार्गव
सचिव

(अजमेर भार्गव सभा की उक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 04-07-2023 को प्राप्त हुई है।)

जयपुर: रंगारंग कार्यक्रम के साथ ग्रीष्मकालीन शिविर-2023 का समापन; 05-06-2023 से 17-06-2023; स्थान: महर्षि भृगु सदन, सुन्दर मार्ग, तिलक नगर

जयपुर भार्गव सभा व भार्गव महिला सभा द्वारा संचालित व भार्गव युवा संघ के सहयोग से उक्त दिनांक को जयपुर में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन सम्पन्न हो गया। कार्यक्रम का समापन उपस्थित वरिष्ठ महिलाओं द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। शिविर के दौरान गुणवत्ता युक्त सिखायी गयी, विद्याओं में नृत्य व स्त्रोत की विद्याओं के रंगारंग कार्यक्रमों ने प्रशिक्षणार्थियों द्वारा संजोई प्रस्तुतियों ने बिपर जॉय तूफान की शंकाओं के बीच खुले मंच पर भी सभी का मन मोह लिया।



जयपुर से 120 कि.मी. दूर से जाते हुए बिपर जॉय तूफान की ढंडी बयार ने मौसम को और भी खुशनुमा बना दिया था। कॉमनवेल्थ गेम्स में भरतीय ग्रुप का व एशियाड में राजस्थान ग्रुप का प्रतिनिधित्व करने वाली नृत्य गुरु श्रीमती मंजु द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को सिखाये भारतीय परम्पराओं के नृत्य के माध्यम से गणेश वन्दना के साथ

कार्यक्रम का प्रारम्भ कर राजस्थानी नृत्य व डॉँडिया की प्रस्तुति ने सांस्कृतिक फयूज़न का सुन्दर उदाहरण प्रस्तुत किया। संगीत गुरु मास्टर प्रियांश ने 4 साल के बच्चे द्वारा ढोलक पर ताल कहरवा व दादरा की रोमांचक प्रस्तुति के साथ केसिओ, हारमोनियम की संगत में वन्दे मातरम व “जब कोई बात बिगड़ जाये.... से सुरमयी संगीत का सुन्दर समा बाँधा। केलीग्राफी के गुरु अशोक वर्द्धन ने अक्षरांकन



कला के गुर बताये, उन्हें उनके प्रभावी प्रशिक्षण पर सम्मानित किया गया। को आर्ट एण्ड क्राफ्ट की गुरु भार्गव पत्रिका]

स्थानीय भार्गव सभा

श्रीमती रीना द्वारा प्रशिक्षणार्थियों ने मौलिक सृजन कर गर्मियों की छूटिटियों को सार्थक करते हए, जूट आर्ट, लिप्पन आर्ट, मेक्रामे आर्ट, टेरेजो आर्ट में दक्षता प्राप्त कर बनाये हुए, आईटमों का प्रदर्शन भी किया जिसे आगन्तुकों ने बहुत ही अधिक सराहा। पाक कला की गुरु श्रीमती सीमा जैन द्वारा सिखाई गयी। आईसक्रीम, बिस्किट्स, गुलाब जामुन, लच्छेदार परांठे व पनीर लबाबदार की सब्जी, केक इत्यादि के गुर सीखे तथा सभी प्रशिक्षणार्थियों ने समापन के अवसर पर स्वयं के द्वारा तैयार आईटम से आगन्तुकों को अपनी पाक कला का सुनदर उदाहरण प्रस्तुत किया।

समापन कार्यक्रम का संचालन श्रीमती उर्मिला, अध्यक्षा, भार्गव महिला सभा ने किया। सचिव श्रीमती अनिता ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। अन्त में सभी को सुन्दर जलपान कराकर कार्यक्रम का समापन हुआ।

बी-86, अनुप विला, सूर्य मार्ग, तिलक नगर, जयपुर-302004

मो.: 9414070878

अनिल भार्गव

अध्यक्ष

(जयपुर भार्गव सभा की उक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 13-07-2023 को प्राप्त हुई है।)

दिल्ली: कार्यकारिणी बैठक; 2-7-2023, सायं 4.00 बजे से; स्थान: निवास श्री दीपक जी एवं श्रीमती आरती जी, 75, अग्रोहा कुंज, रोहिणी; अध्यक्षता: श्रीमती नीरा जी; उपस्थिति: 34

ईश वन्दना का सभी सदस्यों ने स्वयं उच्चारण किया। ज्ञान चर्चा में श्री कमलेश्वर जी द्वारा चर्चा की गई।

सचिव श्री अजय द्वारा गत बैठक की रिपोर्ट पढ़कर सुनाई, जो सर्वसम्मति से पास की गई। अखिल भारतीय भार्गव सभा की आगामी बैठक 8 अक्टूबर, 2023 को Ipex Bhawan I.P. Extension में करवाने का फैसला किया गया। सबको इस कार्य को सम्पन्न कराने हेतु सभी कार्यकारिणी सदस्यों को जिम्मेदारी दी गई।

परशुराम जयन्ती के कार्य को श्री बालकिशन जी के नेतृत्व में श्री दीपक जी, श्री चेतन जी द्वारा बहुत सुचारू रूप में सम्पन्न किया, इस कार्य हेतु सभा की ओर से उनका धन्यवाद किया गया। श्री देवेन्द्र जी ने सुझाव दिया कि सभा उन्हें धन्यवाद का एक पत्र प्रदान करें। सभी सदस्यों द्वारा इस प्रस्ताव को सहर्ष स्वीकार किया।

वित्त समिति की पहली बार एक मीटिंग 4 जून, 2023 को श्री राजीव जी के निवास स्थान पर की गई, जिसमें समिति के सभी सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की। उसकी रिपोर्ट पढ़कर सुनाई गई।

समाज कल्याण की मीटिंग भवन में रखी गई। वहाँ सभी सहायता प्राप्त सदस्यों को आमंत्रित किया गया व फॉर्म भरवाये गये। एक सदस्य का फॉर्म गल्त पाया गया जो नहीं भेजा गया। यह मीटिंग श्री नरेन्द्र जी दरियागंज द्वारा प्रायोजित थी, सभा की ओर से उनका धन्यवाद किया गया एवं उन्हें धन्यवाद का एक पत्र प्रदान किया जाएगा।

चरणदास दिवस 17 सितम्बर, 2023 को 12.00 बजे से चरखेवालन में श्री राजीव जी के परिवार द्वारा स्थापित मंदिर में भंडारा आयोजित किया जायेगा, जिसके लिये सदस्यों द्वारा उत्साहजनक रूप में सहयोग राशि प्रदान की, जिनके नाम की सूची संलग्न है।

डायरेक्ट्री के संयोजक संजीव जी ने बताया कि इस कार्य को तीन चरण में किया जाना है। सर्वप्रथम सभी 6 उपप्रधान को उनके क्षेत्र के हिसाब से लिस्ट ठीक करने हेतु दी थी, लेकिन अधिकतर सदस्यों ने इस काम में अपनी रुचि नहीं दिखाई। प्रधान नीरा जी ने सभी से इस कार्य में सहयोग देने हेतु कहा, साथ ही उन्होंने कहा कि जो समिति के सदस्य काम नहीं कर रहे हैं, उनके नाम न छापे जाएँ। केवल काम करने वालों के नाम दिए जाएँ। नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम के सदस्यों के विषय में जो हमारे सदस्य दिल्ली से जुड़े रहना चाहते हैं और वहाँ के सदस्य नहीं हैं, केवल उनके नाम दिए जाएँ। सभी को डायरेक्ट्री हेतु विज्ञापन एकत्र करने हेतु कहा गया।

भार्गव पत्रिका]

(101)

[जुलाई, 2023

स्थानीय भार्गव सभा

सभी सदस्यों को अपनी सहयोग राशि 6 अगस्त, 2023 को आनन्द जी के निवास स्थान पर होने वाली बैठक में लानी है।

अन्त में स्वादिष्ट जलपान हेतु श्री दीपक जी एवं आरती जी को धन्यवाद दिया गया। श्री सुभाष-श्रीमती सविता जी को भी अपने घर के आम वितरण हेतु धन्यवाद दिया गया।

112-बी, सरस्वती कुंज, प्लॉट नं. 25, आई.पी. एक्स्टेंशन, दिल्ली-110092
दूरभाष: 9810380343

अजय भार्गव
मुख्य सचिव

(दिल्ली भार्गव सभा की उक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 17-07-2023 को प्राप्त हुई है।)

रायबरेली: साधारण बैठक; 08-07-2023 (शनिवार), सायं 8.00 बजे से; स्थान: होटल पायल; अध्यक्षता: श्री सुधीर जी; उपस्थिति: 21

ईश चंदना के साथ पिछली बैठक की पुष्टि की गयी। अध्यक्ष श्री सुधीर जी ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। उपस्थिति पुरस्कार श्रीमती ममता को मिला।



अधिकारी श्रीमती आभा को बनाया गया।

तम्बोला का आनंद लिया गया। स्वादिष्ट भोजन हेतु श्री सुधीर और श्रीमती मोना जी को धन्यवाद दिया गया।
श्री लक्ष्मी मेडिकल स्टोर, जे.जे. प्लाजा मार्केट, कचेहरी रोड, रायबरेली
मो.: 9335802350

अजय भार्गव
सचिव

(रायबरेली भार्गव सभा की उक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 09-07-2023 को प्राप्त हुई है।)

बीकानेर: निर्जला एकादशी-केसर कुल्फी का वितरण; 31-05-2023 (बुधवार); स्थान: भार्गव भवन

“प्रचण्ड हैं, अखण्ड हैं, सर्व शक्तिमान हैं, भगवान परशुराम जी की संतान हैं,
दान पुण्य में हम भार्गव महान हैं,

क्षत्रियों को कई बार भूमि जीतकर दान दी, हम ऐसे दान वीर योद्धा की संतान हैं”

निर्जला एकादशी पर शीतल पेय पदार्थों का दान सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए, बीकानेर भार्गव सभा ने उक्त दिनांक को प्रसिद्ध केसर कुल्फी का वितरण जनता के बीच किया गया। गर्मी में



स्थानीय भार्गव सभा

ठंडी-ठंडी कुलफी खाकर जो जनता के चेहरे पर मुस्कुराहट एवं संतुष्टि के भाव दिखे, उनका वर्णन शब्दों में नहीं किया जा सकता। हमारे भार्गव सदस्यों के लिए शुगर फ्री कुलफी एवं गुलकंद कुलफी मँगवाई गई। सभी ने कुलफी का लुत्फ उठाया तथा सभी दान-पुण्य के सेवा कार्य कर आनंदित हुए तथा अगले वर्ष इससे भी अधिक करने का संकल्प लिया। जिन दानदाताओं के कारण यह कार्यक्रम सफल हुआ उनका वर्णन नहीं करू तो अतिशयोक्ति होगी।

1100/- 1100/- रुपये दिये:- श्री संदीप भार्गव (अध्यक्ष जी), श्री सुरेश जी, श्री अविनाश जी, श्री रमेश जी, श्री दिनेश जी, श्री राजेन्द्र नाथ जी, स्व. श्री विनोद जी के परिवार ने तथा 500/- 500/- रुपये निम्न व्यक्तियों ने दिये:- साधना जी, सुधीर जी, कवीश जी, गजेन्द्र जी, विशाल (गाँधी नगर), विशाल (मनीमर बांस), उमेश जी, अनिल जी ने दिये। इस दिन जनता ने भार्गव भवन में वाटर कुलर लगाने के लिए भी कहा, जिससे राहगीरों को ठंडा पानी मिल सके।

शिव मंदिर के पीछे, सुभाषपुरा, बीकानेर, मो.: 9214486091

आशीष भार्गव, सचिव

(बीकानेर भार्गव सभा की उक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 02-07-2023 को प्राप्त हुई है।)

गुरुग्राम: कार्यकारिणी की प्रथम बैठक, सत्र 2023-25; रविवार 16-7-2023; स्थान: मीडिया सेंटर ऑडिटोरियम; अध्यक्षता: श्री लोकेश भार्गव जी; उपस्थिति: 75

कार्यक्रम का आयोजन तीज एवं जन्माष्टमी पर्व के उपलक्ष्य में किया गया था।

श्री प्रदीप भार्गव जी के आकस्मिक निधन होने के कारण सभा द्वारा 2 मिनट का मौन रखकर उनको भावभीनी श्रद्धांजलि दी गयी। सर्वप्रथम ईश वंदना से बैठक की कार्यवाही प्रारम्भ की गई।



प्रारम्भ के अनुसार कु. सहर भार्गव ($5\frac{1}{2}$ वर्ष) द्वारा गणेश एवं शिव स्तुति वंदन के संग पदाधिकारियों द्वारा श्री गणपति जी को माल्यार्पण किया गया। कु. अदिति (7 वर्ष) द्वारा गणेश वंदन कर श्री गणेश जी का आव्हान किया गया। कु. वाणी ($5\frac{1}{2}$ वर्ष) ने कैसियो बजाकर सबका मन मोह लिया।

मंच का सशक्ति

संचालन डॉ. नलिनी भार्गव द्वारा किया गया।

राधा कृष्ण और गोपियों के खूबसूरत एवं मनमोहक सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति आराधना जी, रुचि जी, संगीता जी, अंजू जी, रीता जी एवं अमिता जी (लोकेश) द्वारा की गई। सभी सदस्यों ने करतलध्वनि द्वारा सभी सहभागियों का उत्साह बढ़ाया।

सामूहिक गायन में आराधना जी साधना जी अंजू जी और संध्या जी ने अपनी मधुर ध्वनि से सभी को मंत्रमुग्ध करा। अमिता जी (राजेन्द्र मोहन), रक्षा जी एवं अपर्णा जी ने अत्यंत खूबसूरत एकल नृत्य प्रस्तुत किये। पहली बार किए गए (नानी-नातिन के युगलबंदी नृत्य) नानी-नलिनी जी और प्यारी सी नातिन-सहर भार्गव पत्रिका]

(103)



[जुलाई, 2023

स्थानीय भार्गव सभा

के मनमोहक नृत्य ने सबका दिल जीत लिया। श्री विष्णु जी और नीरा जी ने अपने सुंदर गायन से सबको आनंदित किया। कर्नल मुकेश भार्गव जी ने बॉलीवुड के गीतों पर सरप्राइस युगल डांस करवाया, जिसका सबने भरपूर आनंद लिया।

अब बारी थी भार्गव युवा संघ के हाथों में कमान सौंपने की। सचिव राहुल और अध्यक्ष पुनीत ने 10वीं और 12वीं के बच्चों को सर्टिफिकेट देकर प्रोत्साहित किया।

गुरुग्राम भार्गव सभा की ओर से गुरुग्राम भार्गव सभा के अध्यक्ष श्री लोकेश भार्गव जी द्वारा श्री विष्णु भार्गव जी और डॉ. हिमानी जी (मीडिया सेंटर) का आभार व्यक्त किया गया, जिन्होंने सभा को इस कार्यक्रम को कराने के लिए सुंदर स्थान उपलब्ध कराया।

अंत में सचिव रुचि जी द्वारा सबको धन्यवाद देते हुए स्वादिष्ट भोजन करने के आग्रह के साथ सभा का समापन किया गया।

A-89, 1st फ्लोर, विपुल वल्ड, सैक्टर-48, गुरुग्राम-122018

रुचि भार्गव, सचिव

(गुरुग्राम भार्गव सभा की उक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 19-07-2023 को प्राप्त हुई है।)

कानपुरः (1) शरबत वितरण का कार्यक्रम; 23-05-2023 (मंगलवार), प्रातः 10.00 बजे से 12.00 बजे तक; स्थानः जनरलगंज

कानपुर भार्गव सभा द्वारा शरबत वितरण का कार्यक्रम उक्त दिनांक को किया गया, जिसमें 1200 से अधिक लोगों ने शरबत वितरण का आनंद लिया। शरबत वितरण, सचिव, कानपुर भार्गव सभा श्री राजीव जी के सौजन्य से उनकी माता जी की जन्म तिथि के अवसर पर किया गया। उपस्थित सदस्यों में श्री पुनीत जी, श्री विनीत जी (बिरहाना रोड), श्री राजेश जी (हटिया), श्री विक्रम जी आदि उपस्थित रहे।

कानपुरः (2) अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का कार्यक्रम; 21-06-2023 (बुधवार), प्रातः 6.30 बजे से 7.00 बजे तक; स्थानः श्री द्वारिका प्रसाद भार्गव धर्मार्थ ट्रस्ट; उपस्थितिः लगभग 30

कानपुर भार्गव सभा एवं श्री द्वारिका प्रसाद भार्गव धर्मार्थ ट्रस्ट के संयुक्त तत्त्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य उक्त दिनांक को योग शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें आर्मत्रित श्रीमती वंदना पाराशर जी (योग टीचर) द्वारा योग के विभिन्न आसनों के माध्यम से सभी सदस्यों को नियमित योग करने के फायदे बताए गए।



अंत में श्रीमती वंदना पाराशर जी को धन्यवाद देते हुए पूर्व अध्यक्ष श्री भारत भूषण जी द्वारा स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया एवं सभी उपस्थित सदस्यों को स्वादिष्ट मट्ठे का वितरण किया गया। योग शिविर में मुख्य रूप से श्री चन्द्रशेखर, डॉ. रेनू, श्री अरूण, श्री विनीत आदि उपस्थित रहे।

55/115, जनरलगंज, कानपुर-208001

राजीव भार्गव, सचिव

(कानपुर भार्गव सभा की उक्त दोनों कार्यवाही सभा कार्यालय में 13-07-2023 को प्राप्त हुई हैं।)

स्थानीय भार्गव सभा

Ahmedabad: Executive Meeting; 14-06-2023 (Wednesday); Place: Residence of Shri Mohit, Prathna Greens, Sargasan, Gandhinagar; Attendance: 18

Everyone was welcomed to the Executive Committee meeting by the Secretary Mr. Atul.



Evening started remembering, Parushram ji & Bhrigu ji. Different measures were discussed to increase the membership and Mr. Mohit (Treasurer) and Divya (Youth Representative) were nominated to update the members complete details.

It was decided to have Teej Function on 27th August' 2023 with Cultural Function

having dance, songs, games, group dance etc. managed by Cultural Committee comprising of Mrs. Meenakshi, Mrs. Akanksha & Mrs. Anshita.

Pradeep ji President and Atul ji secretary of the Sabha thanked the host Mr. Mohit for the lovely dinner and smooth organizing of the meeting.

A-502, Keshav Aaradhyam, Opp. Radhe 111 Kudasan,
Gandhinagar, Gujarat-382421, (M): 7567075991

Atul Bhargava
Secretary

(Above report of Ahmedabad Bhargava Sabha received by Sabha Office on 14-07-2023)

गाजियाबादः अखिल भारतीय भार्गव सभा के सत्र 2023-25 की द्वितीय कार्यकारिणी बैठक; रविवार 9-7-2023; स्थानः रेडिसन बल्यू होटल, कौशांबी, गाजियाबाद

संगठन के 135 साल के इतिहास में पहली बार राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन गाजियाबाद में किया गया। गाजियाबाद भार्गव समाज समिति के सदस्यों ने देशभर से आए भार्गव समाज के गणमान्य लोगों का स्वागत किया।

कार्यकारिणी की बैठक से पहले हवन का आयोजन किया गया। अतिथियों ने हवन में आहुतियाँ देकर समाज के कल्याण की कामना की। इसके पश्चात् श्री गणेश जी की वंदना पेश की गई। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यकारिणी की बैठक का शुभारंभ किया गया। अखिल भारतीय भार्गव



स्थानीय भार्गव सभा

समाज के पूर्व अध्यक्ष श्री एस.एन. भार्गव, वर्तमान अध्यक्ष श्री नरेश जी, प्रधान सचिव श्री एच.एन. भार्गव, सचिव श्री उमेश, श्री प्रमोद, श्री अनिल RFC, श्री अरुण, श्री संजीव ने दीप प्रज्वलित कर कार्यकारिणी



बैठक का शुभारंभ किया। शुभारंभ के मौके पर उपाध्यक्ष श्री अनिल (गोपालपुरा), श्री दिनेश, श्री सुभाष, श्री सी.एस. भार्गव और श्री गिरीश जी उपस्थित थे।

बैठक में भार्गव समाज से जुड़े विषयों पर चर्चा की गई। साथ ही, वर्ष-2022-23 का वित्तीय लेखा-जोखा पारित

किया गया। समाज के उत्थान को लेकर सभी सदस्यों ने अपनी राय पेश की।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में अध्यक्ष श्री नरेश जी ने कहा कि भार्गव समाज का अधिवेशन हर साल होता है, जिसमें समाज से जुड़े कई विषयों पर चर्चा की जाती है। इस साल का राष्ट्रीय अधिवेशन हरियाणा के रेवाड़ी शहर में आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रीय अधिवेशन में देश भर से भार्गव समाज के 3000 से ज्यादा लोग शामिल होंगे।

कार्यकारिणी की बैठक में अलग-अलग शहरों से 93 सदस्यों ने भाग लिया। आयोजन समिति में श्री अमरनाथ, श्री प्रभात मुकुल, श्री नरेंद्र कुमार, श्री संजय (एडवोकेट), डॉ. धीरज कुमार, श्री अभिषेक, श्री राहुल, श्री अंचल, श्री अतुल, सुश्री वंदना, श्रीमती मनीषा और श्री प्रतीक और श्रीमती कोमल शामिल थे।

— डॉ. धीरज कुमार भार्गव, अध्यक्ष, मो.: 9810522380

(गाजियाबाद भार्गव सभा की उक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 09-07-2023 को प्राप्त हुई है।)

भोपाल: कार्यकारिणी बैठक; 11-06-2023; स्थान: होटल विज्ञाश्री; उपस्थिति: करीब 18

सर्वप्रथम भगवान परशुराम जी की फोटो पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन कर बैठक का शुभारंभ किया गया। उसके बाद ईश वंदना कर बैठक की कार्यवाही शुरू की गयी। अध्यक्ष श्री सुनील जी द्वारा बैठक में सभी सदस्यों का स्वागत कर अपना उद्बोधन दिया गया। आगे अध्यक्ष जी ने आगामी माह अगस्त में भोपाल भार्गव सभा की पिकनिक आयोजित करने के विषय में चर्चा की, श्री विश्वकांत जी को पिकनिक की जगह फाइनल करने हेतु अधिकृत किया गया।

अध्यक्ष जी ने आगे दिनांक 1 जुलाई को ब्लड डोनेशन कैंप, जो कि रोटरी क्लब द्वारा आयोजित किया जा रहा है। उसमें भोपाल भार्गव सभा के सदस्यों से सक्रिय रूप से सम्मिलित होने का आग्रह किया, साथ ही श्री विश्वकांत जी के प्लॉट पर वृक्ष रोपण करने का भी निश्चय किया गया। इस कार्यक्रम को श्री विश्वकांत जी के द्वारा दिनांक निश्चित कर संपन्न किया जाने का भी निर्णय लिया गया।

स्थानीय भार्गव सभा

इसके बाद बैठक को राष्ट्रगान के साथ समाप्त किया गया, सचिव विनोद द्वारा सभी सदस्यों का इस बैठक में उपस्थित होने हेतु धन्यवाद दिया गया। अंत में सभी सदस्यों ने स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया। पेपर ट्रेड लिंक्स, 307, तृतीय तल, आकांक्षा कॉम्प्लेक्स, जोन-1
एम.पी. नगर, भोपाल, मो.: 9826191334, <bhargava_vinod01@yahoo.co.in>
(भोपाल भार्गव सभा की उक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 15-07-2023 को प्राप्त हुई है।)

विनोद भार्गव
सचिव

जबलपुर: साधारण बैठक; 18-06-2023 (रविवार), सायं 5.30 बजे से; स्थान: निवास श्री योगेन्द्र जी, 10, शुभ लक्ष्मी रेजीडेन्सी नेपियर टाऊन; अध्यक्षता: श्रीमती मधु जी; उपस्थिति: 24

सभा की कार्यवाही ईश वंदना व सुंदर कांड के दोहे क्रमशः 11 से 15 तक पाठ से शुरू हुई। श्री अमर जी द्वारा जयपुर में आयोजित कार्यकारिणी बैठक की जानकारी दी गई, जिसमें जबलपुर से श्रीमती मधु जी को संयुक्त सचिव, धार्मिक शिक्षा समिति एवं सदस्य, समाज कल्याण समिति एवं शिक्षा समिति मनोनीत किया गया। सभी सदस्यों ने श्रीमती मधु जी को बधाईयाँ दी। श्री अमरनाथ जी द्वारा जानकारी दी गई कि उनके सुपौत्र एवं चि. रितेश एवं रुपल के सुपुत्र चि. नील ने 12वाँ क्लॉस में 97% अंक प्राप्त किये तथा स्नातक कोर्स हेतु उनका चयन Monash University Australia में हआ है। सभी सदस्यों द्वारा श्री अमरनाथ जी एवं श्रीमती मधु जी को बधाई दी।



श्री डॉ. महेश जी द्वारा तंबोला खिलाया गया, जिसका सभी सदस्यों ने भरपूर आनंद लिया। श्री देवेश एवं श्रीमती चारूल जी को उनकी शादी की सालगिरह पर बधाई दी गई। स्वादिष्ट जलपान हेतु श्री योगेन्द्र जी व उनके परिवार को सचिव द्वारा धन्यवाद दिया गया।

सभा के अंत में जबलपुर भार्गव सभा के सक्रिय सदस्य श्री रवि जी के दुःखद निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई तथा सभा समाप्ति की घोषणा की गई।

2591, बनारसी दास ब्लॉक, चन्द्रशेखर आजाद वॉर्ड राँझी, जबलपुर
मो.: 9424308182

मुकेश भार्गव
सचिव

(जबलपुर भार्गव सभा की उक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 20-06-2023 को प्राप्त हुई है।)

मेरठ: मासिक बैठक; 18-06-2023 (रविवार), सायं 6.30 बजे से; स्थान: निवास बी-5, तेजपाल सिंह एन्क्लेव, दिल्ली रोड; अध्यक्षता: श्री सुधीर कुमार जी; उपस्थिति: 15

ईश वंदना के पश्चात् अध्यक्ष जी ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया एवं सचिव जी को गत बैठक की कार्यवाही पढ़ने हेतु कहा, गत बैठक एवं टैक पार्टी की कार्यवाही पढ़ने के बाद उपस्थित सदस्यों ने पुष्टि की।

श्री नवीन जी ने प्रस्ताव रखा कि मेरठ भार्गव सभा किसी भी प्रोग्राम के आयोजन हेतु शामिल होने वाले सदस्यों से सहयोग राशि अग्रिम प्राप्त करें, उसके बाद ही प्रोग्राम फाइनल रखा जाये। इस पर सभी ने सहमति भार्गव पत्रिका]

स्थानीय भार्गव सभा

प्रदान की। टैंक पार्टी आय-व्यय का विवरण पेश किया गया एवं अधिक व्यय राशि 5,980/- रुपये को मेरठ भार्गव सभा के द्वारा भुगतान करने की सहमति प्रदान की गयी। खतौली से श्रीमती पूनम, पत्नी स्व. श्री राजीव का फॉर्म, समाज कल्याण समिति से सहायता प्राप्त करने हेतु प्राप्त हुआ है। मीटिंग में रखा गया, अखिल भारतीय भार्गव सभा की समाज कल्याण समिति को भुगतान करने हेतु संस्तुति की गयी।

अखिल भारतीय भार्गव सभा द्वारा 132वें अधिवेशन के आयोजन हेतु आमंत्रण पत्र भार्गव पत्रिका में प्रकाशित, पढ़कर सुनाया गया। सचिव जी ने तम्बोला का गेम खिलाया, विजेता श्री आकाश एवं श्रीमती ईशा रहीं। अगले माह की बैठक श्री किशन के यहाँ होनी तय हुई।

अंत में श्री सुधीर को स्वादिष्ट स्नैक्स एवं रात्रि भोज हेतु धन्यवाद देकर सभा का समापन किया गया।
बी-5, तेजपाल सिंह एन्क्लेव, मेवला क्रासिंग के पास, दिल्ली रोड,
मेरठ सिटी-250002, मो.: 09897024050

सुधीर कुमार भार्गव
अध्यक्ष

(मेरठ भार्गव सभा की उक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 19-07-2023 को प्राप्त हुई है।)

फरीदाबाद: कार्यकारिणी बैठक; 16-07-2023 (रविवार); स्थान: 1004, टॉवर-बी 5, के.एल.जे. ग्रीन्स, सेक्टर-77; संयोजक: श्री रजत जी; उपस्थिति: 19

कार्यकारिणी बैठक ईश प्रार्थना करते हुये, सचिव रजत भार्गव के निवास पर प्रारंभ हुई।

सभा में अध्यक्ष के अनुपस्थित होने पर उपाध्यक्ष श्रीमती वंदना की अनुमति से कार्यवाही में मुख्यतः तीज त्योहार पर होने वाली सामान्य बैठक पर चर्चा की गई। यह तय किया गया कि तीज पर सामान्य बैठक दिनांक 20-08-2023 को पुराने स्थान श्याम रैस्टोरेंट, सेक्टर-79



पर की जाये और संयोजन हेतु श्री रजत व श्री दीपक (BPTP) को जिम्मेदारी दी गई। यह तय किया गया कि सभा Contribution द्वारा एकत्रित धनराशि से की जायेगी और श्री दीपक जो कि कोषाध्यक्ष भी हैं, वह इसकी पूर्व सूचना प्रथम सप्ताह (अगस्त) में Whatsapp Group में डाल देंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रम हेतु श्रीमती ममता, श्रीमती राधिका व श्रीमती विधु द्वारा चर्चा करके कार्यक्रम तैयार किया गया व पुरस्कारों के लिये श्री दीपक को सूचना दी गई। सभी अन्य सदस्यों ने विचार-विमर्श पर पूरा सहयोग दिया और सभा के सभी सदस्यों को वार्षिक शुल्क के लिये भी प्रोत्साहित करते हुये ग्रुप में सूचना देने पर जोर दिया।

अगली कार्यकारिणी सभा के लिये श्री विवेक (RPS) व श्री दीपक (BPTP) ने अपना प्रस्ताव रखा कि सभा उनके निवास पर की जाये।

जलपान के साथ श्री रजत व श्रीमती सुनीता को धन्यवाद देकर सभा समाप्त की गई।

1004, टॉवर-बी 5, के.एल.जे. ग्रीन्स, सेक्टर-77, फरीदाबाद, मो.: 9811265521 रजत भार्गव, सचिव
(फरीदाबाद भार्गव सभा की उक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 19-07-2023 को प्राप्त हुई है।)

*With
Best
Compliments
From*



SURESH BHARGAVA

Mob.: 09811127126

NEERA BHARGAVA

Mob.: 09811066272



180, SIDDHARTHA ENCLAVE
NEW DELHI - 110 014

With Best Compliments From

Calcutta Security Printers Limited

**PRINTERS OF CHEQUES, DRAFTS, BONDS,
DIVIDEND WARRANTS, POSTAGE STAMPS & STATIONERY
PACKAGING & PUBLICITY MATERIALS**

Registered Office & Works :

12/478-A, McRobert Ganj, KANPUR – 208001

Phones : (0512) 2525197, 2526105, 2525798 • Fax : (0512) 2555491

E-mail : cspl@live.com • cspcomm@gmail.com



Branch Office :

Unit A-III (1st Floor), Central Plaza, 41, B.B. Ganguly Street, KOLKATA–700012

Phones : 09903432912 • Fax: (033) 22287866

With best compliments from



**rainbow
convertors**



Prabhu Niwas, 74/11 - Vijay Nagar, Gurudwara Road, Lucknow-226 004
Tel.: 0522-4037600 Mob.: 9839007600 • E-mail: rainbow.convertors@gmail.com

**Cut Size Paper Conversion on Automatic Machines with
in-line Wrapping, Paper Mill Finishing House Operations**

Works:

**Orient Paper Mill, Amlai, M.P.
Bindals Papers Mills Ltd., Muzaffarnagar, U.P.**

स्थानीय महिला सभा

दिल्ली: कार्यकारिणी बैठक; 07-07-2023 (शुक्रवार), दोपहर 3.30 बजे से; स्थान: निवास श्रीमती अलका जी, 20, सिरी फोर्ट; समयबद्धता पुरस्कार: श्रीमती पूनम (फ्रैंड्स कॉलोनी);
अध्यक्षता: श्रीमती संगीता जी; उपस्थिति: 29

ईश वंदना और 108 नाम की माला का उच्चारण सदस्यों द्वारा किया गया। सचिव श्रीमती नीता जी द्वारा गत बैठक की कार्यवाही की रिपोर्ट पढ़कर सुनाई गई, जिसे सर्वसम्मति से पास किया गया।

20 अगस्त रविवार को होने वाले तीज उत्सव पर भी चर्चा की गई। श्रीमती नीता जी ने सभा को सूचित किया कि 20 अगस्त, 2023 को हिंदी भवन में 3.00 बजे से रात्रि 7.00 बजे तक तीज उत्सव मनाया जाएगा। इस वर्ष कार्यक्रम में रंग-बिरंगे परिधान की थीम रखी गई है। श्रीमती रश्म जी एवं ऋचा जी ने तीज उत्सव की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष सांस्कृतिक कार्यक्रम में सामूहिक नृत्य एवं युगल नृत्य में शृंगार एवं सावन की थीम रखी गई है। सामूहिक नृत्य में 3 से अधिक प्रतिभागी होनी चाहिए। सामूहिक गान दो ही होंगे, सामूहिक गान में 5 से ज्यादा सदस्य नहीं होने चाहिए। दोनों ही तरह के नृत्य एवं सामूहिक गान की समय सीमा 3 मिनट निर्धारित की गई है। इस वर्ष मेहंदी रचे हाथ एवं सजधज प्रतियोगिता कराई जाएगी। इसके लिए प्रतिभागी को हरे रंग का परिधान (साड़ी अथवा लहंगा) तथा मेहंदी रचे हाथ व पूर्ण शृंगार में आना आवश्यक है। 18 वर्ष से अधिक उम्र की बहनें इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आमंत्रित हैं। सरप्राइज में 18 वर्ष से ऊपर की सभी बहनें अपना नाम लिखकर मटके में डालेंगी। तीज उत्सव के लिए हमें अपने सदस्यों से सहयोग राशि भी प्राप्त हुई। सभा आप सभी का आभार प्रकट करती है।

जिन सदस्यों के जन्मदिन जून एवं जुलाई माह में आते हैं, उनको सभा की ओर से उपहार दिए गए। सब सदस्यों को तंबोला खिलाया गया।

अगली बैठक 11 अगस्त, 2023 को श्रीमती गीता जी के निवास स्थान 120, नारंग कॉलोनी, जनकपुरी, वेस्ट दिल्ली में होगी। शार्ति पाठ के साथ बैठक का समापन किया गया। स्वादिष्ट जलपान के लिए श्रीमती अलका जी एवं वैशाली जी को धन्यवाद दिया गया।

बी-53, राधाकृष्ण लेन, कौशाम्बी, गाजियाबाद

मो.: 9910288633, <akashcards1@gmail.com>

(दिल्ली भार्गव महिला सभा की उक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 12-07-2023 को प्राप्त हुई है।)

नीता भार्गव
सचिव

कानपुर: (1) शरबत वितरण का आयोजन; 18-06-2023 (रविवार), प्रातः 9.30 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक; स्थान: सोलर प्रेस, चुन्नी गंज; उपस्थिति: लगभग 1000

भार्गव महिला सभा (रजि.) कानपुर द्वारा शरबत वितरण का आयोजन, कानपुर भार्गव सभा व युवा सभा के सहयोग से किया गया। शरबत वितरण का प्रारंभ 9.30 बजे से शुरू किया गया। इस समय तक काफी संख्या में सदस्य लोग आ गए थे, जिन्होंने शरबत वितरण शुरू कर दिया। इस भीषण गर्मी में लोगों ने शरबत का आनंद लिया। युवा सभा के सचिव श्री अजय के द्वारा बिस्कुट बाँटे गए और श्रीमती दीपश्री के द्वारा नमकीन भार्गव पत्रिका]

(111)



[जुलाई, 2023

स्थानीय महिला सभा



के पैकेट भी बाँटे गए। इस शरबत वितरण में हमारी सभा के काफी सदस्यों ने तन-मन-धन से सहयोग किया। साथ में छोटे बच्चे भी मौजूद थे, उन्होंने भी वितरण में बहुत खुश होकर सहयोग किया। अंत में समापन दोपहर 12.00 बजे के करीब हुआ। लगभग 1000 लोगों ने इसका आनंद लिया।

कानपुर: (2) कार्यकारिणी बैठक; 28-06-2023 (बुधवार), सायं 4.00 बजे से; स्थान: द्वारिका प्रसाद भार्गव धर्मार्थ ट्रस्ट; आयोजक: ज्योति जी; अध्यक्षता: श्रीमती अर्चना जी

सर्वप्रथम ईश प्रार्थना से बैठक का आरंभ किया गया। आज की बैठक का उद्देश्य झूला उत्सव के कार्यक्रमों पर विचार करना था। सर्वप्रथम यह तय किया गया कि झूला उत्सव 26, अगस्त को श्री द्वारिका प्रसाद भार्गव धर्मार्थ ट्रस्ट में मनाया जाएगा। उत्सव पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम तय किए गए।



श्रीमती आभा जी व श्रीमती अंजना जी को सांस्कृतिक कार्यक्रम की संयोजिका व सह-संयोजिका बनाया गया। श्रीमती विभा जी (आजाद नगर) को वृद्धजन सम्मान की संयोजिका बनाया गया।

अंत में स्वादिष्ट जलपान हेतु श्रीमती ज्योति जी को धन्यवाद देते हुए बैठक समाप्त की गई।

श्रीमती अर्चना भार्गव (अध्यक्ष)

श्रीमती तनु भार्गव (नाथ) (सचिव)

(कानपुर भार्गव महिला सभा की उक्त दोनों कार्यवाही सभा कार्यालय में 02-07-2023 को प्राप्त हुई हैं।)

जबलपुर: (1) साधारण बैठक; 28-06-2023 (बुधवार), दोपहर 3.30 बजे से; स्थान: निवास श्रीमती मालती, पंचशील कॉलोनी, साकेत नगर; उपस्थिति: 13

सभा की शुरुआत ईश वंदना व गीता के बारहवें अध्याय के वाचन के साथ हुई। सदस्यों द्वारा आगामी तीज पर्व की गरिमामय बताते हेतु चर्चा की गई, पश्चात् हाऊजी का सफल संचालन श्रीमती मधु एवं मालती जी द्वारा किया गया, जिसमें श्रीमती आरुषी, नीता जी, दीपिका जी, चारूल जी, कीर्ति जी एवं रंजना जी ने पुरस्कार प्राप्त किये।

बरसात के मौसम में सभा हो और मंगोड़ी का स्वाद ना हो, यह संभव नहीं, सभी ने जायेकेदार गरम मंगोड़ी व कचोड़ी का आनंद लिया।

सभा का समापन श्रीमती मालती जी को स्वादिष्ट जलपान एवं बैठक आयोजन किये जाने हेतु धन्यवाद दिये जाने के साथ किया गया।

अगली बैठक दिनांक 05-07-2023 को श्रीमती दिव्या जी के निवास स्थान 27, सत्यानंद बिहार, रामपुर में होना निश्चित हुआ।

स्थानीय महिला सभा

जबलपुरः (2) साधारण बैठक; 05-07-2023 (बुधवार), दोपहर 3.30 बजे से; स्थान: निवास श्रीमती दिव्या जी, 27, सत्यानंद बिहार, रामपुर; उपस्थिति: 12

ईश वंदना व गीता के बारहवें अध्याय तथा गीता सार के सस्वर वाचन से सभा का शुभारंभ हुआ। तीजोत्सव कहाँ और कैसे मनाया जाये तथा तैयारी के संबंध में चर्चा की गई। पश्चात् हाऊजी का आनंद श्रीमती मधु जी के संचालन में लिया गया। विजेताओं को क्रमशः प्रथम श्रीमती कीर्ति जी, द्वितीय श्रीमती रंजना जी, तृतीय श्रीमती प्रीति जी एवं चतुर्थ पुरस्कार श्रीमती नीता जी को प्राप्त हुआ।

श्रीमती दिव्या जी को सभा आयोजन एवं स्वादिष्ट जलपान हेतु सभी सदस्यों की ओर से धन्यवाद दिया गया एवं सभा समाप्ति की घोषणा की गई।

619, उपरैनगंज, जबलपुर, मो.: 9303398586

श्रीमती कीर्ति भार्गव, सचिव

(जबलपुर भार्गव महिला सभा की उक्त दोनों कार्यवाही सभा कार्यालय में 02 व 07-07-2023 को प्राप्त हुई हैं।)

अलवरः (1) योग शिविर; 19-06-2023 से 21-06-2023, प्रातः 8.00 बजे से 9.30 बजे तक; स्थान: भार्गव आश्रम; उपस्थिति: 35

मई मास की बैठक के निर्णयानुसार त्रि-दिवसीय योग शिविर महिला सभा अलवर के तत्त्वावधान में लगाया गया। योग प्रशिक्षक श्री अजीत व उप-प्रशिक्षक अमन प्रीत ने सूर्य नमस्कार से योग का श्री गणेश किया। विभिन्न प्रकार के योगासन बताते हुए, स्वास्थ्य से सम्बंधित अनेक जानकारी दी। महिलाओं हेतु उपयोगी आसनों का वर्णन किया तथा आसनों का अभ्यास कराया गया।



समापन समारोह में अलवर भार्गव सभा के संरक्षक श्री गोपालनाथ, सविता जी, अध्यक्ष श्री विनोद जी, सचिव श्री च्यवन जी, शिक्षाविद् कपिल जी, सुरेश जी, हरिश जी, युवा संघ के सचिव अंकुर जी, उपाध्यक्ष अनुमेहा जी तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित हुए। सचिव

वीणा जी ने “ॐ” ध्वनि व नाद के महत्व पर प्रकाश डाला। भार्गव समाज द्वारा प्रशिक्षक अजीत जी व अमन प्रीत को स्मृति चिह्न भेंट कर, माल्यार्पण कर, सम्मानित किया गया। सविता जी ने उपहार प्रदान कर उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अंत में अध्यक्षा श्रीमती अमिता जी ने अल्पाहार पश्चात् सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। शार्ति पाठ से योग-शिविर का समापन किया गया।

अलवरः (2) कार्यकारिणी बैठक; 09-07-2023, सायं 4.00 बजे से; स्थान: भार्गव आश्रम; अध्यक्षता: श्रीमती अमिता जी; उपस्थिति: 20

कार्यक्रम का शुरुआत श्री गणेश एवं ईश वंदना से किया गया। बैठक की कार्यवाही का मुख्य उद्देश्य तीज उत्सव को मनाने के विषय में था। दिनांक 20 अगस्त, 2023 (रविवार), दोपहर 11.00 बजे से प्रारंभ भार्गव पत्रिका]

स्थानीय महिला सभा

करने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। नृत्य प्रतियोगिता में तीजोत्सव से संबंधित लोक-नृत्य रखे जाएँगे। कजरी गीत सामूहिक व व्यक्तिगत रूप से प्रस्तुत किये जाएँगे। “सजना है मुझे सजना के लिये” थीम प्रतियोगिता रखी जाएगी। सांस्कृतिक संचालन प्रभारी श्रीमती सरिता व अंजुबाला करेगी।

ड्रेस कोड लहरायाँ रखा गया। पुरुषोत्तम मास में दान देने हेतु निर्णय लिया गया। अल्पाहार व लंच हेतु मिन्यू मासिक बैठक में लिया जाएगा। तीजोत्सव पर समस्त महिलाओं के आगमन हेतु फोन द्वारा अलवर भार्गव डायरेक्टरी के अनुसार सूचित किया जाएगा।

331, स्कीम नं. 8, अलवर, मो.: 6378352167

श्रीमती वीणा भार्गव, सचिव

(अलवर भार्गव महिला सभा की उक्त दोनों कार्यवाही सभा कार्यालय में 13-07-2023 को प्राप्त हुई हैं।)

रेवाड़ी: साधारण बैठक; 10-06-2023 (शनिवार), सायं 4.00 बजे से; स्थान: सी.एस.टी. कॉम्प्लेक्स; संयोजक: श्रीमती सुनीता जी व श्रीमती सुमिति जी; अध्यक्षता: श्रीमती निशी जी

सर्वप्रथम अध्यक्षा निशी जी ने सभी का स्वागत किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सम्मिलित रूप से ईश वंदना व हनुमान चालीसा से किया गया। तत्पश्चात् सचिव श्रीमती वर्षा जी द्वारा गत माह की रिपोर्ट पढ़ी गई। इसके पश्चात् संरक्षिका श्रीमती रजनी जी ने अमृत परिवार के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। उसके पश्चात् श्रीमती सुनीता जी व श्रीमती सुमिति जी द्वारा दो गेम कराये गए, जिसकी प्रथम विजेता तृप्ति जी एवं द्वितीय विजेता गीता जी रहीं।

कार्यक्रम के अंत में श्रीमती सुनीता जी व श्रीमती सुमिति जी ने स्वादिष्ट जलपान कराया। जिसके लिए अध्यक्षा निशी जी एवं रजनी जी के साथ सभी सदस्यों ने धन्यवाद दिया।

मो.: 9034350291, <nishibhargava67@gmail.com>

श्रीमती वर्षा भार्गव, सचिव

(रेवाड़ी भार्गव महिला सभा की उक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 20-06-2023 को प्राप्त हुई है।)

आगरा: (1) गंगा दशहरे के उपलक्ष्य में मीठी प्याऊ का आयोजन; 30-05-2023 (मंगलवार), सायं 4.00 बजे से 6.30 बजे तक; स्थान: चौराहा माथुर वैश्य भवन के सामने; अध्यक्षता: श्रीमती अल्पा जी; उपस्थिति: 41



भार्गव पत्रिका]

(114)

आगरा महिला भार्गव सभा द्वारा गंगा दशहरे के उपलक्ष्य में मीठी प्याऊ व बड़े मंगल के उपलक्ष्य में बूंदी के वितरण का आयोजन अध्यक्षा श्रीमती अल्पा जी की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर आगरा भार्गव सभा के पूर्व अध्यक्ष श्री दयाशरण जी, सुमित जी, अनिल जी, योगेश जी, डोरीलाल जी, वर्तमान अध्यक्ष श्री विजय जी तथा महिला भार्गव सभा की पूर्व अध्यक्षा श्रीमती प्रतिमा जी, अंशु जी, मीनू जी, निशा जी, विनोद जी, कंचन जी तथा कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती बृजेश जी, श्वेता, पायल, अनिता,

[जुलाई, 2023

स्थानीय महिला सभा

अनामिका, निकिता, राखी, स्वाति, समता, दिव्या तथा समाज के अन्य सदस्य दीप्ति (अशोक नगर), रानी जी आदि सदस्य उपस्थित थे। सभी पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों ने शरबत व बूंदी के वितरण में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया व कार्यक्रम की शेभा बढ़ायी।

इस कार्यक्रम की व्यवस्था को विशेषतौर से पूर्ण करने में श्री दयाशरण जी, कपिल जी, आलोक जी, विशाल जी (कचहरी घाट), अनिल जी व विशाल जी को अपना अमूल्य समय निकालकर कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु महिला भार्गव सभा की सचिव ने उनको धन्यवाद दिया।

विशेषतौर से श्री अभिनव जी ने अपने व अपने अनुज अनुभव जी के जन्म दिन पर महिला भार्गव सभा को शरबत की प्याऊ हेतु 2,100/- रुपये, आशीष जी (गुड़गाँव) ने 1,100/- रुपये तथा सभा के सदस्यों ने भी अपना काफी योगदान दिया। जिसके लिए सचिव ने उनको धन्यवाद देकर आभार व्यक्त किया।

सभा के सभी पूर्व अध्यक्ष व कार्यकारिणी सदस्यों ने कार्यक्रम का हर्षोल्लास के साथ संपन्न करवाया। जिसके लिए महिला भार्गव सभा की सचिव श्रीमती संगीता जी ने उनको धन्यवाद दिया।

आगरा: (2) साधारण बैठक; 2-7-2023, सायं 4.00 बजे से; स्थान: निवास श्रीमती प्रेम जी;

अध्यक्षता: श्रीमती अल्पा जी; उपस्थिति: 28

पंचयूल्टी श्रीमती ब्रजेश जी की निकली। साधारण बैठक में सर्वप्रथम ईश प्रार्थना हुई। फिर दिवंगत आत्मा श्री सुरेश चंद्र जी व श्रीमती विजया जी को 2 मिनट का मौन रख कर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी और उसके बाद 5 मिनट हेतु सभा को स्थगित किया गया।

हरियाली तीज के कार्यक्रम हेतु संयोजिका राजश्री जी और सहसंयोजिका पूजा जी को बनाया गया। सभा द्वारा सरप्राइज टॉपिक दिया गया। (पाश्चातय संस्कृति का हमारे समाज पर प्रभाव) इसमें

1. श्रीमती प्रतिमा जी, 2. श्रीमती राजश्री जी, 3. श्रीमती मीनू जी, 4. श्रीमती अनिता जी, 5. श्रीमती अल्का जी, 6. श्रीमती रोली जी, 7. श्रीमती विनोद जी, 8. श्रीमती दीप्ती जी ने अपने-अपने विचार प्रकट किये।

इन सभी प्रतियोगियों को भार्गव महिला सभा द्वारा पुरस्कृत किया गया।

श्रीमती दीप्ती जी ने एक मजेदार गेम खिलाया, उसमें श्रीमती स्वाति जी, श्रीमती रोली जी विनर रहीं। उन्हें पुरस्कृत किया गया और तम्बोला में श्रीमती प्रतिमा जी व श्रीमती अंजलि जी विनर रहीं।

अंत में सचिव श्रीमती संगीता जी द्वारा स्वादिष्ट-जलपान हेतु श्रीमती प्रेम जी व श्रीमती दीप्ती जी को धन्यवाद देते हुए अध्यक्षा जी द्वारा सभा की समाप्ति की घोषणा की गई।

71, पुष्प प्रफुल्ल नगर, फतेहाबाद रोड, आगरा-282001

मो.: 7906003543, <sangeetabhargava473@gmail.com>

(आगरा भार्गव महिला सभा की उक्त दोनों कार्यवाही सभा कार्यालय में 17-07-2023 को प्राप्त हुई हैं।)

श्रीमती संगीता भार्गव
सचिव



स्थानीय महिला सभा

ग्रामालियर: साधारण बैठक; 08-07-2023 (शनिवार), सायं 4.00 बजे से; स्थान: निवास श्रीमती डिंपल जी, नई सड़क, हरीनिर्मल टॉकिज; अध्यक्षता: निशा जी; उपस्थिति: 20

बैठक ईश प्रार्थना से प्रारंभ हुई। तत्पश्चात् चरणदास जी महाराज की 108 नाम की माला का सुस्वर पाठन किया गया। श्रीमती शशी जी को समयबद्धता का पुरस्कार दिया गया।

सचिव निधि द्वारा पिछली रिपोर्ट पढ़ी गई। जिसकी पुष्टि सदन द्वारा की गई। सचिव द्वारा बच्चों को दिए जाने वाले संस्करणों के बारे में जानकारी दी गई।

आर्मंत्रित अतिथि के रूप में पधारी श्रीमती प्रेमलता जी द्वारा लिप्पन आर्ट पेन्टिंग सिखाई गई। जिसे सदस्यों ने बड़ी उत्सुकता व धैर्य के साथ सीखा व समझा। श्रीमती प्रेमलता जी का सम्मान श्रीमती रचना जी द्वारा उपहार देकर किया गया। तीज उत्सव हेतु चर्चा की गई, झूला उत्सव पर क्या-क्या प्रोग्राम होंगे, थीम क्या रखी जाएगी आदि-आदि। श्रीमती डिंपल द्वारा रोचक गेम खिलाया गया। जिसकी प्रथम व द्वितीय विजेता क्रमशः शालू जी एवं रचना जी रहीं। डिंपल जी द्वारा विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। सचिव निधि द्वारा खुद बनाई गई हाऊजी खिलाई गई। जो कि मानसून, रेन्बों, सप्तऋषि, सावन एवं बरसात पर आधारित गीतों पर थी। सभी ने हाऊजी में बहुत एन्जॉय एवं पसंद किया।

अंत में शान्ति पाठ किया गया। अध्यक्षा जी एवं सचिव द्वारा डिंपल जी को स्वादिष्ट जलपान हेतु आभार व्यक्त किया गया एवं धन्यवाद दिया गया। श्रीमती ऊषा जी द्वारा पोती की वर्षगाँठ पर 501/- रुपये भेंट दिए गए। इस हेतु महिला सभा द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

— श्रीमती निधि भार्गव, सचिव <photocopymits@gmail.com>

(ग्रामालियर भार्गव महिला सभा की उक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 14-07-2023 को प्राप्त हुई है।)

उज्जैन: कृष्णा भार्गव वेलफेयर ट्रस्ट ने किया दृष्टिबाधित का सम्मान: कृष्णा भार्गव वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा अनाथ दृष्टिबाधित राजेश मेहरा का सम्मान समारोह का आयोजन शासकीय माध्यमिक विद्यालय कार्तिक चौक (उज्जैन) में किया गया। उक्त जानकारी देते हुए ट्रस्ट संयोजक शिवम जी ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा मोबाइल एवं समस्त उपयोगी सामग्री की किट प्रदान की गई। मुख्य अतिथि ओम जी ने कहा कि मानव सेवा ही माधव सेवा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित प्रधानाध्यापक राकेश जी ने बताया कि विशेष अतिथि अमिताभ सुधांशु एवं प्रणव गौड के अथक प्रयासों से राजेश जी ने 12वीं की परीक्षा प्रथम श्रेणी से पास की एवं बी.ए. की पढ़ाई हेतु खंडवा में प्रवेश दिलवाया।



— शिवम भार्गव, संयोजक-कृष्णा भार्गव वेलफेयर ट्रस्ट, 30, खत्रीवाड़ा, उज्जैन (मो.: 8817539728)

हमारे युवा संघ

जयपुर: (1) 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' पर अखिल भारतीय भार्गव युवा संघ एवं जयपुर भार्गव सभा द्वारा आयोजित कार्यक्रम; 20 से 21 जून, 2023; स्थान: ऑनलाइन एवं भृगु सदन

योगेन चित्तस्य पदेन वाचां मलं शरीरस्य च वैदिकेन। योपाकरोत्तं प्रवरं मुनीनां पतञ्जलिं प्राब्जलिरानतोस्मि॥
संयुक्त राष्ट्र महासभा में 2015 से 21 जून को प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। योग



एक शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक अभ्यास है, जिसकी उत्पत्ति भारत में हुई थी। भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने संयुक्त राष्ट्र के संबोधन में 21 जून की तारीख का सुझाव दिया, क्योंकि यह उत्तरी गोलार्ध

में वर्ष का सबसे लंबा दिन है और दुनिया के कई हिस्सों में इसका विशेष महत्व है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर अखिल भारतीय भार्गव युवा संघ व जयपुर भार्गव सभा द्वारा 2 दिवसीय योग शिविर का आयोजन उक्त दिनांक को ऑनलाइन व भृगु सदन जयपुर में आयोजित किया गया। जिसमें समाज के बच्चों से लेकर हर उम्र के सदस्यों ने भाग लिया।

योग समाप्ति पर पूर्व प्रधान अखिल भारतीय भार्गव सभा श्री सुरेंद्र नाथ जी (जोधपुर) के प्रेरक शब्दों से ऐसे ही अन्य कार्यक्रम करने की प्रेरणा मिली। कार्यक्रम के अंत में योग गुरु पुंजस्थला जी को श्री अनिल जी, श्रीमती उर्मिला जी, हेमंत जी व सौरभ जी द्वारा स्मृति चिह्न देकर धन्यवाद व सम्मानित किया गया।

जयपुर: (2) कैरियर काउन्सलिंग; 02-07-2023; स्थान: ऑनलाइन; उपस्थिति: 75

अखिल भारतीय भार्गव युवा संघ, कैरियर डेवलपमेंट समिति व युवा कार्यक्रम समिति द्वारा दिनांक को कैरियर काउन्सलिंग सेशन का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में 75 बच्चों ने अपने अभिभावकों के साथ भाग लिया। श्री अरुण (कानपुर), डॉक्टर आलोक वाजपेयी और सुश्री अम्बिका वारियर जी ने बच्चों के कैरियर सम्बन्धी प्रश्नों का उचित उत्तर देते हुए मार्गदर्शन किया।

वाजपेयी जी ने बच्चों को अपनी रुचि खोजने और उस पर काम करने पर जोर दिया। हेमन्त जी ने कार्यक्रम का संचालन किया। उपप्रधान अखिल भारतीय भार्गव सभा श्री दिनेश जी (अलवर), श्री गिरीश जी (लखनऊ) व श्री चंद्रशेखर जी (कानपुर) ने अपने विचार रखे एवं कार्यक्रम की सराहना की। अंत में प्रधान सचिव श्री सौरभ जी ने सभी प्रतिभागियों तथा अतिथियों का धन्यवाद व्यक्त किया।

हेमंत भार्गव (प्रधान), मो.: 9784590386

सौरभ भार्गव (प्रधान सचिव), मो.: 9784542942

(अ.भा.भा. युवा संघ की उक्त दोनों कार्यवाही सभा कार्यालय में 17-07-2023 को प्राप्त हुई हैं।)

अलवर: समर कैंप 2023; 18 से 22 मई, 2023; उपस्थिति: 60

अलवर भार्गव युवा संघ के द्वारा 18 मई को समर कैंप का उद्घाटन किया गया। जिसका उद्घाटन अतिथि के रूप में श्री विनोद (अध्यक्ष भार्गव सभा), श्रीमती अमिता (अध्यक्ष महिला सभा अलवर), श्रीमती वीणा (सचिव महिला सभा) द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया। इसमें 5 दिवसीय कैंप में निःशुल्क लगाया गया। जिसमें कुकिंग-श्रीमती निधि द्वारा, डॉस-श्रीमती प्रियंका एवं कु. चेष्टा द्वारा, बेसिक पार्लर कोर्स-श्रीमती नीलम, मेहन्दी-श्रीमती मेघना, कम्प्यूनिकेशन स्किल-श्रीमती अंकिता, कर्सिव राईटिंग-श्रीमती दीक्षा एवं आर्ट एण्ड क्राफ्ट-श्रीमती रितु द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें समाज के लगभग 55-60 छोटे बच्चे व महिलाओं ने भाग लिया।

दिनांक 22 मई को समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री दिनेश भार्गव (उपप्रधान अ.भा.भा.स., विशिष्ट अतिथियों में श्री गोपालनाथ (संरक्षक भार्गव सभा), श्री विनोद (अध्यक्ष भार्गव सभा), श्रीमती अमिता (अध्यक्ष महिला सभा अलवर), श्रीमती वीणा (सचिव, भार्गव महिला सभा), श्रीमती निधि (सलाहकार) एवं पूर्व अध्यक्ष अलवर भार्गव युवा संघ, सहित अनेक पदाधिकारीगण एवं गणमान्य लोग मौजूद थे। सभी प्रतिभागियों को युवा संघ द्वारा प्रणाम-पत्र दिये गये एवं सभी प्रशिक्षक को प्रणाम-पत्र एवं गिफ्ट (प्रोयाजक-अनुमेहा भार्गव) देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में युवा संघ के अध्यक्ष आशीष जी ने कुशल नेतृत्व व प्रबन्ध क्षमता हेतु अपनी टीम की सराहना की एवं युवा शक्ति को प्रेरित किया। कैम्प के दौरान बच्चों को प्रतिदिन फलाहार आदि का वितरण श्रीमती अमिता, श्रीमती उषा एवं श्रीमती एकता द्वारा उपलब्ध कराए गये।

अन्त में सचिव ने सभी का आभार व्यक्त किया एवं अल्पाहार के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

— अंकुर भार्गव (सचिव), महताब सिंह का नोहरा, अलवर,
मो.: 9462932551 <asprinters0144@gmail.com>

(अलवर युवा संघ की उक्त कार्यवाही सभा कार्यालय में 14-07-2023 को प्राप्त हुई है।)

बुजुर्ग बदलने लगे हैं..

अब लोग बुढ़ापा एंजॉय करने लगे हैं
खुलकर जीने और हँसने लगे हैं
खुद को पोते पोतियों में नहीं उलझाते
अपने जैसे दोस्तों संग ये बक्त बिताते
कोई लाचारी बेबसी अब नहीं दिखती
इनकी जिंदगी इनकी शर्तों पर गुजरती
कभी ये गाने गाते, कभी ठुमके लगाते
अपनी कहानी सुनाते, खुलकर मुस्कुराते
इनकी किटीयाँ होती, जन्मदिन मनाते
अपनी पेंशन खुद पर ही ये लूटाते

ना ताना मारते ना बहुयों की सुनते
अपने अधूरे सपने इस उम्र में बुनते
फेस बुक यू ट्यूब के ये दीवाने होते
इनके भी किस्से फँसाने होते
इनको भी दोस्तों का इंतजार होता
पार्क में रोज जमघट यार होता
अब के बुजुर्ग समझने लगे हैं
जिंदगी के बचे लम्हे जीने लगे हैं
समझ गए साथ कुछ नहीं जाने वाला
तो खुशनुमा लम्हे ये सहेजने लगे हैं।

— आलोक भार्गव, दुर्ग

*With Best Compliments
From*



KUMAR PRINTERS PVT. LTD.

An ISO 9001-2008, 14001-2004, 18001-2007 Certified Company

*Manufacturers of : Paper & Paper Board Packaging
Cartons, Blister Cards, E-Flute Cartons, Inserts & Outserts*

Serving the pharmaceutical and FMCG industry for more than 50 years

MEMBER



First Class Companies – World Class Packaging

website: www.global-packaging-alliance.com

Works & Head Office:

Plot No. 24, Sector-V, IMT Manesar
Gurgaon - 122050 (Haryana)

Ph.: 0124-2896300 (30 Lines),

e-mail : kpp@kumarprinters.com • website : www.kumarprinters.com
Regd office : D-92/4 Okhla Ind. Area, Phase I, New Delhi - 110020, Ph.: 46525919

DIRECTORS

M.K. BHARGAVA • NIHIL BHARGAVA • SANDEEP BHARGAVA

Published on 24 of every month
Posted on 25-26 same month at LPC Delhi RMS, Delhi-110006

RNI No. 4704/1957 DL(SW)-01/4212/2021-23

WPP No.: U(SW)-35/2021-23

SUSTAINABLE SOLUTIONS



COLORANT®
Quality is Colorant

GOTS Certified



COLRON®
Reactive Dyes

COLORANT LIMITED

Plot No. 116, Phase II, G.I.D.C. Vatva, Ahmedabad 382 445, Gujarat, INDIA
Phone: +91 79 4030 7233 / 4583 • Email: mktg@colorantindia.com

www.colorantindia.com

प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक श्री एच.एन. भार्गव द्वारा अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि.) की ओर से रैकमो प्रेस प्राइवेट लिमिटेड, I-57, UPSIDC इंडस्ट्रियल एरिया, साइट-V, कासना, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.) से मुद्रित तथा अखिल भारतीय भार्गव सभा (रजि.), 305, 3rd Floor, एवलोन अपार्टमेन्ट, न्यू मंगलापुरी, मेहराली-गुडगाँव रोड, नई दिल्ली-110030 से प्रकाशित। — सम्पादक : श्री एच.एन. भार्गव